निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

सूचना
श्रमिक दिवस के अवसर पर नवबिहार टाइम्स कार्यालय एवं प्रेस 1 मई 2026 को बंद रहेगा।
संपादक-प्रकाशक

शुभकामनाएं
श्रमिक दिवस के अवसर पर नवबिहार टाइम्स के पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं सभी शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनाएं
संपादक-प्रकाशक

• बोकारो, शुक्रवार, 1 मई 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 341 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

कमजोर मानसून की आशंका, सरकार सतर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में इस वर्ष सामान्य से कम मानसूनी वर्षा की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने अभी से ही तैयारी तेज कर दी है। विभिन्न मौसम पूर्वानुमानों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026–27 के दौरान औसत वर्षा में 30 से 35 प्रतिशत तक कमी की संभावना जताई गई है। संभावित स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कृषि विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने नेपाल हाउस स्थित मंत्रालय में उच्चस्तरीय बैठक कर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह चुनौती केवल झारखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई हिस्सों, विशेषकर मध्य भारत में सूखे जैसी स्थिति बनने की आशंका है। बैठक में निर्णय लिया गया कि किसानों को समय पर सूचना, तकनीकी मार्गदर्शन, अनुदान और सहायता उपलब्ध कराने के लिए आकस्मिक निधि की प्रभावी व्यवस्था की जाएगी। मंत्री ने आश्वस्त किया कि किसी भी परिस्थिति में किसानों को असहाय नहीं छोड़ा जाएगा। सरकार ने खेती में विविधीकरण को रणनीति का मुख्य आधार बनाया है। किसानों को केवल धान पर निर्भर न रहने की सलाह देते हुए मड़ुआ (रागी), उड़द, मूंग और सोयाबीन जैसी कम पानी में होने वाली फसलों को बढ़ावा देने की योजना है। साथ ही भूमि के अनुसार धान की उपयुक्त किस्मों के चयन पर भी जोर दिया गया है। सूखे की संभावित स्थिति को देखते हुए बागवानी, चारा उत्पादन और मिश्रित खेती (इंटरक्रॉपिंग) को बढ़ावा दिया जाएगा। मेड़ों पर सब्जी उत्पादन और अरहर की खेती को भी प्रोत्साहित करने की योजना है, ताकि किसानों की आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित हो सकें। पशुपालन को भी आय का मजबूत आधार बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जल संरक्षण को इस योजना का आधार बनाते हुए चेक डैम निर्माण, जलाशयों में जल संचयन, ड्रिप इरिगेशन और मल्चिंग जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा। इन तकनीकों को अपनाने के लिए सरकार किसानों को सब्सिडी और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगी। कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से किसानों को बेहतर बीज, आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण देने की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि यदि खरीफ फसल प्रभावित होती है, तो रबी मौसम में दलहनी फसलों और मिलेट्स को बढ़ावा देकर किसानों की आय सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार पूरी तैयारी और स्पष्ट रणनीति के साथ किसानों के साथ खड़ी है और हर संभव प्रयास किया जाएगा कि नुकसान न्यूनतम हो। बैठक में कृषि एवं पशुपालन विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीकी, विशेष सचिव गोपाल तिवारी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एससी दुबे, कृषि निदेशक भोर सिंह यादव सहित विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व कर्मियों की हड़ताल स्थगित, 4 मई से काम पर लौटेंगे अधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में अंचलाधिकारियों (सीओ) और राजस्व पदाधिकारियों (आरओ) की लंबे समय से जारी हड़ताल गुरुवार को समाप्त हो गई। राज्य सरकार के साथ वार्ता पर सहमति बनने के बाद अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर गए अधिकारियों ने काम पर लौटने का निर्णय लिया है। बिहार संयुक्त राजस्व सेवा महासंघ ने हड़ताल समाप्त करने की औपचारिक घोषणा की। इससे अंचल कार्यालयों में लंबित पड़े जमीन संबंधी कार्यों के फिर से सुचारु होने की उम्मीद जगी है, जो आम लोगों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्यभर के अंचलाधिकारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 9 मार्च से सामूहिक अवकाश पर थे। इस दौरान राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से कई बार अधिकारियों से काम पर लौटने की अपील की गई। तत्कालीन विभागीय मंत्री सह उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने हड़ताली अधिकारियों को वेतन रोकने, निलंबन और अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी, जिसके बाद कुछ अधिकारियों ने काम पर वापसी कर ली थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में सीओ और आरओ अपनी मांगों पर अड़े रहे, जिससे अंचलों में जमीन से जुड़े कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे थे। विभाग ने काम पर नहीं लौटने वाले कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित भी किया, जिससे सरकार और हड़ताली अधिकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी रही।

हड़ताल के कारण निबंधन, दाखिल-खारिज समेत कई जरूरी कार्य ठप हो गए थे। स्थिति को संभालने के लिए राज्य सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्य अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा, जिससे कर्मचारियों पर कार्यभार बढ़ गया था। अब वार्ता के आश्वासन के बाद हड़ताल समाप्त होने से प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने और आम जनता को राहत मिलने की उम्मीद है।

एक नजर

साइबर गिरोह के चार आरोपित गिरफ्तार

रामगढ़। जिले की साइबर अपराध थाना पुलिस ने एक संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह फर्जी बैंक खातों के माध्यम से देशभर में लोगों को निशाना बनाकर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर अपराध के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

मामले का खुलासा गृह मंत्रालय के 14सी प्रोजेक्ट के तहत संचालित 'प्रतिबिंब' प्लेटफॉर्म पर एक संदिग्ध बैंक खाते की पहचान के बाद हुआ। जांच में पाया गया कि यह खाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 'श्री गणेश इंटरप्राइजेज' के नाम से MSME योजना के अंतर्गत खोला गया था, लेकिन इसका उपयोग अवैध लेनदेन और साइबर ठगी के लिए किया जा रहा था। यह खाता रामगढ़ के कुज्जू क्षेत्र से जुड़ा हुआ पाया गया।

जांच के दौरान चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि इस एक खाते से जुड़े देशभर में कुल 274 शिकायतें दर्ज हैं। इनमें महाराष्ट्र (48), कर्नाटक (27), उत्तर प्रदेश (27), तमिलनाडु (25), तेलंगाना (22) और पश्चिम बंगाल (20) जैसे राज्यों में सर्वाधिक मामले सामने आए हैं। इससे गिरोह के व्यापक नेटवर्क और संगठित तरीके से काम करने का अंदाजा लगाया जा सकता है।

जमशेदपुर की शांभवी तिवारी ने रचा इतिहास, 100% अंक के साथ बनीं नेशनल टॉपर

रांची। ICSE (10वीं) और ISC (12वीं) परीक्षा 2026 के घोषित परिणामों में झारखंड के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर राज्य का मान बढ़ाया है। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन द्वारा 30 अप्रैल को जारी नतीजों में कोल्हान क्षेत्र, विशेषकर जमशेदपुर और चाईबासा के छात्रों का दबदबा साफ नजर आया। इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि जमशेदपुर की शांभवी तिवारी के नाम रही, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक हासिल कर राष्ट्रीय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा शांभवी ने विज्ञान संकाय के कठिन विषयों में शत-प्रतिशत अंक लाकर यह सिद्ध कर दिया कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार और विद्यालय गौरवान्वित हुआ है, बल्कि पूरे राज्य में खुशी की लहर है।

जमीन सीमांकन के दौरान अंचल कर्मियों पर हमला

गुमला। जिले के चैनपुर प्रखंड अंतर्गत केड़ग गांव में जमीन सीमांकन के दौरान अंचल कर्मियों पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस घटना में एक राजस्व कर्मचारी घायल हो गया, जबकि अन्य कर्मियों को मौके से भागकर अपनी जान बचानी पड़ी। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेड़ा गांव निवासी शिव प्रसाद साहू के आवेदन पर अंचलाधिकारी के निर्देशानुसार चैनपुर अंचल के कर्मचारी जमीन का सीमांकन करने के लिए गांव पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने सीमांकन का विरोध करते हुए अचानक कर्मियों पर हमला बोल दिया। स्थिति देखते ही देखते उग्र हो गई। हमले के दौरान राजस्व कर्मचारी सुजीत कुमार सिंह को निशाना बनाते हुए एक महिला ने उन्हें चप्पलों से पीटा। वहीं अन्य कर्मियों के साथ भी मारपीट की गई। जान बचाने के लिए कर्मियों को मौके से भागना पड़ा, लेकिन कुछ ग्रामीणों ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इस घटना में सुजीत कुमार सिंह घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चैनपुर थानेदार दिनेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलते ही आरोपियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली छात्रों से भरा ऑटो दुर्घटनाग्रस्त, एक छात्र की मौत

लातेहार। जिले के अक्सी रोड स्थित स्कूल के छात्रों से भरी ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में एक बच्चे की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक बच्चे घायल हो गए। घायलों में 4 बच्चों की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिन्हें प्राथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। दरअसल, महुआडांड़ में स्कूली बच्चों को लेकर ऑटो जा रही थी। बताया जा रहा है कि ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था और इसकी रफ्तार भी तेज थी। इसी दौरान ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना के बाद बच्चों के रोने चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस को दी. घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीएम विपिन दुबे के निर्देश पर पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायल बच्चों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA
जनगणना से जन कल्याण
गृह मंत्रालय भारत सरकार
सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना, हमारा विकास
(जनगणना 2027 का पहला चरण)

भारत सरकार द्वारा आपके राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना आरंभ होने जा रही है
इससे पहले 15 दिनों की विशेष सुविधा दी जा रही है, जिसमें आप स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं

मैं हूँ प्रगति
मैं हूँ विकास

स्व-गणना (Self-Enumeration)
सरल और सुरक्षित डिजिटल सुविधा

कैसे करें स्व-गणना ?
1 आधिकारिक पोर्टल (se.census.gov.in) पर जाएँ
2 अपने मोबाइल नंबर से OTP द्वारा लॉगिन करें
3 अपना राज्य, जिला और स्थानीय विवरण चुनें
4 डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित करें
5 मकान एवं परिवार से संबंधित जानकारी भरें
6 सबमिशन के बाद SE ID मिलेगी
7 SE ID सुरक्षित रखें
8 प्रगणक (Enumerator) आने पर SE ID दें
9 प्रगणक जानकारी की पुष्टि करेंगे

इसके लाभ
समय की बचत
सटीक जानकारी
तेज़ डेटा प्रोसेसिंग

याद रखें स्व-गणना एक विशेष सुविधा है
यदि आप स्व-गणना नहीं कर पाते हैं, तो चिंता न करें, निर्धारित अवधि में प्रगणक आपके घर आकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे
आपकी सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी

झारखंड
स्व-गणना 1 से 15 मई
मकानसूचीकरण 16 मई से 14 जून

CBC 19108/13/0078/2627

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी
टोल फ्री - 1855
CensusIndia2027

संक्षिप्त समाचार

आंधी-बारिश से 6 बिजली टावर ध्वस्त, गंडक पार 16 घंटे से नहीं है लाइट

बेतिया, एजेंसी। बुधवार रात आई भीषण आंधी ने पश्चिम चंपारण जिले में बिजली व्यवस्था को पूरी तरह चरमरा दिया। बेतिया से ठकराहा पावर ग्रिड के बीच 1.20 लाख केवीए सप्लाई वाले छह टावर पोल गिरकर जमींदोज हो गए। इस कारण गंडक पार के दियारा क्षेत्र में करीब 16 घंटे से बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। हजारों उपभोक्ता अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। ग्रिड डिविजन के सहायक अभियंता अंकित कुमार ने बताया कि तेज आंधी के कारण 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के कई टावर क्षतिग्रस्त हुए हैं। टावर नंबर 79, 83 और 84 सहित आधा दर्जन टावर गिर गए हैं। इससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2022 में भी इसी तरह के तूफान से भारी नुकसान हुआ था। फिलहाल विभागीय टीम नुकसान का आकलन कर रही है और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी है।

काल बनकर बरसा मेघ, शादी वाले घर में छाया मातम, एक की मौत

समस्तीपुर, एजेंसी। दलसिंहसराय थाना क्षेत्र में देर रात आई भीषण आंधी-पानी ने भारी तबाही मचाई। पांड पंचायत के वार्ड संख्या-2 स्थित दास टोला में तेज हवा के कारण एक तार का पेड़ बिजली तार समेत फूस के घर पर गिर गया। इस हादसे में घर के अंदर सो रहे घाटो सहनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के इंद्र सहनी, संदीप सहनी और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे ने एक परिवार की खुशियों को पलभर में मातम में बदल दिया। मृतक के घर से ही अजय सहनी की बारात बासुदेवपुर, पटोरी जाने वाली थी, लेकिन घटना के बाद शादी का माहौल गम में बदल गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि तेज आंधी के दौरान सभी लोग घर में थे, तभी पेड़ और तार गिरने से घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष मो। इरशाद आलम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इलाके में कई जगह पेड़ गिरने की सूचना है।

गोरखपुर के लिए नहीं है सीधी ट्रेन, चक्का जाम की चेतावनी

रक्सौल, एजेंसी। सीमावर्ती क्षेत्रों में एक बार फिर रेल आंदोलन की सुगबुगाहट तेज हो गई है। रक्सौल-नरकटियागंज रेलखंड पर ट्रेनों की भारी कमी को लेकर यात्रियों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रक्सौल से सुबह 4:40 बजे के बाद अगली ट्रेन दोपहर 3:30 बजे मिलती है, यानी करीब 11 घंटे तक कोई सेवा उपलब्ध नहीं रहती। इससे यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। रेलवे द्वारा कुछ ट्रेनों के विस्तार की घोषणा की गई है, लेकिन उनका परिचालन अब तक शुरू नहीं हुआ है। यात्रियों का कहना है कि प्रस्तावित समय सारिणी भी व्यावहारिक नहीं है। खासकर गोरखपुर जाने के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं होने से लोगों को अतिरिक्त दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रक्सौल से सिकटा होते हुए गोरखपुर तक सीधी ट्रेन सेवा शुरू हो, तो इससे व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही लखनऊ और दिल्ली जैसे शहरों की यात्रा भी आसान हो जाएगी। सिकटा समेत आसपास के ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो स्टेशन पर चक्का जाम और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। लोगों की उम्मीदें केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे से जुड़ी हैं कि वे इस रेलखंड पर सुविधाओं का विस्तार कराएंगे।

बिरौल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन नाबालिग गिरफ्तार

दरभंगा, एजेंसी। बिरौल थाना पुलिस ने सुपौल बाजार स्थित आदर्श मोबाइल दुकान में हुई चोरी की बड़ी घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 9 चोरी के मोबाइल बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया गया, जबकि तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया गया है। दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। थानाध्यक्ष चंद्रमणि ने बताया कि 14-15 अप्रैल की रात मोबाइल दुकान में चोरी हुई थी। दुकान संचालक अरविंद कुमार मिश्रा के आवेदन पर बिरौल थाना कांड संख्या-213/26 दर्ज किया गया था। वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी शुरू की। पुलिस ने सबसे पहले कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के रामपुर राउत गांव से एक 16 वर्षीय किशोर को पकड़ा, जिसके पास से चोरी के तीन मोबाइल मिले। पकड़े गए किशोर की निशानदेही पर पुलिस ने गांव के ही दो अन्य नाबालिगों को निरुद्ध किया, जिनके पास से तीन और मोबाइल बरामद हुए। वहीं, छापेमारी के दौरान 24 वर्षीय विपिन राम के पास से भी एक मोबाइल मिला, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा दो अन्य घरों से भी एक-एक मोबाइल बरामद किया गया है, हालांकि वहां के आरोपी फिलहाल फरार हैं।

रात के 3 बजे सिवान की सड़कों पर अचानक

बरसने लगी गोलियां, छोटू यादव का एनकाउंटर

सिवान, एजेंसी। बिहार में पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में आ चुकी है। तभी तो 24 घंटे के अंदर प्रदेश में दो बड़े एनकाउंटर हुए हैं। पहले भागलपुर में रामधनी यादव पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। उसी तरह सिवान में भी घटना के महज 12 घंटे के अंदर एनकाउंटर में गोलियों की गूंज सुनाई पड़ी।

दरअसल, सिवान पुलिस ने अपराधी छोटू यादव का एनकाउंटर किया है, जो हुसैनगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस और आरोपी के बीच हुए मुठभेड़ में छोटू यादव के पैर में गोली लगी है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

रोजरेज को लेकर मामले ने तूल पकड़ा : अब आपको इस घटना की पूरी कहानी बताते हैं। इसकी शुरुआत रोडरेज से होती है। पुलिस के अनुसार भाजपा नेता मनोज सिंह के बहनोई चंदन सिंह और उसके भांजे हर्ष सिंह एक कार से जा रहे थे। रास्ते में आंदर ढाला में कार को खड़ी कर कोई काम से गए। तभी पीछे से एक कार आयी और उसमें टक्कर हो गयी। जिसके बाद दोनों लोगों में कहा-सुनी हुई।

कार से पिस्टल निकाली और दनादन फायरिंग की : देखते ही देखते छोटू यादव ने कार से पिस्टल निकाली और गोलीबारी कर दी। जिसमें तीन गोली हर्ष सिंह को मारी गई। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। वहीं बीजेपी नेता के बहनोई चंदन सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इस घटना के बाद पुलिस ने एक एसडीपीओ की देख रेख में टीम गठित कर जाल बिछाया। रात भर पुलिस की टीम छापेमारी करती रही। सीसीटीवी से गाड़ी नम्बर की पहचान की गई। पुलिस ने धावा बोला तो तीन आरोपी फरार हो गए, जबकि छोटू यादव पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

तीन बजे हुआ एनकाउंटर : छोटू यादव ने पुलिस पूछताछ में अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। इसके बाद सिवान पुलिस उसको लेकर हत्या में इस्तेमाल हथियार को बरामद करने जा रही थी। रात तकरीबन तीन बजे का यह वक्त था।पुलिस के अनुसार, ''छोटू यादव छुड़ाकर भागने लगा और छुपाए हुए हथियार निकाल कर पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसके जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें आरोपी छोटू यादव घायल होकर गिर पड़ा। उसके पैर में दो गोलियां लगी हैं।

बिहार में बीजेपी नेता के भांजे की हत्या, रोड रेज के बाद बरसाईं गोलियां

सिवान, एजेंसी। बिहार के सिवान जिले में बुधवार शाम एक मामूली रोड रेज विवाद ने खूनी रूप ले लिया। सिवान के पूर्व एमएलसी और भाजपा नेता मनोज सिंह के भांजे 28 वर्षीय हर्ष कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उनके बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना लक्ष्मीपुर-आंदर ढाला ओवरब्रिज के पास टाउन थाना क्षेत्र में हुई।

तिलक समारोह जाते समय हुई घटना: चंदन सिंह अपने बेटे हर्ष कुमार सिंह के साथ तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। सड़क किनारे कार खड़ी कर परिवार के अन्य सदस्यों का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार उनकी गाड़ी से सट गई, जिसके बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई। बहस कुछ ही देर में इतनी बढ़ गई कि दूसरे पक्ष के लोगों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी।

हर्ष कुमार सिंह की मौके पर मौत: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान दूसरी कार में सवार बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हर्ष कुमार सिंह को कई गोलियां लगीं और वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया। उनके पिता चंदन सिंह को भी गोली लगी, जिनकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने अपराधी को किया गिरफ्तार: पुलिस ने मामले की त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में मुख्य आरोपी की पहचान कर ली। आरोपी की पहचान हुसैनगंज थाना क्षेत्र के हथौड़ा गांव निवासी छोटू कुमार यादव (वीर यादव का पुत्र) के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार तड़के करीब 3 बजे उसे पकड़ने की कोशिश की तो आरोपी ने भागने और फायरिंग करने की कोशिश की।

मुठभेड़ में आरोपी को दोनों पैरों में लगी गोली: पुलिस की जवाबी फायरिंग में छोटू यादव के दोनों पैरों में गोली लग गई। वह घायल अवस्था में गिर गया और फिलहाल सरकारी अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया है। इस मुठभेड़ में पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। पुलिस के अनुसार, छोटू यादव मुख्य आरोपी है, लेकिन घटना में शामिल अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है। एसपी पुरन कुमार झा, एसडीपीओ अजय कुमार और नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने मौके का निरीक्षण किया।

बिहार में नाबालिग लड़की का अपहरण कर बंगाल में बेचने की कोशिश, असफल होने पर किया गया सामूहिक दुष्कर्म

किशनगंज, एजेंसी। बिहार के किशनगंज से एक गंभीर आपराधिक मामला सामने आया है। यहां पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और यौन उत्पीड़न की खबर आई है। मामले ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस को सतर्क कर दिया है। घर के पास से ही पीड़िता का अपहरणः परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह मामला 21 अप्रैल का है। बताया जा रहा है कि दो युवकों ने घर के पास से ही पीड़िता का अपहरण कर लिया था। इसके बाद आरोपी उसे पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के पांजीपाड़ा इलाके में ले गए।

पीड़िता को बेचने की हुई कोशिशः परिजनों का आरोप है वहां ले जाकर उसे बेचने की कोशिश की गई। हालांकि उसमें असफल होने पर पीड़िता को बंधक बना कर उसके साथ बारी-बारी से दोनों युवकों ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

थाना में लिखित शिकायत दर्जः पीड़िता के परिवार ने इस संबंध में पहाड़कट्टा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सुसंगत कानूनी धाराओं के तहत स्नढ्ढक्रदर्ज कर ली है। जांच के दौरान पुलिस अपहरण और अन्य आरोपों के हर पहलू की बारीकी से पड़ताल कर रही है।

पुलिस सक्रियता से कर रही कामः पहाड़कट्टा थाना अध्यक्ष फूलेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस की टीमें इस मामले पर सक्रियता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

हर संभव कानूनी सलाह और सुरक्षा दी जा रहीः फिलहाल पुलिस पीड़िता को हर संभव कानूनी सलाह और सुरक्षा सहायता प्रदान कर रही है। प्रशासन का कहना है कि दोषियों को पकड़ना उनकी प्राथमिकता है।

हसमुन तारा ने पर्स बनाकर बदली तकदीर, 8000 से शुरू किया व्यवसाय, हर महीने 2 लाख की आय

शिवहर, एजेंसी। बिहार के शिवहर से हिम्मत, हुनर और हौसले की शानदार कहानी आई है। यहा के कुशहर गांव स्थित मौलागंज की रहने वाली हसमुन तारा की कहानी संघर्ष, साहस और आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी है। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली हसमुन आज पर्स (बटुआ) बनाने के व्यवसाय से हर महीने लाखों रुपये की आमदनी कर रही हैं। इसके साथ वे न सिर्फ अपने परिवार बल्कि कई अन्य लोगों के जीवन में भी रोशनी ला रही हैं।

कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था परिवारः एक समय था जब हसमुन का परिवार बेहद कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। आठ सदस्यीय परिवार जिसमें पति मो। जफिर आलम, तीन बेटे और तीन बेटियों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। घर की आय बेहद सीमित थी। कभी मजदूरी, कभी खेती और घरेलू कामों से मुश्किल से 3 से 5 हजार रुपये महीना जुट पाता था। इतनी कम आमदनी में बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और अन्य जरूरतें पूरी करना किसी चुनौती से कम नहीं था। कई बार हालात ऐसे बनते थे कि परिवार को कर्ज तक लेना पड़ता था।

हिम्मते मर्दा, मददे खुदाः लेकिन वो कहते हैं ना हिम्मते मर्दा, मददे खुदा।।बस उसी का अनुसरण करते हुए हसमुन ने हार नहीं मानी। करीब 10 साल पहले उन्होंने पर्स बनाने का छोटा सा काम शुरू किया। शुरुआत महज 8 हजार रुपये से हुई थी। इसके बाद वर्ष 2019 में वे जीविका समूह से जुड़ीं, जहां से उन्हें बचत और छोटे लोन की सुविधा मिली। इसी सहारे उन्होंने अपने छोटे व्यवसाय को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया।

जीविका से जुड़ने के बाद जिंदगी को मिली नई दिशाः हसमुन बताती हैं कि जीविका से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी को नई दिशा मिली। उन्होंने नियमित तौर पर बचत शुरू की और लोन लेकर अपने काम को विस्तार दिया। धीरे-धीरे आय बढ़ने लगी, घर की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी और सबसे बड़ी बात ये हुई कि बच्चों की पढ़ाई बेहतर तरीके से होने लगी। अब परिवार को किसी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती।

हर महीने 2 लाख रुपये तक की हो रही कमाईः आज हसमुन तारा का पर्स बनाने का व्यवसाय इतना बड़ा हो चुका है कि वे हर महीने करीब 2 लाख रुपये तक की कमाई कर रहीं हैं। उनके साथ अब उनके पति भी इस काम में हाथ बंटा रहे हैं। इतना ही नहीं, उनके पास दरभंगा, दिल्ली और बंगाल जैसे शहरों से आकर भी कारीगर आकर काम करते हैं। इसके अलावा आसपास के गांवों की कई महिलाओं को भी हसमुन के इस व्यवसाय से रोजगार मिला है।

कई राज्यों तक फैला व्यवसायः हसमुन के बनाए पर्स अब सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राज्य के बाहर भी उनकी अच्छी मांग है। शिवहर के एक गांव से होते हुए उनका व्यवसाय कई राज्यों तक फैल चुका है।

6 महीने में 2 मुख्यमंत्री : अधूरी कैबिनेट, तेजस्वी का आरोप- साजिश से बनी पथभ्रष्ट सरकार से जनता नाउम्मीद

आरजेडी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि नई सरकार के 6 महीनों में ही प्रदेशवासी उदासीन हो चुके हैं

सरकार अपने कार्यकाल में आमजनों की बजाय तंत्र में बैठे लोगों की पोषक बनकर ही कार्य करेगी

पटना, एजेंसी। सम्राट मंत्रिमंडल विस्तार में देरी और कानून-व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि साजिश से बनी इस 'पथभ्रष्ट सरकार' के पहले साल के कार्यकाल का 46.03 फीसदी वक्त बर्बाद हो चुका है। इस दौरान उनके निशाने पर पूर्व सीएम नीतीश कुमार भी रहे।

तेजस्वी यादव का एनडीए सरकार पर हमलाः तेजस्वी यादव ने लिखा कि विधानसभा चुनाव के 6 महीने बाद ही बिहार ने दो मुख्यमंत्री देख लिए हैं। साजिश से बनी इस 'पथभ्रष्ट सरकार' के पहले साल के कार्यकाल का 46.03 फीसदी वक्त बर्बाद हो चुका है। उन्होंने आगे लिखा कि बिहारवासियों के लिए यह बेहद निंदनीय और चितनीय सवाल है कि लगभग 50 प्रतिशत समय गंवाने के बाद भी सरकार की प्राथमिकता, लक्ष्य, कार्यक्रम और नीति स्पष्ट और निर्धारित नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष ने कैबिनेट विस्तार में देरी पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा, 'एक पखवाड़े से केवल 3 लोग ही बिहार चला रहे हैं। अधूरे मंत्रिमंडल के साथ बिना विमर्श, चिंतन और मनन के ये लोग अलोकतांत्रिक तरीके से मनमर्जी के निर्णय ले रहे हैं।'

नीतीश कुमार को 'सत्ताकामी' बतायाः पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि सत्तालोलुप एनडीए नेताओं ने नैतिकता और लोकलाज की सारी मर्यादाएं त्याग कर राज्य को अपनी तृष्णा पूर्ति का अखाड़ा बना लिया है। पिछले 6 साल में 5 बार और 12 वर्षों में 10 बार सरकार का गठन-पुनर्गठन हुआ है, जिसमें चंचल व्यग्र मन के धनी 'सत्ताकामी' नीतीश कुमार ने कारण-अकारण 8 बार मुख्यमंत्री की शपथ ली है। उनकी इस बेसबब क्षणभंगुर विचारधारा और दिग्भ्रमित उत्कंठा ने शासकीय व्यवस्था को अंधेरे में धकेल प्रशासनिक अराजकता, सामाजिक अस्थिरता व अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न कर बिहार को दिशाहीन तथा बिहारवासियों को उपहास का पात्र बनाया है।

जनता को सरकार से कोई उम्मीद नहीं: तेजस्वी ने कहा कि आज बिहार बेलगाम नौकरशाही, अनियंत्रित भ्रष्टाचार, ध्वस्त विधि व्यवस्था, वित्तीय कुप्रबंधन, अपारदर्शी कार्यशैली, अनुशासनहीनता, भ्रष्ट कार्य संस्कृति, गरीबी, पलायन, बेरोजगारी और अविश्वास के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। उन्होंने कहा कि बिहार की अवाम को अब इस निरर्थक सरकार से कोई उम्मीद शेष नहीं है। सम्पूर्ण देश जानता है कि तंत्र-यंत्र और षड्यंत्र से अर्जित कथित बहुमत से निर्मित यह असंवेदनशील सरकार अपने कार्यकाल में आमजनों की बजाय तंत्र में बैठे लोगों की पोषक बनकर ही कार्य करेगी।

समस्या में घिरी सरकार क्या समाधान करेगी?: आरजेडी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि नई सरकार के 6 महीनों में ही प्रदेशवासी उदासीन हो चुके हैं। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही 21 वर्षों की एनडीए सरकार की कार्य प्रणाली से बिहार के युवा, महिला, छात्र, किसान, कर्मचारी और व्यापारी अब नाउम्मीद हो चुके हैं। जो सरकार खुद स्वयं के लिए समस्या है, वह जनता का क्या समाधान करेगी?

बिहार में कार्यपालक अधिकारी की गोली मारकर हत्या, नगर परिषद के सभापति को भूना

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर में मंगलवार को सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। जिले के नगर परिषद सुल्तानगंज कार्यालय में दिनदहाड़े अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इसमें कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण प्रसाद की मौत हो गई है। वहीं नगर सभापति राज कुमार गुड्डू गंभीर रूप से जख्मी हैं।

सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय में गोलीबारी : प्रत्यक्षदर्शी रंजीत कुमार ने बताया कि नगर परिषद कार्यालय में उस समय चेयरमैन और कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) अपने कक्ष में बैठे हुए थे। कार्यालय में अन्य लोग भी मौजूद थे, जबकि स्टैंडिंग कमिटी के सदस्य भी अंदर बैठे थे। इसी दौरान अचानक तीन से पांच की संख्या में अपराधी बाइक से पहुंचे और सीधे कार्यालय के भीतर घुस आए।

'अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दीः गोली चलने की आवाज सुनते ही कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। हम सभी लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। वहां देखा कि चेयरमैन और ईओ गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े थे। इसके बाद हमलोगों ने दोनों घायलों को तत्काल उठाकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

कार्यपालक पदाधिकारी की मौत : घटना की जानकारी सुल्तानगंज थाना की पुलिस को दी गई। जानकारी मिलने पर एसएसपी प्रमोद यादव, प्रशिक्षु एसएसपी सायम रजा, इंस्पेक्टर मृत्युंजय कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को एंबुलेंस के द्वारा बेहतर ईलाज के लिए मायागंज भेज दिया गया। कहा जा रहा है कि कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण प्रसाद को तीन गोली पूरे शरीर में मारी गई थी। भागलपुर जाने के क्रम मौत हो गई।

पुरानी रंजिश में वारदात को दिया गया अंजाम! : नगर सभापति राज कुमार गुड्डू को सिर में गोली मारी गई है। उनकी भी स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है। सूत्रों से मिलीं जानकारी के अनुसार, नगर परिषद सुल्तानगंज के सभापति और उपसभापति की पुरानी रंजिश होने पर इस घटना को अंजाम दिया गया है।

अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी : एसएसपी ने कहा कि घटना की जांच के लिए हमारी तीन से चार विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। विभिन्न स्थानों पर छापेमारी शुरू कर दी गई है।

बुद्ध पूर्णिमा पर बोधगया में भव्य आयोजन, बोधि वृक्ष की होती है विशेष पूजा

गयाजी, एजेंसी। बुद्ध पूर्णिमा पर बोधगया में भव्य आयोजन हो रहा है। 2 लाख से अधिक श्रद्धालु, बौद्ध भिक्षु और बौद्ध धर्म के अनुयायी पहुंचेंगे। बीटीएमसी और जिला प्रशासन की ओर से इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। पूरे बोधगया को बुद्ध पूर्णिमा के लिए सजाया जा रहा है। जिला प्रशासन ने बुद्ध पूर्णिमा को लेकर दिशा निर्देश भी जारी किए हैं।

कब मनाई जाएगी बुद्ध पूर्णिमा?: वैशाख पूर्णिमा 30 अप्रैल 2026 की रात 9 बजकर 13 मिनट से शुरू होगी। यह तिथि 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। ऐसे में बुद्ध पूर्णिमा इस साल 1 मई 2026 शुक्रवार को मनाई जाएगी। बुद्ध पूर्णिमा को आत्मचिंतन और शांति का दिन भी माना जाता है। इस दिन लोग अपने जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प भी लेते हैं, इस दिन जरूरतमंद में दान भी किया जाता है।

मुख्यमंत्री भी होंगे शामिलः बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुद्ध पूर्णिमा के दिन गयाजी के बोधगया में होंगे। यहां वो शंकराचार्य मठ में पूजा भी करेंगे। शंकराचार्य मठ के स्वामी सत्यानंद गिरी ने बताया कि सीएम पूजा करने के साथ-साथ प्रसाद भी ग्रहण करेंगे। यहां उनके स्वागत के लिए तैयारी की जा रही है। ये पहला अवसर होगा जब सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने के बाद गयाजी आएंगे।

'इस बार बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026 को मनाई जाएगी, इसको लेकर महाबोधि मंदिर और शंकरचार्य मठ में तैयारी चल रही है। आसपास के क्षेत्रों को विशेष रूप से सजाया जा रहा है, क्योंकि बुद्ध पूर्णिमा एक ऐसा शुभ अवसर है जो हिंदू और बौद्ध धर्म में विशेष महत्व रखता है। '- स्वामी सत्यानंद गिरी, शंकराचार्य मठ, बोधगया

बोधगया शंकराचार्य मठ के स्वामी सत्यानंद गिरी ने कहा कि हर वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को बुद्धपूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु के 9वें अवतार गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था। इसलिए वैशाख पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन सिर्फ भगवान बुद्ध का जन्म ही नहीं हुआ, बल्कि इसी दिन बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति भी हुई थी। इसी दिन उनका महानिर्वाण भी हुआ था।

ऑल इंडिया भिक्षु महासंघ के महामंत्री भिक्षु प्रज्ञादीप ने कहा कि राजकुमार सिद्धार्थ जब सत्य की खोज में तपस्वी जीवन को अपनाया और कठोर तपस्या की। वर्षों तक वन वन भटकते रहे। अंततः वैशाख में बोधगया में पीपल के पेड़ जो बाद में बोधि वृक्ष कहलाया। उसके नीचे बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई, जिसके बाद राजकुमार सिद्धार्थ भगवान बुद्ध बन गए। यही वजह है कि इस दिन दुनिया भर से बौद्ध धर्म के मानने वाले एकत्रित होते हैं और बोधि वृक्ष की पूजा करते हैं। इस दिन बोधि वृक्ष की पूजा करने का खास महत्व है।

खीर का चढ़ाया जाता है प्रसादः भिक्षु प्रज्ञादीप कहते हैं कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन हर घर में खीर बनती है। भगवान बुद्ध को खीर का प्रसाद भी चढ़ाया जाता है। इस दिन खीर का महत्व इसलिए है, क्योंकि सुजाता ने भगवान बुद्ध को खीर दिया था। इसी लिए बुद्ध पूर्णिमा के दिन खीर का भी खास महत्व है। 'इस दिन खीर का भोग भी लगाया जाता है, क्योंकि मान्यता है कि ऐसा करने से मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। सकारात्मक ऊर्जा का परवाह भी बना रहता है। '- भिक्षु प्रज्ञादीप, महामंत्री, अखिल भारतीय बौद्ध भिक्षु महासंघ

'शिक्षा दीक्षा एक': स्वामी सत्यानंद गिरी कहते हैं, 'ये दो धर्मों का महत्वपूर्ण पर्व है। लोग भले ही अलग समझें लेकिन बुद्ध ने जो शिक्षा दीक्षा दी है, शंकराचार्य ने भी जो शिक्षा दीक्षा दी है। उनमें बहुत सारी चीज समांतर ही दिखेंगे लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि हम अलग हैं। हम लोगों ने धार्मिक पुस्तकों में भी पढ़ा है। भले ही लोग अलग-अलग समझे लेकिन जाना एक ही जगह है। उनकी साधना भी एक ही है, यहां मठ में विशेष पूजा भी होती है।' बुद्ध पूर्णिमा और मुख्यमंत्री की यात्रा को लेकर जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड में है। सदर एसडीओ अनिल कुमार रमन ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन देश दुनिया से श्रद्धालु बौद्ध भिक्षु और अनुयायी आते हैं। उनकी सुरक्षा से लेकर सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा जाए, इसके लिए विशेष तैयारी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

भगोड़े अपराधी प्रिंस खान का गुर्गा शैफी उर्फ मेजर तीन दिन की पुलिस रिमांड पर

धनबाद, एजेंसी। भगोड़े अपराधी प्रिंस खान का करीबी गुर्गा शैफी उर्फ मेजर को दुबई के अजमान से पकड़े जाने के बाद उसे 19 अप्रैल को भारत लाया गया। ये धनबाद की इतिहास में पहली बार है जब किसी अपराधी को विदेश से गिरफ्तार कर यहां लाया गया है। शैफी उर्फ मेजर को धनबाद कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी मेजर उर्फ शैफी को 3 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। धनबाद पुलिस ने शैफी उर्फ उर्फ मेजर को पकड़ा था। दुबई के अजमान से पकड़े जाने के बाद उसे भारत लाया गया, जहां कोलकाता एयरपोर्ट पर उससे पूछताछ की गई।

गिरिडीह में संतोषी माता महोत्सव में पहुंचीं विधायक कल्पना सोरेन

गिरिडीह, एजेंसी। झारखंड के गिरिडीह शहर के मकतपुर स्थित प्राचीन संतोषी माता मंदिर के जीर्णोद्धार और मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे तीसरे दिन बुधवार को गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन मंदिर पहुंचीं। उन्होंने माता संतोषी के दरबार में माथा टेका और पूरे श्रद्धा भाव के साथ पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर पहुंचने पर आयोजक समिति के अध्यक्ष टुनटुन केशरी, सचिव डिम्पल साव, उपमेयर सुमित कुमार, सतीश साह, प्रदीप कुमार, प्रदीप चौरसिया, हब्लू गुप्ता, दीपक शर्मा, प्रदीप अग्रवाला, वीरेंद्र, सिंकल, विक्रम, रिशु, राकेश बरनवाल, संदीप डेंगेज, लखन बरनवाल, झुन्नू, कुशल सलूजा, बंटी, दिलीप केशरी समेत सदस्यों ने बुके देकर विधायक कल्पना सोरेन का स्वागत किया। पूजा के बाद उन्होंने आयोजन समिति को इस भव्य धार्मिक आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। कल्पना सोरेन ने कहा कि संतोषी माता महोत्सव जैसे आयोजन समाज में आस्था के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करते हैं। इस मौके पर एसपी डॉ बिमल कुमार, डीडीसी स्मृता कुमारी, मेयर प्रमिला मेहरा, डिप्टी मेयर सुमित कुमार, अपर समाहर्ता विजय सिंह बिरुआ, एसडीएम श्रीकांत यशवंत विस्पुते, एसडीपीओ जीतवाहन उरांव समेत जिले के कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने माता के दरबार में शीश नवाया।

विधायक संजीव सरदार ने पोटका प्रखंड मुख्यालय में की बैठक

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम के हाता में निरीक्षण के बाद विधायक संजीव सरदार पोटका प्रखंड मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने अंचलाधिकारी निकिता बाला और प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार मुंडा के साथ विस्तृत बैठक की। इस दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी 14 मई से शुरू होने वाली जनगणना को लेकर तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ समय पर पूरा किया जाए। बैठक के बाद विधायक ने घंटों तक प्रखंड मुख्यालय में बैठकर दूर-दराज से आए ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जमीन, राशन, पेंशन, आवास और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए। कई मामलों में मौके पर ही कार्रवाई शुरू कराई गई, जिससे लोगों को राहत मिली। इस दौरान विधायक संजीव सरदार ने कहा कि जनता की सेवा ही उनका सबसे बड़ा कर्तव्य है और वे हर समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या लेकर आए, उसे निराश होकर वापस नहीं जाना चाहिए। विधायक ने अधिकारियों को भी निर्देश दिया कि आम लोगों के साथ संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ व्यवहार करें।

सरायकेला में बिजली संकट से निपटने के लिए प्रशासनिक पहल

सरायकेला, एजेंसी। भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप के बीच सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए अहम पहल की है। बिजली विभाग से जुड़े जिले के सभी क्षेत्र के असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियरों को मोबाइल नंबर जारी किया गया है। बढ़ती तपिश में अगर कहीं बिजली फॉल्ट या आपूर्ति में परेशानी आती है, तो नागरिक सीधे जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं, जिससे कि समस्या का समाधान बिना देर के हो सके। भीषण गर्मी में बिजली लाईल में फॉल्ट, ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या से उपभोक्ताओं को सामना करना पड़ रहा है। खास कर खरसावां क्षेत्र के उपभोक्ताओं को लो वोल्जेट के कारण काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। लो वोल्टेज के कारण बिजली से चलने वाले पंप सेट, फ्रीज, कुलर, एसी, फैन भी ठीक ढंग से नहीं चल पा रहे है। स्थानीय लोगों ने बिजली आपूर्ति में सुधार लाने की मांग की है। बिजली से जुड़े समस्या के समाधान और बढ़ती गर्मी को देखते हुए सरायकेला-खरसावां जिले के सभी 9 प्रखंडों के संबंधित विद्युत अभियंता/कनीय विद्युत अभियंता का मोबाइल नंबर जारी किया गया है, जिससे कि बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का तुरंत समाधान हो सके। बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थित लोग संबंधित क्षेत्र के अभियंता के मोबाइल नंबरों पर कॉल कर अपनी समस्या बता सकेंगे।

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर सीएम का जोर,

रिम्स-2 और मिनी सचिवालय परियोजना की प्रगति की समीक्षा

रांची, एजेंसी। झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग और भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ राज्य की चिकित्सा सेवाओं, सुविधाओं और स्वास्थ्य ढांचे को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने रिम्स-2 बिल्डिंग परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने भवन के डिजाइन एवं संरचना को और अधिक आधुनिक, सुरक्षित और मरीजों के अनुकूल बनाने के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण इलाज सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों के डॉक्टरों से ऑनलाइन बातचीत कर आईसीयू में भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने इलाज की गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधनों और चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा करते हुए व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा बैठक में प्रस्तावित मिनी सचिवालय परियोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस परियोजना को आधुनिक प्रशासनिक जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि कार्यक्षमता और सेवा वितरण में सुधार हो सके।

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं को तय समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। साथ ही आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए समन्वित प्रयास सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में मुख्य सचिव के अलावा स्वास्थ्य और भवन निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम हेमंत सोरेन के बिना सुरक्षा के सचिवालय जाने पर बाबूलाल मरांडी का तंज, बोले-

वाहवाही लूटने का यह 'पीआर स्टंट' है

रांची, एजेंसी। 28 अप्रैल को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बिना बिना सुरक्षा इंतजाम के सचिवालय पहुंचे थे। इस वजह से सीएम हेमंत सोरेन सुर्खियों में बने हुए हैं लेकिन नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा बिना सुरक्षा के सचिवालय जाने और उसकी तस्वीरों का जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करने पर तंज कसा है।

बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'वाहवाही लूटने का यह 'पीआर स्टंट' वाकई शानदार है। राजनीति में ऐसे मौकों को भुनाना भी एक कला है लेकिन साहब, चर्चा तो उन गुमनाम दौरों की भी जोरों पर है, जो रात के सन्नाटे में होते हैं'।

बाबूलाल मरांडी ने आगे लिखा है कि सुना है कि जमीन-जायदाद के शौकीन मुख्यमंत्री जी अपने एक चहेते पुलिस अफसर के साथ अक्सर अंधेरे में 'मनपसंद जमीनों' का मुआयना करने निकल पड़ते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को सुझाव देते हुए कहा कि अगर इन रात्रिकालीन दौरों का भी सचिवालय वाली घटना की तरह ही प्रचार-प्रसार होता, तो कितना अच्छा होता।

बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाते हुए लिखा कि इससे जमीन दलालों और भ्रष्ट अफसरों को भी प्रोत्साहन मिलता है और वे खुद बढ़-चढ़कर आपको 'कौड़ियों के भाव' वाली नई-नई जमीनों की जानकारी परोसते है। आखिर जनता को भी तो पता चले कि पारदर्शिता सिर्फ दिन के उजाले और कैमरों के सामने ही नहीं, बल्कि रात के अंधेरे वाले 'निजी मिशन' में भी कायम है।

बाबूलाल मरांडी के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की लोकप्रियता से बाबूलाल मरांडी घबरा गए हैं। मनोज पांडेय ने कहा कि जनता द्वारा नकार दिए गए बाबूलाल मरांडी अब उनके केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लेकर सोशल मीडिया पर अनर्गल प्रलाप करके खुद को राजनीतिक सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं लेकिन जनता अब यह जान चुकी है कि बाबूलाल मरांडी सिर्फ हल्की राजनीति करने वाले नेता बनकर रह गए हैं।

छात्रा आराध्या राय का कमाल: जेसीएसटीआई लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में बनीं विजेता

रांची, एजेंसी। झारखंड में प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक और प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में जमशेदपुर विमेंस यूनिवर्सिटी की छात्रा कुमारी आराध्या राय को सम्मानित किया। उन्हें झारखंड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद द्वारा आयोजित 'लोगो (प्रतीक चिन्ह) डिजाइन' प्रतियोगिता में विजेता चुना गया।

मुख्यमंत्री ने आराध्या राय द्वारा तैयार किए गए प्रतीक चिन्ह की सराहना करते हुए कहा कि यह डिजाइन न केवल आकर्षक है, बल्कि झारखंड के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के व्यापक दृष्टिकोण को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की रचनात्मक सोच और नवाचार राज्य के युवाओं में छिपी अपार संभावनाओं को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि झारखंड सरकार युवाओं को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है। ऐसे प्रयासों से राज्य में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और युवा अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित कर सकेंगे। गौरतलब है कि कुमारी आराध्या राय ने अपने अभिनव और रचनात्मक डिजाइन के माध्यम से झारखंड काउंसिल ऑन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (छ्ष्टस्ञ्रढ्ढ) के लिए नया प्रतीक चिन्ह तैयार किया, जिसे प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। उनके डिजाइन में आधुनिकता और परंपरा का संतुलन देखने को मिलता है, जो झारखंड की वैज्ञानिक सोच और प्रगति को दर्शाता है।

इस सम्मान समारोह के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और विधायक विकास मुंडा भी उपस्थित रहे। दोनों ने छात्रा की उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। यह उपलब्धि न केवल आराध्या राय के लिए गर्व की बात है, बल्कि झारखंड के शैक्षणिक और नवाचार क्षेत्र के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है, जो आने वाले समय में और अधिक प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा।

गिरिडीह में बस-कार की जोरदार टक्कर,

दो की मौत, शादी से लौट रहे थे लोग

गिरिडीह, एजेंसी। जिले में गुरुवार सुबह बस और कार के बीच भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। घटना धनवार थाना इलाके के लाल बाजार की है।

बताया जा रहा है कि सवारी बस खोरीमहुआ की तरफ आ रही थी। जबकि स्विफ्ट कार देवघर से बिरनी की तरफ जा रही थी। इसी बीच लाल बाजार के पास दोनों वाहनों में भिड़ंत हो गई। घटना में बिरनी थाना इलाके के रहने वाले 70 वर्षीय बंगाली हाड़ी और 24 वर्षीय कुमकुम कुमारी की मौत हो गई। वहीं, कार पर इन दोनों के साथ सवार सुकरी देवी, तारा देवी, रोनित कुमार, जयनारायण, अरविंद यादव घायल हो गए।

गुरुवार की सुबह लगभग पांच बजे यह घटना घटी। दुर्घटना होते ही यहां अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। लोगों की भीड़ जुट गई। लोग घायलों को निकालने में जुटे रहे। इस बीच घटना की सूचना पर धनवार थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने सबसे पहले घायलों को अस्पताल भिजवाया और शवों को कब्जे में लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने में पुलिस जुटी है। इधर यह भी जांच कर रही है कि दुर्घटना कैसे हुई। लापरवाही किसकी थी। वाहन का स्पीड कितना था।

धनवार थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग पांच बजे एक कार और बस में टक्कर हो गई। इस घटना में एक बुजुर्ग और एक युवती की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हैं। सभी कार पर सवार थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मामले की जांच चल रही है।

वहीं, बिरनी प्रमुख रामू बैठा ने बताया कि बिरनी थाना इलाके के बरमसिया गांव के जयनारायण राम का परिवार के लोग देवघर शादी समारोह में गए थे। वापसी के दौरान लाल बाजार के पास विपरीत दिशा से आ रही विभा नामक बस ने टक्कर मार दी। जिसमें बंगाली हाड़ी एवं कुमकुम कुमारी की मौत हो गई।

देवघर नगर निगम में गहराया जल संकट, कई वार्ड बने ड्राई जोन, टैंकरों के सहारे सप्लाई

देवघर, एजेंसी। गर्मी का मौसम शुरू होते ही झारखंड के कई जिलों की तरह देवघर में भी पानी का संकट गहराने लगा है। खासकर नगर निगम क्षेत्र में हालात ऐसे हो गए हैं कि कई इलाके में लोगों को पेयजल के लिए जूझना पड़ रहा है। नगर निगम क्षेत्र में भूजल स्तर (ग्राउंड वाटर लेवल) तेजी से नीचे चला गया है। जिसके कारण चापाकल और नलों से पानी की आपूर्ति लगभग ठप हो गई है। स्थिति यह है कि शहर के करीब 12 वार्ड पूरी तरह ड्राई जोन में तब्दील हो चुके हैं, जबकि अन्य कई वार्डों में भी पानी की भारी किल्लत बनी हुई है।

नगर आयुक्त रोहित सिन्हा ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ नदियों का जलस्तर भी काफी घट जाता है। आम दिनों में नदियों से मोटर के जरिए पानी शहर तक लाया जाता है। लेकिन जलस्तर कम होने पर यह व्यवस्था भी प्रभावित हो जाती है। उन्होंने बताया कि पुनासी डैम से पानी छोड़कर नदियों का स्तर बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन यह पर्याप्त साबित नहीं हो रहा है।

निगम के आंकड़ों के मुताबिक क्षेत्र में करीब 1100 चापाकल हैं। जिनमें से लगभग 200 चापाकल खराब पड़े हैं। उन्हें दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। वहीं, जिन इलाकों को एक्सट्रीम ड्राई जोन घोषित किया गया है, वहां टैंकरों के जरिए पेयजल आपूर्ति की जा रही है। फिलहाल निगम क्षेत्र में 76 टैंकरों से पानी सप्लाई किया जा रहा है और हर वार्ड में कम से कम दो टैंकर लगाए गए हैं। इसके अलावा, गर्मी को देखते हुए बाबा मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की विशेष व्यवस्था की जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार देवघर का भौगोलिक स्वरूप पहाड़ी होने के कारण यहां भूजल स्तर पहले से ही कमजोर है। कई इलाकों में हजार फीट गहराई तक भी पानी नहीं मिल पाता है। जिससे जल संकट और गंभीर हो जाता है। अब यह देखना अहम होगा कि खराब चापाकलों की मरम्मत और टैंकरों के जरिए हो रही आपूर्ति से इस साल देवघर के लोगों को जल संकट से कितनी राहत मिल पाती है।

मेडिकल स्टोर में घुसी कार, लोगों ने दुकान के अंदर कूदकर बचाई जान, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

रांची, एजेंसी। जिले में एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सदर थाना क्षेत्र के तिरिल बस्ती के पास एक कार अनियंत्रित होकर सीधे दवा दुकान में जा घुसी। जिसमें दवाई खरीदने आए आधा दर्जन के करीब लोग बाल-बाल बच गए। इस हैरत अंगेज की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। रांची के एक मेडिकल दुकान पर एक बड़ा हादसा टल गया। सीसीटीवी से साफ पता चल रहा है कि हादसा कितना भयावाह हो सकता था। दरअसल, सदर थाना क्षेत्र के तिरिल के पास स्थित पटेल मेडिकल हॉल में बुधवार की शाम एक युवती सहित कुछ लोग दवाई खरीदने में व्यस्त थे।

इसी दौरान दवा खरीदकर वापस लौट रही महिला भागते हुए पीछे लौटी और उसके पीछे एक कार अनियंत्रित होकर सीधे दवा दुकान के पास टकरा गई। इस हादसे में महिला बाल-बाल बच गई। वहीं, कई लोग दवा दुकान के अंदर कूदकर अपनी जान बचाई। मात्र कुछ सेकेंड के अंदर ये हादसा हुआ, लेकिन गनीमत रही कि किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ।

पटेल मेडिकल हॉल के मालिक ने बताया कि इस हादसे में कार चालक को हल्की चोट आई है। एक स्कूटी और कार में धक्का लगने की वजह से दोनों क्षतिग्रस्त हो गए।

इस हादसे के बाद किसी भी पक्ष के द्वारा थाने में कोई आवेदन नहीं दिया गया है। सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि अनियंत्रित कार के चालक एक शिक्षक हैं। उन्होंने बताया कि गलती से ब्रेक की जगह उनका पैर एक्सीलेटर पर चला गया। जिसकी वजह से ये हादसा हुआ। शिक्षक द्वारा स्कूटी और कार की मरम्मत करने की बात होने के बाद मामला वहीं सुलझा लिया गया।

वज्रपात से दो की मौत, इधर बेटी की विदाई से पहले मां की चली गई जान

गिरिडीह, एजेंसी। बेमौसम बारिश के दौरान तिसरी थाना क्षेत्र के चंदौरी में दो अलग-अलग स्थानों में बुधवार की शाम को वज्रपात से एक बच्चा सहित दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं चार लोग झुलस गए हैं। घायलों का तिसरी और चंदौरी अस्पताल में इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह रेफर कर दिया गया है।

घटना को लेकर बताया गया कि चंदौरी निवासी तनेश्वर तुरी के 12 वर्षीय पुत्र अमन कुमार सहित स्व जोधी तुरी के 26 वर्षीय पुत्र राजू कुमार और स्व प्रीतम तुरी के 26 वर्षीय पुत्र नूनमनी कुमार चंदौरी के सकरी नदी के पास थे। तभी तेज आंधी के साथ वज्रपात हो गया। जिसकी चपेट में आने से अमन कुमार और नूनमनी तुरी की मौत हो गई है। वहीं इस घटना में राजू कुमार गंभीर रूप से झुलस गए।

वहीं दूसरी वज्रपात की घटना चंदौरी बगिया में घटी। जहां पर वज्रपात होने से चंदौरी की पूर्व मुखिया कर्मी देवी के पुत्र चंदन कुमार सहित प्रकाश रविदास के पुत्र चरण रविदास और बेलवाना गांव के निवासी आत्मज अंसारी के 28 वर्षीय पुत्र मो आफताब अंसारी गंभीर रूप से झुलस गए। इस बाबत बताया गया कि शाम में अचानक आंधी आ गई और बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए आफताब अंसारी, चंदन कुमार और चरण रविदास बगिया स्थित एक खुले घर में चले गए। इसी दौरान वज्रपात हो गया। जिसके चपेट में आने से उक्त तीनों घायल हो गए।

वज्रपात की घटना घटी है। एक बालक समेत दो लोगों की मौत हुई है। झुलसे चार लोगों का इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद परिजनों द्वारा अमन कुमार और नूनमनी तुरी को आनन-फानन में तिसरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां पर डॉक्टर द्वारा अमन और नूनमनी को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि आफताब अंसारी, चंदन कुमार, चरण रविदास और राजू तुरी को स्थानीय स्तर पर इलाज किया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह रेफर कर दिया गया है।

इधर गांडेय थाना क्षेत्र के बेलडीह गांव में बुधवार को एक हृदयविदारक घटना में बेटी की विदाई के दौरान मां की करंट लगने से मौत हो गई। इस हादसे के बाद शादी की खुशियां चीख-पुकार में बदल गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार बेलडीह निवासी मंटू वर्मा की पुत्री की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। घर में उत्सव का माहौल था और विदाई की तैयारियां चल रही थी।

इसी दौरान दुल्हन की मां 38 वर्षीय गुड़िया देवी आंगन में बिछाए गए जनरेटर के खुले बिजली तार की चपेट में आ गई। करंट का झटका लगते ही वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ी। परिजनों ने तुरंत उन्हें गिरिडीह के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही शादी का माहौल गम में बदल गया।

पहाड़ियों से घिरा पतरातू डैम प्रदूषण की चपेट में, पावर प्लांट और कॉलोनी की पानी सप्लाई पर भी खतरा

पतरातू, एजेंसी। प्राकृतिक सुंदरता और क्षेत्र की जल जीवनरेखा माने जाने वाला रामगढ़ जिले का पतरातू डैम इन दिनों बढ़ते प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। तीन ओर पहाड़ियों से घिरे इस डैम का निर्माण बांध बनाकर किया गया था, जिसमें बरसात के मौसम में आसपास की पहाड़ियों से आने वाले पानी को संग्रहित कर वर्षभर उपयोग में लाया जाता है।

यही पानी क्षेत्र के पावर प्लांट, सीसीएल और पीटीपीएस कॉलोनी समेत आसपास के इलाकों में जलापूर्ति का प्रमुख स्रोत है। ऐसे महत्वपूर्ण जलस्रोत का प्रदूषित होना अब चिंता का विषय बनता जा रहा है।

डैम के अंदर बड़े स्तर पर लगाए गए मछली पालन के केज अब प्रदूषण का कारण बन रहे हैं। इन केजों में मछलियों को दिया जाने वाला बचा हुआ चारा और उनका मल-मूत्र सीधे पानी में मिल जाता है, जिससे पानी गंदा हो रहा है। इससे डैम का प्राकृतिक संतुलन भी बिगड़ रहा है। डैम के किनारे तेजी से बन रहे रिसोर्ट, होटल और घरों से निकलने वाला गंदा पानी बिना साफ किए सीधे डैम में जा रहा है। इससे पानी और ज्यादा गंदा हो रहा है और आगे चलकर इसके इस्तेमाल पर असर पड़ सकता है।

पतरातू डैम का पानी इलाके के कारखानों और घरों के लिए बहुत जरूरी है। इसी से पावर प्लांट, सीसीएल और पीटीपीएस कॉलोनी में पानी जाता है। अगर समय पर प्रदूषण नहीं रोका गया, तो पानी की सप्लाई और लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ सकता है।

यह डैम क्षेत्र का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है, जहां हर दिन काफी लोग आते हैं। बढ़ता प्रदूषण इसकी खूबसूरती को खराब कर रहा है और जिससे घूमने-फिरने पर भी असर पड़ सकता है।

धारदार हथियार से पत्नी की हत्या

आरोपित पति फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के दरावां गांव में बुधवार की रात्रि एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पत्नी के चरित्र पर शक के कारण सनकी पति ने अपनी ही पत्नी की गीज्जर (बरछी) से गोदकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति फरार हो गया। मृतका की पहचान बबीता कुमारी के रूप में हुई है,जबकि आरोपी पति रवि मांझी बताया जा रहा है। दोनों की शादी करीब 25 वर्ष पहले हुई थी और उनके सात बच्चे हैं। स्वजनों के अनुसार,पति रवि मांझी अपनी पत्नी पर अक्सर बेवजह शक करता था,जिसे लेकर घर में आए दिन विवाद होता रहता था। घटना के दिन भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने आपा खो दिया और पत्नी पर गीज्जर (बरछी) से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने हुई। गंभीर रूप से घायल बबीता कुमारी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही कौआकोल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपर थानाध्यक्ष एसआई अविनाश कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और सातों बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है। कौआकोल पुलिस के अनुसार हत्यारा पति पूर्व से आपराधिक किस्म का व्यक्ति रहा है। उसके विरुद्ध कौआकोल थाना सहित कई अन्य थाना में पूर्व से कई मामले दर्ज है। घटना के बाद मृतक की माता ने कौआकोल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

महिला को बंधक बनाकर नगदी सहित लाखों की लूट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। बिहार थाना क्षेत्र के छज्जू मोहल्ला में बुधवार देर रात एक सनसनीखेज डकैती की वारदात सामने आई है। हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर अकेली महिला को बंधक बना लिया और करीब 5 लाख रुपये की संपत्ति लूट ली। विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट भी की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

पीड़िता 28 वर्षीय हेना परवीन जो घटना के समय घर में अकेली थीं। उनके पति शनशुद जोहार दिल्ली में ऑप्टिकल का काम करते हैं। बताया जा रहा है कि हेना पिछले एक महीने से नए मकान में पेंट और टाइल्स का काम करवाने के लिए वहीं रुकी हुई थीं।

पीड़िता के भाई मोहम्मद शाहिद अली के अनुसार, घटना रात करीब ढाई बजे के बीच हुई। 5-6 नकाबपोश अपराधी बाहरी छज्जे के सहारे तीसरी मंजिल पर पहुंचे और लोहे की ग्रिल व खिड़की के सरिए काटकर घर में घुस गए।

घर में घुसते ही बदमाशों ने हेना परवीन को हथियार के बल पर काबू में कर लिया और गहनों व नकदी के बारे में पूछताछ करने लगे। विरोध करने पर उनके चेहरे पर कई वार किए गए, जिससे उनका चेहरा बुरी तरह सूज गया।

अपराधियों ने करीब 20 से 25 मिनट तक घर की तलाशी ली और अलमारी में रखे लगभग 25 हजार रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात और पुराने पीतल के बर्तन लेकर फरार हो गए।

परिजनों के अनुसार, बदमाश मगही भाषा में बातचीत कर रहे थे, जिससे उनके स्थानीय होने की आशंका जताई जा रही है। वारदात के बाद अपराधियों ने पीड़िता का मोबाइल छीन लिया, सिम कार्ड निकालकर फोन घर में ही फेंक दिया। इसके बाद महिला को बाथरूम में बंद कर मेन गेट से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

मात्र 18 दिनों में अभियुक्तों को पुलिस ने दिलायी सजा

तेज अनुसंधान और त्वरित न्याय से मिली बड़ी सफलता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । पुलिस द्वारा त्वरित अनुसंधान और शीघ्र न्याय दिलाने की दिशा में एक सराहनीय पहल सामने आई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, नवादा की ओर से जारी प्रेस-विज्ञप्ति के अनुसार, महज 18 दिनों के भीतर एक गंभीर मामले में अनुसंधान पूरा कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया और आरोपियों को सजा दिलाई गई। यह कार्रवाई पुलिस की सक्रियता और न्याय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मामला 12 दिसंबर 2025 का है, जब सूचना मिली थी कि टाउन हॉल के पास ग्राउंड में दो युवक हथियार के साथ किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस आधार पर नगर थाना कांड संख्या 1296/25 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस मुख्यालय के निदेशानुसार इस मामले को प्राथमिकता देते हुए तेजी से अनुसंधान किया गया। वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ गवाहों के बयान दर्ज कर मजबूत केस तैयार किया गया। इसके बाद समय पर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जिससे मामले का त्वरित निष्पादन संभव हो सका।

30 अप्रैल 2026 को माननीय न्यायालय, नवादा के न्यायिक पदाधिकारी राहुल किशोर द्वारा इस मामले में फैसला सुनाया गया। अभियुक्त अब्दुल कुमार और रोहित कुमार को दोषी करार देते हुए आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी) के तहत तीन वर्ष के कारावास एवं 3000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। वहीं धारा 26 के अंतर्गत एक वर्ष के कारावास एवं 2000 रुपये के जुमार्ने का भी प्रावधान किया गया।

इस सफल कार्रवाई में अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवादा पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से आम जनता में सुरक्षा और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

प्रखंड कार्यालय में हुई वीएलईएस की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। प्रखंड कार्यालय नारदीगंज में गुरुवार को बीडीओ सोनिया ढनढननिया की अध्यक्षता में भीएलईएस की बैठक हुई। बीडीओ ने कहा 30 अप्रैल से 30 मई तक प्रखंड के सभी पेंशनधारी भौतिक सत्यापन अवश्य करा लें। उन्होंने कहा पंचायत स्तर पर पंचायत भवन में सभी भीएलईएस रहेंगे। यह कार्य संपादित करने के लिए मुखिया को व्यवस्था करना है। विकास मित्र,ग्राम कचहरी सचिव सहयोग करेंगे। प्रचार प्रसार भी करेंगे। समाजिक सुरक्षा योजना के तहत छह प्रकार का पेंशनधारी है। सभी पेंशनधारियों अपना आधार कार्ड,बैंक पासबुक लेकर आएंगे,और भौतिक सत्यापन अवश्य करा लें, निर्धारित अवधि तक भौतिक सत्यापन नहीं कराने वाले पेंशनधारियों का पेंशन बंद हो जाएगा। मौके पर कार्यपालक सहायक किशोर कुमार, भीएलइएस टुनी कुमार,लवकुश, पप्पू कुमार,रवि शंकर, सियाराम कुमार,नीरज कुमार, शंकर कुमार समेत अन्य रहे।

चोरी गए जेवरात बरामद, पुलिस ने किया खुलासा

वारिसलीगंज । थाना क्षेत्र के बाजार में हुई सोने के आभूषणों की चोरी के मामले का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 अप्रैल 2026 को वारिसलीगंज बाजार स्थित एक ज्वेलरी दुकान से सोने के मंगलसूत्र एवं सोने के बोला चोरी हो गए थे। इस संबंध में दुकानदार राजकुमार द्वारा वारिसलीगंज थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया गया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और जांच के क्रम में संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर चोरी हुए जेवरात बरामद कर लिए। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लोगों का विश्वास बढ़ा है। बरामद सामान में 4 पीस सोने का मंगलसूत्र और 4 पीस सोने का बोला शामिल है। बरामद जेवरात की पहचान दुकानदार द्वारा कर ली गई है और उसे विधिवत सुपुर्द कर दिया गया है।थाना अध्यक्ष ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है और इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस सतर्क है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस सफलता की सराहना की है।

जनगणना को लेकर सामग्री वितरित

बिहारशरीफ। हरनौत प्रखंड कार्यालय परिसर में बृहस्पतिवार को भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण कार्य को लेकर तैयारी तेज कर दी गई। इस दौरान प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकों और प्रगणकों के बीच नियुक्ति पत्र एवं गणना से संबंधित आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कुल 47 पर्यवेक्षकों और 281 प्रगणकों को नियुक्ति पत्र, मार्गदर्शिका पुस्तिका, नक्शा निर्माण के लिए चार्ट पेपर, पहचान पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रदान किए गए। अधिकारियों ने सभी कर्मियों को उनके दायित्वों और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला होती है। इससे सरकार को जनसंख्या, शिक्षा, रोजगार, आवास तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति से जुड़े सटीक आंकड़े प्राप्त होते हैं, जिनके आधार पर योजनाएं बनाई जाती हैं।सभी पर्यवेक्षकों से आपसी समन्वय के साथ ईमानदारीपूर्वक कार्य करने की अपील की गई, ताकि सही और विश्वसनीय आंकड़े एकत्र किए जा सकें। प्रशासन की ओर से बताया गया कि 2 मई से 30 मई तक मकान सूचीकरण और मकान गणना का कार्य संचालित किया जाएगा। इस मौके पर शिवेंदु कुमार, शंकर कुमार, नवीन कुमार, संतोष कुमार राय, सुनील कुमार, भवेश सिंह, अनुज कुमार सिंह, रजनीश कुमार, ललित कुमार, राजीव रंजन कुमार, अखिलेश प्रसाद समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

बिहारशरीफ। वेना थाना क्षेत्र में बख्तियारपुर-रजौली एनएच-20 स्थित ब्रह्मस्थान के समीप ओवरब्रिज पर बुधवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है, जिससे पुलिस उसकी शिनाख्त में जुटी हुई है। घटना की जानकारी राहगीरों द्वारा वेना थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि आशंका है कि बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे सवार की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और मृतक की पहचान होने पर परिजनों को सूचना दी जाएगी। गौरतलब है कि इसी ओवरब्रिज पर दो दिन पहले भी वेना बाजार के पास एक बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। उस मामले में परिजनों ने अज्ञात वाहन से टक्कर का आरोप लगाया था, जबकि पुलिस ने तेज रफ्तार को कारण बताया था। लगातार हो रही घटनाओं से इस ओवरब्रिज की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन हेतु प्रशासन की व्यापक तैयारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । इंटरमीडिएट विशेष (सैद्धांतिक) परीक्षा 2026 एवं इंटरमीडिएट कम्पार्टमेंटल (सैद्धांतिक) परीक्षा 2026 दिनांक 02.05.2026 से प्रारंभ होकर 11.05.2026 तक आयोजित होगी। वहीं माध्यमिक विशेष (सैद्धांतिक) परीक्षा 2026 एवं माध्यमिक कम्पार्टमेंटल (सैद्धांतिक) परीक्षा 2026 दिनांक 02.05.2026 से प्रारंभ होकर 07.05.2026 तक सम्पन्न होगी। सभी परीक्षाएं दोनों पालियों में आयोजित होंगी। प्रथम पाली 09:30 बजे पूर्वाह्न से 12:45 बजे अपराह्न तक तथा द्वितीय पाली 02:00 बजे अपराह्न से 05:15 बजे अपराह्न तक निर्धारित है।परीक्षा को कदाचारमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है।इंटरमीडिएट परीक्षा हेतु एक परीक्षा केंद्र–कन्या मिडिल स्कूल, प्रसाद विगहा, नवादा–निर्धारित किया गया है। वहीं माध्यमिक परीक्षा हेतु दो परीक्षा केंद्र–नगर मध्य विद्यालय, पुरानी जेल रोड, नवादा एवं कन्हाई इंटर स्कूल, नवादा–निर्धारित किए गए हैं।सभी परीक्षा केंद्रों पर सशस्त्र बल के साथ स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही गश्ती दल-सह-जोनल दंडाधिकारी तथा उड़नदस्ता-सह-सुपर जोनल दंडाधिकारी के रूप में भी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की गई है।परीक्षार्थियों के लिए जूता-मोजा पहनकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश वर्जित रहेगा। सभी परीक्षार्थियों को चप्पल पहनकर ही प्रवेश करना होगा तथा गेट पर सघन फ्रिस्किंग की जाएगी।साथ ही परीक्षाकक्ष में मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, पेजर, इलेक्ट्रॉनिक वॉच, स्मार्ट वॉच, मैग्नेटिक वॉच आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है तथा कदाचार की रोकथाम हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।परीक्षा से संबंधित गतिविधियों की सतत निगरानी हेतु समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जिसका दूरभाष संख्या 06324-212261 है। नियंत्रण कक्ष दिनांक 02.05.2026 से 11.05.2026 तक कार्यरत रहेगा। आपात स्थिति से निपटने हेतु नियंत्रण कक्ष में अग्निशमन दस्ता, वज्र वाहन, अश्रु गैस दस्ता, चिकित्सा व्यवस्था, सशस्त्र बल एवं लाठी बल की भी व्यवस्था की गई है।विधि-व्यवस्था की सतत निगरानी हेतु अनुमंडल दंडाधिकारी, नवादा सदर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नवादा सदर को निर्देशित किया गया है। परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन के समग्र प्रभार में अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी, नवादा डॉ. अनिल कुमार तिवारी एवं पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) निशु मल्लिक रहेंगे।

केंद्रीय विद्यालय निर्माण का रास्ता साफ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जिले के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। नवादा सांसद एवं भाजपा नेता विवेक ठाकुर ने जानकारी दी कि जिले में केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध कराने की स्वीकृति मिल गई है, जिससे अब केंद्रीय विद्यालय निर्माण का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। उन्होंने इसे नवादा के लिए गर्व और खुशी का विषय बताया।सांसद ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए बिहार सरकार एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति जिलेवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है और नवादा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

विवेक ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय बनने से जिले के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण मिलेगा। इससे छात्रों के शैक्षणिक स्तर में सुधार होगा और उनके सर्वांगीण विकास के नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही, हजारों परिवारों को अपने बच्चों के लिए जिले में ही उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान उपलब्ध हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि नवादा के विकास, शिक्षा विस्तार और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। केंद्रीय विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि जिले के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सांसद ने ऌविकसित भारत, विकसित नवादाॡ के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि नवादा को शिक्षा और विकास के नए आयाम तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को ले जागरूकता रथ रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । नालसा एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा, आशुतोष कुमार झा के कर-कमलों द्वारा 9 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु आज प्रचार वाहन रथ को सिविल कोर्ट के मुख्य द्वार से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

यह प्रचार वाहन रथ शहर के प्रमुख चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर लोगों को जागरूक करेगा तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के पम्फलेट आदि का वितरण करेगा, जिससे नवादा वासियों को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में उनके वादों का निष्पादन हो सके।

इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा, आशुतोष कुमार झा के नेतृत्व में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा, अरविन्द कुमार एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीशगण, अन्य अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारीगण, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, डिफेंस/पैनल अधिवक्तागण, पारा विधिक स्वयंसेवक, व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अभियुक्त के घर कुर्की-जब्ती

कौआकोल। कौआकोल थाना क्षेत्र के दरावां पंचायत अंतर्गत डोमनबाग गांव में गुरुवार को नवादा नगर थाना की पुलिस ने हत्या मामले में फरार चल रहे अभियुक्त के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। पुलिस ने अभियुक्त के घर का दरवाजा, चौकी, बर्तन सहित अन्य सामान जब्त कर विधिवत जब्ती सूची तैयार करते हुए कानूनी प्रक्रिया पूरी की। नगर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने बताया कि नगर थाना कांड संख्या-813/25 में नवादा न्यायालय के आदेश के आलोक में यह कार्रवाई की गई। ज्ञात हो कि डोमनबाग गांव निवासी ब्रहमदेव महतो के 22 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार की 29 जुलाई 2025 को बिहार पुलिस परीक्षा देने सासाराम जाने के दौरान नवादा के मेहता गली,मिजार्पुर मुहल्ला में अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने कौआकोल थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव निवासी विनोद यादव के पुत्र मोनू कुमार सहित तीन अपराधियों की संलिप्तता पाई थी। मामले के दो आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

लोक अदालत की सफलता को ले थानाध्यक्षों की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यवहार न्यायालय, नवादा स्थित लाइब्रेरी हॉल में जिले के सभी थाना अध्यक्षों एवं थाना प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक नालसा एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के मार्गदर्शन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा आशुतोष कुमार झा के निर्देश पर आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न थानों द्वारा नोटिस तामिला की स्थिति की समीक्षा की गई। कम प्रगति वाले थानों को सख्त निर्देश देते हुए शत-प्रतिशत नोटिस तामिला सुनिश्चित करने को कहा गया।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार नवादा अरविन्द कुमार ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि पंचायत एवं ग्राम स्तर पर भी पहल कर अधिकाधिक पक्षकारों की उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक सुलहनीय मामलों का निष्पादन आपसी समझौते से हो सके।

बैठक में जिले के नगर थाना सहित हिसुआ, रजौली, अकबरपुर, काशीचक, मेसकौर, वारिसलीगंज, पकरीबरावां, गोविन्दपुर, कादिरगंज समेत विभिन्न थानों के अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयास करने पर बल दिया गया।

'क्लिफ वॉक' निर्माण की घोषणा से लोगों में हर्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। राजगीर नेचर सफारी में बने ग्लास स्काई वॉक ब्रिज की लोकप्रियता के बाद अब यहां एक और रोमांचक परियोजना आकार लेने जा रही है। जिससे स्थानीय लोगों में हर्ष व्याप्त है।

प्रस्तावित 'क्लिफ वॉक' न केवल एडवेंचर प्रेमियों को नया अनुभव देगा, बल्कि राजगीर को देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सूची में और मजबूत बनाएगा।

जानकारी के अनुसार, यह क्लिफ वॉक सैकड़ों मीटर लंबा होगा और मौजूदा 85 फीट लंबे ग्लास ब्रिज को कड़ी टक्कर देगा।

इसे दो घाटियों के बीच खड़ी चट्टानों के किनारे इस तरह बनाया जाएगा कि पर्यटक चलते हुए खुद को हवा में तैरता हुआ महसूस करेंगे। नीचे गहरी घाटियां और चारों ओर फैली हरियाली इस अनुभव को और भी रोमांचक बनाएगी।

इस परियोजना के लिए जेठियन पर्वत श्रृंखला का चयन किया गया है, जो राजगीर नेचर सफारी से सटा हुआ क्षेत्र है। यहां की प्राकृतिक बनावट घाटियां, पहाड़ियां और घने वन क्लिफ वॉक के लिए बेहद उपयुक्त मानी गई है।

कस्तूरबा विद्यालय में बाल श्रम उन्मूलन दिवस पर पेंटिंग प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ । कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आइडिया संस्था के सहयोग से छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बाल श्रम, बाल विवाह और बाल अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र में रखा गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय की कई छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी चित्रकला के माध्यम से बाल श्रम के दुष्परिणाम तथा शिक्षा के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

आइडिया संस्था के प्रतिनिधियों ने इस दौरान छात्राओं को बाल श्रम और बाल विवाह के खिलाफ जागरूक किया तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। श्रम अधीक्षक नालंदा अश्विनी कुमार एवं विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को श्रम अधीक्षक अश्विनी कुमार द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी भवेंदु कुमार, आइडिया संस्था से मंटू कुमार गंगोत्री, विनोद पांडे, कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन आभा कुमारी सिन्हा, विजय कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

CMYK

डॉ. अम्बेडकर छात्रावासों में रहने वाले छात्रों का अनुदान दोगुना

वर्तमान में 139 अंबेडकर कल्याण छात्रावास हैं संचालित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कल्याण छात्रावासों में रहने वाले छात्र-छात्राओं के मासिक छात्रावास अनुदान को दोगुना कर दिया है। राज्य में संचालित 139 डॉ. भीमराव अम्बेडकर कल्याण छात्रावास संचालित है। इसमें आवासित एवं अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को अब मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावास अनुदान योजना के तहत अब प्रति माह 2 हजार रुपये छात्रावास अनुदान दिया जाएगा। पहले यह राशि 1 हजार रुपये प्रतिमाह दिया जाता था। सरकार ने बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नई दर अप्रैल माह से लागू कर दी गई है। इस फैसले से राज्य के 10 हजार से अधिक एससी-एसटी छात्र-छात्राओं को सीधा लाभ मिलेगा। विभाग की ओर से इसके पूर्व प्रवेशिकोत्तर की छात्रवृत्ति में बढ़ोतरी कर छात्रवृत्ति की राशि दोगुनी की गई है। एससी-एसटी वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए प्लस टू विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में डॉ. अम्बेडकर कल्याण छात्रावासों का संचालन किया जा रहा है। इन छात्रावासों में निशुल्क आवासीय सुविधा, डिजिटल कक्षाएं, पुस्तकालय और प्रतिमाह अनुदान की व्यवस्था है। साथ ही, इनमें रहने वाले विद्यार्थियों को 15 किलो अनाज भी दिया जाता है। इनमें नौ किलोग्राम चावल एवं छह किलोग्राम गेहूं शामिल है। अब अनुदान में वृद्धि से उनकी पढ़ाई पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ और कम हो जाएगा।

बिहार में दौड़ेंगी 400 पीएम ई–बसें

पटना को मिलेंगी 75 ई बसें, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, पूर्णियां और गया में 50-50 बसें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए बिहार को जल्द ही 400 इलेक्ट्रिक एसी बसें मिलने जा रही हैं। इनमें से 150 बसें पटना को आवंटित की जाएंगी। जिनमें से 75 बसें पटना शहर के अंदर सिटी बस के रूप में चलाई जाएंगी, जबकि बाकी 75 बसें पटना से राजगीर, बिहारशरीफ सहित अन्य इंट्रासिटी रूटों पर

चलाई जाएंगी। प्रत्येक बस में लगभग 60 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) के अनुसार, इन बसों के सुचारू संचालन शुरू होने से पहले जिलों में चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का काम तेजी से चल रहा है। पूर्णिया में ई-चार्जिंग स्टेशन का काम पूरा हो चुका है, जबकि गया में 60 प्रतिशत, पटना और मुजफ्फरपुर में 50 प्रतिशत व भागलपुर और दरभंगा में चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण कार्य जारी है। इन विशेष चार्जिंग स्टेशनों पर एक ई-बस को चार्ज होने में एक से डेढ़ घंटे का समय लगेगा। पटना में फुलवारीशरीफ डिपो, आईएसबीटी बैरिया सहित निगम के सभी डिपो पर प्रति 50 बसों के लिए 8 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। निगम ने बताया कि सीएनजी व पूर्व से संचालित ई-बसों? के जरिए 2021 से अबतक 25 लाख लीटर डीजल की खपत घटी है और लगभग 7 हजार टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन भी कम हुआ है। भविष्य में भी बसों की खरीद पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए की जाएगी।

कर्पूरी ठाकुर स्मृति संग्रहालय में वाचनालय की मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जननायक कर्पूरी ठाकुर स्मृति संग्रहालय में वाचनालय शुरू होने वाला है। बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए, कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार के संग्रहालय निदेशालय के अंतर्गत स्थापित कर्पूरी ठाकुर स्मृति संग्रहालय में वाचनालय प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट के इस निर्णय के तहत संग्रहालय के नाम में भी संशोधन करते हुए इसे भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर स्मृति संग्रहालय-सह-वाचनालय करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मुख्यमंत्री ने इस स्थल के भ्रमण के दौरान इसे अध्ययन एवं शोध के एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता जताई थी। इस फैसले पर खुशी जताते हुए संग्रहालय निदेशालय के निदेशक कृष्ण कुमार ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजवादी न्याय समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए जीवन भर संघर्षरत रहे। पिछड़े वर्गों के उत्थान एवं आरक्षण नीति को प्रभावी रूप से लागू करने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका रही। 26 जनवरी 2024 को मरणोपरांत उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। ये घोषणा उनके सम्मान में चार चांद लगाने जैसा है। इस निर्णय का उद्देश्य जननायक कर्पूरी ठाकुर के जीवन, विचारों एवं योगदान को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंचाना और विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं आमजन के लिए अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराना है। वाचनालय की स्थापना से यह संग्रहालय ज्ञान एवं विमर्श का एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होगा। साथ ही परिसर में आगंतुकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। गुरुवार को केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटि अस्पताल, पटना के ग्ध्क परिसर में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय मुहिम के संदर्भ में माननीय चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में एक जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ कौशल कुमार एवं डॉ संजय कुमार गुप्ता के द्वारा टीबी के लक्षण, कारण, समय पर जॉच एवं पूर्ण उपचार के महत्व पर विस्तृत

जानकारी दी गई। साथ ही डॉ संध्या किरण, अतिमुस्वानि के द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य पर टीबी के प्रभाव एवं जागरूकता को आवश्यकता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सा निदेशक द्वारा इस रोग के उन्मूलन हेतु जागरूकता बढ़ाने एवं ग्ध्क परिसर में उपस्थित मरीज एवं परिजन, अस्पताल के अन्य चिकित्सक एवं कर्मचारियों लगभग 110 दर्शक ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता दिखाई एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

बच्चों को दिया गया दसवीं बार 'बिहार कलाश्री अवार्ड'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास परिषद एवं बिहार कलाश्री पुरस्कार परिषद पटना 20 के संयुक्त तत्वधान में गायन वादन एवं नृत्य विधा से जुड़े हुए प्रतिभावान बच्चों को 'बिहार बाल कलाश्री अवार्ड' दिया गया। सम्मान समारोह का उद्घाटन यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी इंजीनियर अजय यादव ने किया, मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार रिजवी थे। आगंतुक अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ लेखक रंगकर्मी आलोक चोपड़ा ने किया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार और परिषद के अध्यक्ष/महासचिव विश्वमोहन चौधरी

'संत' ने किया। सम्मान पाने वाले बच्चे अद्विका चोपड़ा, स्वर चौधरी, सिमरन राजपूत, वंशराज, निवेद चौधरी, तेजस मौर्य, शोभराज, रेशमी कुमारीऔर शिवांश मौर्य ट्रॉफी सम्मान पत्र दिया गया। संगीत कार्यक्रम में प्रख्यात मगही गायक अरुण कुमार गौतम के निर्देशन में और संगत सुरेंद्र प्रसाद, अमित कुमार के सहयोग से संजू सिंघानिया, संजू सिंह राजपूत, अंशिका कुमारी, शिवम कुमार, शिवांश चौधरी कृष्ण के भेष में, वैष्णवी कुमारी, अनामिका राज, खुशी कुमारी आदि ने बच्चों के इस सम्मान एवं सांस्कृतिक समारोह का चार चांद लगाए। साथ ही बिहार शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास परिषद की ओर से एक महिला को जो समाज सेवा में जुड़ी रहती हैं ऐसे समाजसेवी पिंकी चौधरी को एकमात्र 'बिहार सम्मान' दिया गया। सम्मान एवं सांस्कृतिक समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सूरज कुमार उर्फ मुन्ना ने किया।

जिला जज ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष ने 09 मई 2026 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए आज प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विदा किया। आगामी 09 मई 2026 को आहूत राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मुकदमो के निष्पादन और आमजन की भागीदारी के लिए जागरूकता अभियान तथा प्रचार एवं प्रसार के लिए पटना जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से कई प्रचार वाहनों को आज पटना के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह

विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष रूपेश देव एवं सचिव ज्योति नंदन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी गण एवं विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल वकीलों के अलावा अन्य अधिवक्ता भी उपस्थित थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ज्योति नंदन ने बताया कि प्रचार वाहन गली मोहल्लों में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार करेंगे और उन्हें 09 मई 2026 को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होने बताया की लोक अदालत के उद्देश्यों से जनमानस को जागरूक करने के लिए प्रचार वाहनों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने आगे बताया की लोक अदालत में बैंक ऋण, बीमा, बिजली विभाग और दीवानी तथा पारिवारिक मामलों के अलावा संधि योग्य आपराधिक मामलों का भी आपसी सहमति के आधार पर निपटारा किया जाता है। लोक अदालत के फैसले से दोनों पक्षों की जीत होती है। लोक अदालत में सुनवाई के लिए कोई खर्च नहीं लगता और ना ही कोई फीस लगती है।

पटना समेत 6 जिलों में मॉकड्रिल, सायरन बजते ही होगा ब्लैकआउट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार मई के तीसरे सप्ताह में पटना समेत राज्य के छह जिलों में हवाई हमला एवं ब्लैकआउट संबंधी माकड्रिल का आयोजन होगा। राज्य स्तर पर नागरिक सुरक्षा निदेशालय को माकड्रिल के सफल आयोजन के लिए नोडल एजेंसी नामित किया गया है। माकड्रिल की तैयारी को लेकर गुरुवार को आपदा प्रबंधन विभाग के सभागार में संबंधित जिलों के जिला पदाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार के निर्देश के अनुसार वर्ष में कम से कम दो बार अर्द्धवार्षिक माकड्रिल का आयोजन किया जाना है। पिछले अभ्यास में पटना समेत दूसरे कई जिलों का उत्कृष्ट प्रदर्शन पाया गया था। उन्होंने बताया कि निर्धारित तिथि और समय पर एक साथ सायरन बजेंगे। उन्होंने संबंधित जिलों में सायरन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि ब्लैक आउट में बिजली की भूमिक महत्वपूर्ण होती है। इसलिए जिलों के पदाधिकारी समय रहते बिजली विभाग से सामंजस्य स्थापित करेंगे और ब्लैक आउट की सफलता में सहयोग लेंगे। आगे उन्होंने कहा कि सायरन के लिए चौक-चौराहों पर लगे साउंड सिस्टम, थानों और फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का भी सहयोग लिया जा सकता है। पदाधिकारी माकड्रिल के दौरान अस्पतालों की खिड़कियों पर क्यूबिकल पर्दा या प्राइवेसी कर्टन लगवाना सुनिश्चित करेंगे। माकड्रिल के दौरान आमजन पैनिक ना करें, इसके लिए समुचित प्रचार-प्रसार करेंगे। बैठक में असैनिक सुरक्षा के महानिदेशक-सह-आयुक्त डॉ. परेश सक्सेना ने नागरिक सुरक्षा की दिशा में होने वाले माकड्रिल की बारीकियों से उपस्थित पदाधिकारियों को रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि पिछले अभ्यास में बेगूसराय जिले का उत्कृष्ट प्रदर्शन था। इसी तर्ज पर अगले अभ्यास के लिए पदाधिकारी अपनी तैयारी पूरी करें। उन्होंने अभ्यास की सफलता के लिए स्कूल-कॉलेजों, दवा व्यवसाइयों के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को इसमें शामिल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पुलिस महानिरीक्षक नागरिक सुरक्षा निदेशालय, पुलिस अधीक्षक नागरिक सुरक्षा निदेशालय, जिलाधिकारी पटना, जिलाधिकारी किशनगंज, जिलाधिकारी बेगूसराय, जिलाधिकारी पूर्णिया, जिलाधिकारी अररिया, जिलाधिकारी कटिहार आदि उपस्थित थे।

एआईयू की 100वीं महासभा में एकेयू का प्रभावी प्रतिनिधित्व

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव ने 28 से 30 अप्रैल तक पुणे स्थित डॉ. डी. वाई. पाटिल विद्यापीठ में आयोजित एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) की 100वीं वार्षिक महासभा एवं कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर विश्वविद्यालय तथा बिहार की उच्च शिक्षा प्रणाली का प्रभावी प्रतिनिधित्व किया। ज्ञान और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के कुलपतियों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं और उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एआईयू के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित यह सम्मेलन भारतीय उच्च शिक्षा के भविष्य और उसके रोडमैप पर गंभीर विमर्श का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। अध्यक्षीय संबोधन के दौरान 22-23 दिसंबर 2025 को पटना में

आयोजित एआईयू ईस्ट जोन वाइस चांसलर्स मीट की सफलता का विशेष उल्लेख किया गया। साथ ही, एआईयू के 100 वर्ष पूर्ण होने पर इंडिया पोस्ट द्वारा जारी स्मारक डाक टिकट को भी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रो. यादव के नेतृत्व की सराहना की गई। प्रो. यादव ने सम्मेलन के तकनीकी, व्यवसायिक और नीतिगत सत्रों में सक्रिय भागीदारी करते हुए विश्वविद्यालयों की भूमिका को आत्मनिर्भर भारत, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालयों को केवल ज्ञान केंद्र नहीं, बल्कि कौशल, नवाचार और उद्यमिता के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। सम्मेलन में विश्वविद्यालय प्रशासन सुधार, डिजिटल शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा, स्वदेशी नवाचार और सतत विकास लक्ष्यों पर व्यापक चर्चा हुई। प्रो. यादव ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और विशेषज्ञों से संवाद कर अंतर-विश्वविद्यालयीय सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, स्टार्टअप इकोसिस्टम और तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय मंच सहयोगात्मक तंत्र को सुदृढ़ करने और नीति निर्माण में सामूहिक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक होते हैं। प्रो. यादव ने एआईयू के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक, महासचिव डॉ. पंकज मित्तल तथा मेजबान संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि सम्मेलन से प्राप्त सुझाव उच्च शिक्षा नीति और विश्वविद्यालयों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही, एकेयू इन अनुशंसाओं को अपने शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में शामिल कर गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार के नए आयाम स्थापित करेगा।

एशियन पेंट्स का 'रंगों की गारंटी' अभियान शुरू

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। एशियन पेंट्स ने 'रंगों की गारंटी' नाम से नया प्रचार अभियान शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से कंपनी ने यह संदेश दिया है कि भारत में घरों की पहचान केवल पते से नहीं, बल्कि उनके रंगों से भी होती है। लोग अक्सर दिशा बताते समय रंगों का सहारा लेते हैं, जिससे घरों की अलग पहचान बनती है। कंपनी के अनुसार, उसके उत्पाद केवल दीवारों को रंगने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोगों की भावनाओं और यादों से भी जुड़ते हैं। लंबे समय तक टिकने वाले रंग परिवारों की कहानियों और रिश्तों का हिस्सा बन जाते हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिंघल ने कहा कि एशियन पेंट्स पिछले आठ दशकों से भारतीय घरों को सजाने का कार्य कर रहा है और भरोसे का प्रतीक बना हुआ है। यह अभियान इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान शुरू किया गया है, जहां कंपनी प्रसारण सहयोगी प्रायोजक भी है।

पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के केंद्रीय विद्यालयों से छात्रों को मिल रही है उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना और संचालन में पूर्व मध्य रेल की अग्रणी भूमिका रही है । पूर्व मध्य रेल में वर्तमान में 11 केंद्रीय विद्यालय कार्यरत है जिनमें लगभग 11,500 छात्र-छात्राएं उव्व गुणवत्तायुक्त शिक्षा हासिल कर रहे हैं। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए हाल ही में बरवाडीह में केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने के लिए बुनियादी ढांचे के रूप में रेलवे भूमि प्रदान कर रहा है, जिसे पूर्व मध्य रेल के तहत धनबाद रेल मंडल ने मंजूरी प्रदान कर दी है । विदित हो कि केंद्र सरकार की आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा वर्ष 2024 में देशभर में सिविल/रक्षा क्षेत्र के अंतर्गत 85 नए केन्द्रीय विद्यालय (केवी) खोलने की मंजूरी प्रदान की गयी थी जिसमें बरवाडीह भी शामिल था। पूर्व मध्य रेल द्वारा रेलकर्मियों के बच्चों की बेहतर शिक्षा हेतु केंद्रीय विद्यालयों के सुचारू संचालन के लिए आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित की गयी है। रेलवे क्षेत्रों विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से न केवल रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो रही है बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

जल संरक्षण वाद-विवाद प्रतियोगिता में अलख श्री प्रथम

पटना। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नं. 2, बेली रोड (द्वितीय पाली) में 23 अप्रैल को आयोजित जल संरक्षण विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता का परिणाम बुधवार को घोषित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा 10 के छात्र अलख श्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने जल संरक्षण के महत्व, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की आवश्यकताओं पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के तर्क, प्रस्तुति शैली और विषय की समझ के आधार पर परिणाम घोषित किया। अन्य प्रतिभागियों में अनमोल और अनु प्रिया को भी उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य राजीव रंजन सिंह ने विजेता एवं अन्य प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मिथिलेश कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों में जागरूकता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

बिपिन बने अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने संगठन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा मानवेंद्र सिंह एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ऋषिराज सिंह ने पटना निवासी बिपिन कुमार सिंह की समाजसेवा, संगठन के प्रति निष्ठा और सक्रिय योगदान को देखते हुए उन्हें बिहार प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। महासभा के मुख्यालय से जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार, बिपिन कुमार सिंह तत्काल प्रभाव से बिहार प्रदेश में संगठन की कमान संभालेंगे। राष्ट्रीय नेतृत्व ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास जताया है कि उनके कुशल नेतृत्व में महासभा बिहार के गांव-गांव और शहर-शहर तक मजबूत होगी तथा समाज को संगठित करने की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगी।

आत्मविश्वास और स्वावलंबन की भावना एक शिक्षक का मौलिक गुण : मृदुला

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में फ्रेशर पार्टी, आत्मविश्वास पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गुरुवार को बिहार विद्यापीठ द्वारा संचालित देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के देशरत्न सभागार में डीएलएड प्रथम वर्ष (सत्र 2025-2027) के प्रशिक्षुओं के लिए भव्य फ्रेशर पार्टी का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की निदेशिका डॉ. मृदुला प्रकाश ने दीप प्रज्वलन कर किया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. मृदुला प्रकाश ने कहा कि आत्मविश्वास और स्वावलंबन की भावना एक शिक्षक का मौलिक गुण है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को मंच पर आकर स्वयं का परिचय देने और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह आत्मविश्वास के विकास का

महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने यह भी कहा कि एक शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों में इसी आत्मविश्वास और स्वावलंबन को विकसित करना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों ने नृत्य, गायन, काव्य-पाठ और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे सभागार में उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर डीएलएड प्रथम वर्ष (सत्र 2025-2027) की छात्रा निशु रानी को मिस फ्रेशर और छात्र किशन राज को मिस्टर फ्रेशर का खिताब प्रदान किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूनम वर्मा ने दोनों विजेताओं को ताज पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का सफल संचालन डीएलएड द्वितीय वर्ष की प्रशिक्षु रेहाना सिद्दीकी ने किया, जिनकी प्रस्तुति ने पूरे आयोजन को आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाए रखा। समारोह का समापन हर्षोल्लास, नवऊर्जा और आपसी सौहार्द के वातावरण में हुआ। यह आयोजन नए प्रशिक्षुओं के लिए महाविद्यालय परिवार से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ।

संपादकीय

दो-तिहाई का खेल और दलबदल कानून की घटती प्रासंगिकता

आम आदमी पार्टी से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की घोषणा की है, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक दल को छोड़ कर दूसरे में शामिल होने को लोकतांत्रिक अधिकार के तौर पर देखा जाता है। मगर सच यह भी है कि जब जनप्रतिनिधियों ने सिद्धांतों के बजाय सुविधा के मुताबिक पार्टी बदलने को एक आम चलन बनाना शुरू कर दिया, तब इस पर लगाम लगाने की जरूरत पड़ी और इसी क्रम में दल-बदल विरोधी कानून अस्तित्व में आया। विडंबना यह है कि इस कानून के लागू होने के बावजूद अलग-अलग कारणों का हवाला देकर विधायकों या सांसदों के पाला बदलने या दूसरी पार्टियों में शामिल होने के मामले आए दिन सामने आते रहे हैं। मगर इस बार आम आदमी पार्टी से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की घोषणा की है, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। गौरतलब है कि राज्यसभा में आप के दस सांसद थे। उनमें से राघव चड्ढा सहित सात सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। उनका मानना है कि चूंकि अलग होने वाले सांसदों की संख्या दो-तिहाई की कसौटी पर पूरी है, इसलिए दल-बदल विरोधी कानून के तहत यह गलत नहीं है।संभव है कि आप छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले इन नेताओं के लिए सिर्फ कानून के प्रावधानों पर खरा उतरना ही किसी कार्रवाई से बचने के लिए काफी है, लेकिन सवाल है कि क्या केवल तकनीकी तौर पर सही होकर ही खुद को नैतिकता की कसौटी पर भी उचित मान लिया जा सकता है! खैर, आम आदमी पार्टी की ओर से संबंधित सातों सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग करने की बात कही गई है। हवाला यह दिया गया है कि दल-बदल कानून में राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी करने पर स्पष्ट तौर पर मनाही की गई है, भले ही वहां दो-तिहाई बहुमत हो। जाहिर है, आप के नेता अब दल-बदल से संबंधित कानूनी बारीकियों के मुताबिक कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। मगर यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर मान्यता का मुद्दा उठने पर अंतिम फैसला क्या आता है। एक सवाल अपना दल छोड़ कर सांसदों के भाजपा में शामिल होने और पार्टी के रूप में विलय से जुड़े संदर्भ का भी उठेगा। हालांकि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा की राजनीतिक सक्रियता जिस तरह उलझी हुई दिख रही थी, उसके मद्देनजर पहले से ही उनके पार्टी से बाहर होने की संभावना जताई जा रही थी। मगर उनके साथ जिस तरह छह अन्य नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उसे लेकर राजनीतिक हलके में थोड़ी हैरानी जताई जा रही है। देश की राजनीति में बिना किसी सैद्धांतिक आधार के सुविधा के मुताबिक पार्टी बदलने की प्रवृत्ति और इसके सहारे सरकारों की स्थिरता के प्रभावित होने के हालात को रोकने के लिए दल-बदल कानून बनाया गया था। मगर पिछले कुछ वर्षों से इस कानून के तहत मिली छूट का लाभ उठा कर कई राज्यों में जिस तरह सरकारें बदली गईं, उसमें कहीं भी सैद्धांतिक कसौटी का ख्याल रखना जरूरी नहीं समझा गया।

युद्ध की आग में आर्थिक अवसर, ईरान की आक्रामक रणनीति

मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा। हाल ही में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। यह घोषणा अमेरिका की ओर से की गई, लेकिन ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को अभी भी अवरुद्ध कर रखा है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान को बंद पड़े इस समुद्री मार्ग को न खोलने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है, दूसरी तरफ ईरान इसे कमाई के अवसर के रूप में देख रहा है। दरअसल, ईरान ने होर्मुज जलमार्ग में अपने लिए 'एक सुरक्षित कॉरिडोर' तैयार किया है, जो लार्क द्वीप के आसपास से होकर गुजरता है।

(अखिलेश आर्येंदु)

इस नई व्यवस्था के जरिए संघर्ष की स्थिति में भी ईरान कमाई के साधन बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है। मीडिया रपटों के मुताबिक, अमेरिका की धमकियों से ईरान दबाव में आने के बजाय बेखौफ होकर अपनी रणनीति और कूटनीति के साथ सधे कदमों से काम कर रहा है। ईरान के एक सांसद के मुताबिक, होर्मुज जलमार्ग से गुजरने वाले तेल के चुनिंदा जहाजों पर ईरान की ओर से लगभग दो मिलियन डालर का शुल्क लगाया जा रहा है। हालांकि, जब से अमेरिका ने समुद्र में नाकेबंदी शुरू की है, तब से इस कार्य में ईरान के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि होर्मुज जलमार्ग को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो उसके ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट कर दिया जाएगा। मगर इससे दबाव में आने के बजाय ईरान ने पलटवार करते हुए कहा कि यदि अमेरिका की ओर से हमले की कार्रवाई की गई, तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। इन बयानों से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा और शेयर बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। ईरान की कूटनीति और रणनीति अब भी आक्रामक प्रतिक्रिया वाली है। वह अमेरिका की चेतावनियों और धमकियों का जवाब उसी अंदाज में दे रहा है। ऐसे में यह कहना बहुत मुश्किल है कि दोनों पक्षों के बीच युद्ध कब तक थमा रहेगा। इस युद्ध में ईरान में अब तक हताहतों की तादाद इजराइल से भले ज्यादा हो, लेकिन वह एक कदम भी पीछे हटने का संकेत नहीं दे रहा है, उल्टे इस संघर्ष में वह कमाई करने का मौका देख रहा है। यही वजह है कि ईरान बेहद सधी रणनीति से आगे बढ़ते हुए अपने ध्वस्त ढांचों को फिर से खड़ा करने और संघर्ष में धन की कमी को पूरा करने के लिए तेल को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा, यानी उसने अमेरिका और इजराइल को स्पष्ट तौर पर यह संदेश दिया है कि उसे धमकियों से डराया नहीं जा सकता। ईरान सोची-समझी रणनीति के तहत अमेरिका समर्थित अरब देशों को निशाना बना रहा है। यहां तक कि दुबई पर भी हमले कर रहा है, जहां दुनिया के करीब दो सौ देशों के लोग रहते हैं। सवाल है कि दुबई पर हमला करके ईरान को क्या फायदा मिल रहा है या भविष्य में मिल सकता है? इसके लिए दुबई की 'धनकुबेर' वाली छवि को समझना होगा और यह भी जानना होगा कि दुबई पर ईरान के हमलों के पीछे की रणनीति या कूटनीति किस तरह की है?

ईरान इस संघर्ष को ऐसे अवसर के रूप में देख रहा है, जो आगे चलकर उसकी अर्थव्यवस्था के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दुबई पर उसका हमला इसी दूरदृष्टि का परिणाम है। ईरान जानता है कि अमेरिकी दोस्त दुबई की धनकुबेर वाली छवि को खराब करने के लिए उस पर हमला करना जरूरी है। लोग घबराकर दुबई को छोड़ कर एक सुरक्षित जगह की तलाश करेंगे, जिसका असर उसकी अर्थव्यवस्था पर तो पड़ेगा ही, उसकी धनकुबेर वाली छवि भी खराब हो सकती है। ईरान के हमलों से वहां के कारोबार और पर्यटन पर गहरा असर पड़ेगा, जिससे उसकी आमदनी भी प्रभावित होगी। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दुबई में दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए थे, जिससे उसकी बड़े पैमाने पर आमदनी हुई। ईरान के हमलों से दुबई जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आएगी, जिसका अप्रत्यक्ष रूप से उसे फायदा होगा।

पश्चिम एशिया में जब से संघर्ष की शुरुआत हुई है, तब से तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसका फायदा उठाकर ईरान अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश में जुटा है। दूसरी तरफ होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध की वजह से ईरान को ढांचागत क्षति के साथ अतिरिक्त प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ सकता है, लेकिन तत्काल ऊर्जा की कीमतें उसके लिए एक आर्थिक हथियार के रूप में काम कर रही हैं। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित दुनिया के कई देशों से कह चुके हैं कि रूस से तेल ज्यादा से ज्यादा खरीदा जाना चाहिए, जिससे दुनिया में ऊर्जा का कोई गंभीर संकट न पैदा हो। इससे रूस को फायदा हो रहा है और इसके परिणामस्वरूप ईरान को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल रही है। चूंकि रूस और चीन के साथ ईरान के संबंध बेहतर हैं, इसलिए उसे इन देशों से आर्थिक और कूटनीतिक सुरक्षा मिल रही है।

यह सच है कि ईरान की अर्थव्यवस्था तेल और प्राकृतिक गैस के निर्यात पर टिकी है, जो दुनिया के सबसे बड़े जीवाश्म ईंधन भंडारों में से एक है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार और चौथा तेल भंडार ईरान के पास है। वह होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि उसके मूलभूत ढांचों और संयंत्रों पर हमला करने से महज उसका ही नुकसान नहीं होगा, बल्कि दुनिया के तमाम देशों पर इसका प्रत्यक्ष असर पड़ेगा। ईरान का कहना है कि अमेरिका को अब यह समझ में आ रहा है कि प्रतिबंधों और हमलों से उसे वह सब हासिल नहीं हो पाया है, जिसके लिए उसने इजराइल के साथ मिलकर हमले किए थे।ईरान दुनिया को यह संदेश देने में भी सफल होता दिखाई दे रहा है कि इजराइल और अमेरिका की ओर से उसके ऊपर किए गए हमले गैरजरूरी और उसकी संप्रभुता को खत्म करने की कोशिश हैं। यही वजह है कि नाटो देश इस युद्ध में अमेरिका का साथ देने को तैयार नहीं हुए। अब ईरान खुद को एक तरह से इस संघर्ष का विजेता मान रहा है, क्योंकि तेल और गैस की आपूर्ति को रोककर उसने वैश्विक संकट खड़ा कर दिया है और अमेरिका इसे सुलझाने में अब तक विफल रहा। जो भी हो, इस युद्ध से अभी तक अमेरिका और इजराइल को वह हासिल होता हुआ नजर नहीं आ रहा है, जिसके लिए युद्ध को एकमात्र विकल्प बताया गया था।

शिक्षा सत्र में जल्दबाजी, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और उत्साह पर भारी पड़ता बदलाव

(राजेंद्र जोशी)

शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र को जल्दी शुरू करना शायद सीखने की अवधि में ज्यादा अंतराल को कम करने का प्रयास है, लेकिन व्यवहारिकता गायब है। बच्चे परीक्षा की थकान अभी ठीक से उतार नहीं पाए थे कि नई किताबें थमा दी गईं।बच्चों के परीक्षा परिणाम घोषित हो चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले इस बार नया शिक्षा सत्र भी समय से पहले प्रारंभ हो गया है। अब गर्मी की छुट्टियां सत्र की शुरुआत के डेढ़ माह बाद होने की स्थिति बन रही है। दरअसल, परिणाम के तुरंत बाद नए सत्र में बच्चों को नई कक्षा में प्रवेश मिल गया। इस बीच परीक्षा में पास होने की खुशी से उपजे आनंद को महसूस करने, उमंग में थोड़ा झूमने का समय बच्चों को बिल्कुल नहीं मिला। बच्चे अभी परिणाम की मिठास चख ही पाए थे कि स्कूल की कक्षाओं की घंटियां बज गईं। ऐसा लगता है कि कुछ मजा नहीं आ रहा, नए सत्र का एहसास भी नहीं हो पा रहा।

डेढ़-दो दशक पहले अगली कक्षा में जाने की जबरदस्त खुशी का वातावरण घर-परिवार के साथ-साथ दोस्तों के बीच छा जाता था। कई दिनों तक दोस्तों के साथ मस्ती, ननिहाल में हंसी-ठिठोली का माहौल बना रहता। रंग-बिरंगे गुब्बारे, मिठाइयां बांटना, नए कपड़े पहनना- सब कुछ उत्सव की तरह होता। मगर इस बार न मस्ती है, न ही अगली और बड़ी कक्षा में प्रवेश का उत्साह। नए सत्र की तैयारी, जो घर-घर में त्योहार की तरह होती थी, इस बार वह भी अधर में लटक गई। शिक्षा सत्र को लेकर तैयारी का समय ही नहीं मिला और अगले ही दिन कक्षा बदल गई।

अध्ययन का समय बढ़ाना और सत्र के कैलेंडर में वर्ष भर परिवर्तन करने को लेकर शायद ही किसी को कोई आपत्ति होगी, लेकिन परिणाम के ठीक अगले दिन स्कूल फिर शुरू हो जाना और डेढ़ माह बाद छुट्टियों की शुरुआत की व्यवस्था व्यावहारिक रूप से जंच नहीं रही। यह समझना मुश्किल है कि ऐसा क्यों किया गया। क्या इसमें बच्चों की रुचि रही है या उनकी क्षमता विकसित करने का कोई बड़ा इरादा है! स्कूलों को भी नए शिक्षा सत्र के स्वागत की तैयारी के लिए समय नहीं मिला। कक्षाएं सजाने, शिक्षकों का प्रशिक्षण, नई किताबों का वितरण- सब कुछ जल्दबाजी में हो गया। नतीजा यह हुआ है कि बच्चे थके-मांदे से लग रहे हैं, उत्साह की जगह ऊब और बोरियत ने ले ली है। सवाल है कि बच्चों के साथ ऐसा होने का लाभ किसे मिलने वाला है?

पुराने समय में गर्मी की छुट्टियां डेढ़ माह लंबी होती थीं। स्कूल बंद होते ही सत्र की समाप्ति को लेकर खुशी देखी जाती। फिर उसके बाद नए शिक्षा सत्र की शुरुआत होती। आमतौर पर छुट्टियों के अंतिम दस दिन विशेष तैयारी के होते। मां-पिता कपड़े संभालते, धोते-रंगते। स्कूल का नया परिधान सिलवाया जाता, पुराने परिधान को संभाल कर रखा जाता। यह सब करना रोमांच से भरा होता था। नई किताबें बाजार से लाई जातीं। उनकी चमक-दमक देखकर बच्चे उछल पड़ते। स्कूल बैग भी नया लाया जाता था, अभ्यास पुस्तिकाएं खरीदी जातीं। दोस्तों के साथ किताबें बदलना, कवर चढ़ाना- इस तरह की छोटी-छोटी बातें भी खुशी का सबब बनती थीं।

अब नई कक्षा में बैठने का जश्न और उत्साह ही अलग होता। पहले दिन स्कूल पहुंचते ही नजरें नई बेंच पर टिक जातीं। अपना स्थान चुनना, नाम लिखना, दोस्तों से बातें करना- वह सब रोमांचक लगता। स्कूल जल्दी जाने की लालसा होती। सुबह उठकर तैयार होना, मां के हाथ का नाश्ता खाना और बैग कंधे पर लटकाकर दौड़ पड़ना। अगली कक्षा में जाकर अपना स्थान 'रोकने' का इंतजार रहता। ऊंचाई की खुशी, बड़े होने का अहसास- सब कुछ जिंदगी का हिस्सा बन जाता। मगर आज वह उमंग या उत्साह कहां है? नई कक्षा में जाने की विशेष तैयारी भी नहीं हो पाती। बच्चे बस यों ही चले जाते हैं, बिना किसी धूमधाम के।

इस बदलाव का सबसे बड़ा नुकसान बच्चों की मानसिकता पर पड़ रहा है। शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र को जल्दी शुरू करना शायद सीखने की अवधि में ज्यादा अंतराल को कम करने का प्रयास है, लेकिन व्यवहारिकता गायब है। बच्चे परीक्षा की थकान अभी ठीक से उतार नहीं पाए थे कि नई किताबें थमा दी गईं। पास होने की खुशी मनाने का समय न मिले, तो आगे पढ़ाई में मन कैसे लगे? राजस्थान जैसे गर्म इलाकों में अप्रैल-मई की तपिश में डेढ़ माह बाद छुट्टियां देना स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं। बच्चे गर्मी से परेशान होंगे, तो उनकी एकाग्रता भंग होगी और सेहत पर जोखिम बढ़ेगा।

पहले छुट्टियां बच्चों के लिए अपने भीतर फिर से ऊर्जा भरने का समय होती थीं। खेलना-कूदना, परिवार के साथ समय बिताना, ननिहाल जाना- यह सब मानसिक विकास के लिए जरूरी था। दोस्तों के साथ क्रिकेट, कबड्डी या गलियों में ठोकरें लगाना। अब वह मौका ही नहीं मिल पाता। सोशल मीडिया की स्थिति यह है कि कई बार वहां दोस्तों की तस्वीरें देखकर कुछ लोगों को जलन होती होगी। इस तरह की भावना अगर बच्चों के भीतर आए, तो उनके भीतर नकारात्मकता पैदा होगी। विशेषज्ञ कहते हैं कि सीखने के लिए उत्साह जरूरी है। बिना उत्साह के रट्टा लगाना बोझ बन जाता है।

बचपन पर कैंसर का साया, चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और स्वास्थ्य असमानता के बीच संघर्ष

बचपन को सपनों का 'सुनहरा दौर' माना जाता है, लेकिन कैंसर हजारों बच्चों से ये दौर छीन रहा है। 'द लैंसेट' की एक हालिया रिपोर्ट वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक चौंकाने वाली विफलता को उजागर करती है। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल होता है, जिसमें सपनों की नींव रखी जाती है, संभावनाओं के पंख विकसित होते हैं और भविष्य की दिशा तय होती है। मगर आज यही बचपन कैंसर जैसे जटिल रोगों की गिरफ्त में आ रहा है, जो न केवल बच्चों के जीवन के सबसे कीमती वर्षों को छीन रहा है, बल्कि उनकी जान भी ले रहा है। यह केवल जीवनशैली और प्राकृतिक बदलाव का परिणाम नहीं है, बल्कि व्यवस्था से जुड़ा सवाल भी है। सबसे भयावह और असमानता का पहलू यह है कि बाल्यावस्था में कैंसर से होने वाली 94 फीसद मौत और 85 फीसद नए मामले कम एवं मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं।

(योगेश कुमार गोयल)

यानी जिन देशों में संसाधन सबसे कम हैं, वहां इस रोग का कहर सबसे अधिक है। भारत भी इस त्रासदी से अछूता नहीं है, जहां हर वर्ष लगभग 17 हजार बच्चे कैंसर के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। स्पष्ट है कि कैंसर से जंग केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि आर्थिक और व्यवस्था के स्तर पर भी है।

'द लैंसेट' में प्रकाशित रपट 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज-2023' बाल्यावस्था में कैंसर के संकट की भयावहता को उजागर करती है। यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों की विफलता और स्वास्थ्य असमानता की तस्वीर पेश करती है, जिसमें सबसे ज्यादा पीड़ा उन देशों की झलकती है, जहां संसाधन सीमित हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर। रपट के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनिया भर में बाल्यावस्था के कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए और करीब 1.44 लाख बच्चों की मृत्यु हो गई। इससे स्पष्ट है कि बाल्यावस्था का कैंसर अब केवल एक चिकित्सीय चुनौती नहीं रहा, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरियों और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं का प्रतीक बन गया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट कई स्तरों पर जटिल है। एक ओर चिकित्सा विज्ञान ने कैंसर के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है, दूसरी ओर इन आधुनिक सुविधाओं तक पहुंच अभी भी सीमित है। देश के बड़े शहरों में तो उन्नत कैंसर उपचार केंद्र मौजूद हैं, लेकिन ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में ये सुविधाएं न के बराबर हैं। परिणामस्वरूप अधिकांश बच्चे तब अस्पताल पहुंचते हैं, जब बीमारी अंतिम चरण में होती है। यही कारण है कि भारत में बाल कैंसर के मामलों में जीवित रहने की दर विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

लैंसेट की रपट से पता चलता है कि बाल्यावस्था का कैंसर वर्ष 2023 में बच्चों की मृत्यु का आठवां प्रमुख कारण रहा। यही नहीं, यह 'डिसेबिलिटी-एडजस्टेड लाइफ ईयर्स' (डीएएलवाई) के संदर्भ में भी दसवां सबसे बड़ा कारण है। 'डीएएलवाई' का अर्थ है, स्वस्थ जीवन के एक वर्ष का नुकसान यानी कैंसर केवल जीवन ही नहीं छीन रहा, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सक्रिय और कीमती समय को भी नष्ट कर रहा है। यह एक ऐसी क्षति है, जिसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव दीर्घकालिक एवं गहरा होता है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक पहलू यह है कि बाल्यावस्था के कैंसर के अधिकांश मामलों का संबंध जीवनशैली से नहीं होता, जैसा कि वयस्कों में देखा जाता है, बल्कि बच्चों में कैंसर अक्सर आनुवंशिक परिवर्तनों या कोशिकीय असामान्यता के कारण विकसित होता है। ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) बच्चों में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है, जिससे वर्ष 2023 में लगभग 45,900 बच्चों की मृत्यु हुई। इसके बाद मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के कैंसर हैं, जिससे 23,200 बच्चों की मौत हुई। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो एक विरोधाभास स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आता है। वर्ष 1990 की तुलना में 2023 में बाल्यावस्था के कैंसर से होने वाली मौत में लगभग 27 फीसद की कमी आई है,

जो चिकित्सा विज्ञान की प्रगति का स्पष्ट संकेत है। मगर यह प्रगति समान रूप से वितरित नहीं है। जहां विकसित देशों में इलाज की बेहतर सुविधाओं के कारण मृत्यु दर में गिरावट आई है, वहीं अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में यह दर 55 फीसद से अधिक बढ़ गई है। यह असमानता साफ तौर पर वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है।

भारत की बात की जाए, तो यहां बाल कैंसर की चुनौती केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक आयामों से भी जुड़ी हुई है। एक ओर इलाज का खर्च अत्यधिक है, दूसरी ओर अधिकांश परिवारों के पास स्वास्थ्य बीमा या वित्तीय सुरक्षा नहीं होती है। परिणामस्वरूप कई मामलों में इलाज अधूरा रह जाता है। इसके अलावा, जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। प्रारंभिक लक्षणों को अक्सर सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे निदान में देरी होती है और उपचार की संभावना कम हो जाती है। स्वास्थ्य प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरियां भी इस संकट को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रशिक्षित चिकित्सकों और आवश्यक जांच सुविधाओं का अभाव, विशेषज्ञों की कमी और बड़े अस्पताल भेजने की प्रक्रिया में जटिलता बच्चों को समय पर उपचार मिलने में बाधा उत्पन्न करती है।

हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से शुरू किया गया 'ग्लोबल चाइल्डहुड कैंसर इनिशिएटिव' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक कैंसर से पीड़ित बच्चों में जीवित रहने की दर को कम से कम साठ फीसद तक बढ़ाना है। इसके तहत समय पर निदान, सस्ती और सुलभ दवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ाने और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। भारत में भी सरकार और विभिन्न संस्थाएं इस दिशा में प्रयासरत हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को इलाज की सुविधा प्रदान कर रही हैं। इसके अलावा, टेलीमेडिसिन, संचालित स्वास्थ्य इकाइयों और डिजिटल स्वास्थ्य मंच के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मगर इस कवायद को और अधिक व्यापक, समन्वित और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

इसमें दोराय नहीं कि इस समस्या का समाधान केवल चिकित्सा प्रगति से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। सबसे पहले, जन-जागरूकता को बढ़ाना होगा, ताकि माता-पिता और शिक्षक प्रारंभिक लक्षणों को पहचान सकें। इसके साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करना होगा, ताकि शुरुआती स्तर पर ही रोग की पहचान और उपचार संभव हो सके। चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण में निवेश बढ़ाना भी आवश्यक है, ताकि पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ उपलब्ध हो सकें। स्वास्थ्य सेवाओं में समानता सुनिश्चित करना अत्यंत जरूरी है। जब तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच और अमीर एवं गरीब देशों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई कम नहीं होगी, तब तक इस समस्या का समाधान अधूरा ही रहेगा।

बचपन को कैंसर से बचाना केवल एक चिकित्सा लक्ष्य नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। यह उस समाज की पहचान है, जो अपने सबसे कमजोर और अनमोल वर्ग की रक्षा करने में सक्षम है। यदि हम वास्तव में एक स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की कल्पना करते हैं, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान न गंवाए, क्योंकि उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। कैंसर से जूझता बचपन हमें यह अहसास कराता है कि विकास केवल आर्थिक प्रगति से नहीं मापा जा सकता, बल्कि यह इससे तय होता है कि हम अपने बच्चों को कितना सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन दे पा रहे हैं।

वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं को मिलेगी समग्र सहायता

यह पहल महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण : बीडीओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग । प्रखंड मुख्यालय में महिलाओं की सुरक्षा और सहायता को ध्यान में रखते हुए वन स्टॉप सेंटर (डरउ) की शुरूआत की गई। उद्घाटन के मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की यह पहल महिलाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर योजना के तहत संचालित इस केंद्र में महिलाओं को चिकित्सा सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहयोग, अस्थायी आश्रय और पुलिस सहायता जैसी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे हिंसा से पीड़ित महिलाओं को त्वरित मदद मिल सकेगी।

बीडीओ ने कहा कि यह केंद्र घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना सहित विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझ रही महिलाओं के लिए एक सुरक्षित सहारा बनेगा। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि किसी भी समस्या की स्थिति में वे आगे आकर इस केंद्र का लाभ उठाएं। केंद्र का संचालन सीडीपीओ कार्यालय द्वारा किया जाएगा । जिसके प्रभारी महिला पर्यवेक्षिका होंगी।

उद्घाटन अवसर पर जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, भगवान केसरी, गुरुदेव गुप्ता, मुखिया मोतीलाल चौधरी सहित सखी मंडल की दीदियां एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से क्षेत्र की महिलाओं को न केवल सुरक्षा मिलेगी, बल्कि वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी आगे बढ़ सकेंगी।

एनटीपीसी माइनिंग ने 100 एमएमटी कोयला उत्पादन का बनाया कीर्तिमान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने स्थापना के बाद से 100 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ यह परियोजना देश की प्रमुख कोयला खनन परियोजनाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुकी है।

परियोजना में कोयला उत्पादन की शुरूआत जनवरी 2017 में हुई थी, जबकि पहला रेल रैक फरवरी 2017 में भेजा गया। अप्रैल 2019 में इसे वाणिज्यिक रूप से घोषित किया गया। मई 2023 में 50 एमएमटी उत्पादन का आंकड़ा पार करने के बाद, मात्र तीन वर्षों से भी कम समय में उत्पादन को दोगुना कर 100 एमएमटी तक पहुंचाना परियोजना की तेज प्रगति और उच्च कार्यक्षमता को दशार्ता है।

इस सफलता में कई महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक और तकनीकी उपलब्धियों की अहम भूमिका रही है। वर्ष 2022 में कोल हैंडलिंग प्लांट के स्ट्रीम अ और इ का संचालन शुरू हुआ। अगस्त 2024 में रैपिड लोडिंग सिस्टम से एकीकरण किया गया, जबकि दिसंबर 2024 में 20,000वें रेल रैक का प्रेषण एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इसके अलावा, परियोजना एशिया की सबसे लंबी क्लोज्ड कोयला कन्वेयर प्रणाली से सुसज्जित है, जो खदान को बनादाग रेलवे साइडिंग से जोड़ती है और पर्यावरण के अनुकूल कोयला परिवहन सुनिश्चित करती है।

इस उपलब्धि के पीछे जनहितकारी नीतियां, त्वरित निर्णय प्रक्रिया, झारखंड सरकार का सहयोग, स्थानीय ग्रामीणों एवं अन्य हितधारकों का सतत समर्थन महत्वपूर्ण रहा है। साथ ही, शीर्ष प्रबंधन के मार्गदर्शन ने भी परियोजना के उत्कृष्ट प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दास ने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और सभी हितधारकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने बताया कि सुरक्षित संचालन, बेहतर प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता के समन्वय से ही इस तरह के लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि पकरी बरवाडीह परियोजना सतत खनन प्रथाओं को अपनाते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

8 साल से फरार वारंटी गिरफ्तार, चरही पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चुरचू/चरही (हजारीबाग)। चरही थाना पुलिस ने आठ वर्षों से फरार चल रहे एक धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ग्राम चरही निवासी तेजनाथ महतो (पिता-स्वर्गीय विदेशी महतो) के रूप में हुई है, जो वर्ष 2016 से पुलिस की पकड़ से बचता आ रहा था।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अपने गांव के आसपास देखा गया है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर इलाके में घेराबंदी की गई और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार, तेजनाथ महतो के विरुद्ध वर्ष 2016 में परिवाद संख्या 1431/2016 दर्ज किया गया था। उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (अमानत में खयानत), धारा 420 (धोखाधड़ी) एवं धारा 500 (मानहानि) के तहत मामला चल रहा था। न्यायालय द्वारा कई बार समन जारी किए जाने के बावजूद उसके उपस्थित नहीं होने पर उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह एक महत्वपूर्ण कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि कानून से बचकर भागना संभव नहीं है, अपराधी को देर-सबेर न्याय का सामना करना ही पड़ता है।

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और अन्य फरार आरोपियों में भी डर का वातावरण देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

नि:शुल्क पशु चिकित्सा सह परामर्श शिविर में 274 पशुओं की जांच

बरही हजारीबाग । खोड़ाहर पंचायत के दौरवा और कुंडवा गांव में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित निःशुल्क पशु चिकित्सा एवं परामर्श शिविर में कुल 274 पशुओं की जांच एवं उपचार किया गया। शिविर डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव के मार्गदर्शन तथा परिसर प्रभारी डॉ. एस. के. महंता के संरक्षण में संपन्न हुआ।

पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. वंदना द्वारा किया गया, जबकि आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर को सफल बनाने में हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, बादल कुमार और कैलाश कुमार वर्मा ने सक्रिय सहयोग दिया।

इस दौरान पशुपालकों को संतुलित पोषण, रोगों की रोकथाम, समय पर टीकाकरण एवं पशुओं की समुचित देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि उचित देखभाल और संतुलित आहार से पशुओं की उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

शिविर में पशुपालकों एवं ग्रामीणों की अच्छी भागीदारी रही। परिसर प्रभारी ने कहा कि इस प्रकार की निःशुल्क सेवाओं से क्षेत्र के किसानों और पशुपालकों को सीधा लाभ मिल रहा है, जो उनके आर्थिक सशक्तिकरण में सहायक सिद्ध होगा।

खजांची तालाब परिसर पर उठे सवाल, वीडियो वायरल

हजारीबाग। हजारीबाग शहर में खजांची तालाब स्थित नवनिर्मित शौचालय और सामुदायिक भवन की स्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो के आधार पर नागरिकों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर कई सवाल उठाए हैं।

सोशल मीडिया पर साझा की जा रही सामग्री में भवन की छत से पानी टपकने, दीवारों और खंभों में दरार आने तथा आसपास गंदगी और झाड़ियां फैलने की बातें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि हाल ही में बने इस ढांचे की स्थिति इतनी जल्दी खराब होना चिंता का विषय है।

स्थानीय लोगों ने पानी की बबार्दी को लेकर भी असंतोष जताया है। आरोप है कि परिसर में लगे मोटर के संचालन की स्पष्ट व्यवस्था नहीं होने के कारण कई बार पानी अनावश्यक रूप से बहता रहता है, जिससे संसाधनों की बबार्दी हो रही है।

वहीं, कुछ नागरिकों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रियता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते निगरानी और रखरखाव पर ध्यान दिया जाए, तो ऐसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग संबंधित विभाग से जांच कर उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि सार्वजनिक धन से बने ढांचे की गुणवत्ता और उपयोगिता सुनिश्चित की जा सके।

चावल की किल्लत से मध्याह्न भोजन बंद,भूखे लौट रहे बच्चे

चतरा। गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र के लगभग एक दर्जन विद्यालयों में चावल के अभाव के कारण 10 से 12 दिन से मध्याह्न भोजन योजना ठप हो गई है। इससे विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को मिलने वाला पौष्टिक आहार प्रभावित हो रहा है और अभिभावकों में भी नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, जिले में चावल का आवंटन होने के बावजूद ठेकेदार द्वारा समय पर आपूर्ति नहीं की जा रही है ।परिणामस्वरूप विद्यालयों में भंडारण समाप्त हो गया है और रसोईघर सूने पड़े हैं। मध्यान्ह भोजन बंद होने से बच्चों की उपस्थिति पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

इस संबंध में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का कहना है कि यदि जल्द आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

इधर, लकलकाती की धूप में विद्यालय संचालन भी शिक्षकों और बच्चों के लिए चुनौती बना हुआ है। गर्मी के बीच भोजन नहीं मिलने से बच्चों की परेशानी और बढ़ गई है। कई छात्र खाली पेट घर लौटने को मजबूर हैं, जिससे अभिभावकों में रोष है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अविलंब हस्तक्षेप कर चावल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि मध्यान्ह भोजन योजना सुचारु रूप से चल सके और बच्चों को उनका अधिकार मिल सके।

पत्रकारों पर हमले की कड़ी निंदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। हजारीबाग में पत्रकारों के साथ कथित मारपीट की घटना को लेकर प्रेस क्लब पलामू ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। क्लब के जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष बिनोद सिंह ने कहा कि पत्रकारों को पिटवाना लोकतंत्र पर हमला है और यह बेहद चिंताजनक स्थिति है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सत्ता के अहंकार में इस तरह की घटनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। बिनोद सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि ऐसे मंत्री को तत्काल पद से हटाया जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बिनोद सिंह ने कहा कि पत्रकारों का सवाल पूछना उनका अधिकार है और वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि चतरा में एयर एम्बुलेंस दुर्घटना में मारे गए लोगों को मुआवजा देने से जुड़े प्रश्न पर मंत्री को आपत्ति क्यों हुई। यदि जनप्रतिनिधि सवालों का सामना नहीं कर सकते, तो उन्हें सार्वजनिक जीवन में बने रहने पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री की मौजूदगी में उनके समर्थकों द्वारा पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट किया जाना गंभीर मामला है। ऐसे तत्वों की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए।

प्रेस क्लब पलामू ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए चेतावनी दी है कि यदि पत्रकारों को न्याय नहीं मिला, तो क्लब मंत्री इरफान अंसारी के कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगा। साथ ही, पलामू में कांग्रेस के कार्यक्रमों के कवरेज पर भी पुनर्विचार किया जाएगा।

बिनोद सिंह ने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी मंत्री द्वारा पत्रकारों को धमकी देने की बात सामने आ चुकी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर खतरा हैं और इन पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

बारिश में डूबा जीटी रोड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा हजारीबाग। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में हुई हल्की बारिश ने जीटी रोड पर जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। बुधवार को शुरू हुई बारिश के बाद गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे फिर से हुई वर्षा के चलते बरकट्ठा जीटी रोड स्थित मध्य विद्यालय के पास भारी जलजमाव हो गया, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

बताया जाता है कि उक्त स्थल पर पहले से ही जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। पहले भी यहां जलजमाव और बदबू की समस्या बनी रहती थी, लेकिन बीते दो दिनों की बारिश के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाने से लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय निवासी पीताम्बर नायक और मोहम्मद अनवर अंसारी ने बताया कि सड़क पार करना मुश्किल हो गया है। उनका कहना है कि वर्षों से जल निकासी की समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

बदले मौसम का प्रहार : आंधी-बारिश ने फुटपाथ कारोबारियों की कमर तोड़ी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । गुरुवार को दोपहर के वक्त अचानक बदले मौसम ने शहर की रफ्तार थाम दी। तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने एक ओर जहां तपती गर्मी से राहत दी, वहीं फुटपाथ पर निर्भर छोटे दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा कर दिया।

करीब 12 बजे तेज हवा के साथ शुरू हुई बारिश ने कुछ ही मिनटों में हालात बदल दिए। सड़कों पर अफरातफरी का माहौल बन गया और लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में इधर-उधर भागते नजर आए। कई इलाकों में यातायात भी प्रभावित रहा। वहीं पलामू जिला बार एसोसिएशन के गेट पर सड़क किनारे लगे पेड़ की टहनियां टूट कर सड़क पर बिखरी हुई नजर आई। तेज हवा और बारिश का सिलसिला लगभग डेढ़ घंटे चला।

आंधी का सबसे ज्यादा असर फुटपाथ दुकानदारों पर पड़ा। तेज हवा के झोंकों से उनकी अस्थायी दुकानें उखड़ गईं, तिरपाल उड़ गए और खुले में रखा सामान भीगकर खराब हो गया। अचानक आई इस बारिश ने उन्हें संभलने का मौका तक नहीं दिया, जिससे कई लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

छह मुहान चौक समेत शहर के प्रमुख इलाकों में दुकानदार अपनी दुकानों और सामान को बचाने के लिए जूझते दिखे। कई जगहों पर दुकानदारों ने जैसे-तैसे सामान समेटकर नुकसान को कम करने की कोशिश की।

मौसम के इस अचानक बदले मिजाज ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि असंगठित क्षेत्र से जुड़े छोटे व्यापारियों की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए ठोस इंतजाम कब किए जाएंगे।

दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग, पीड़ित परिवार से मिले रूचिर तिवारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । दहेज के लिए कथित रूप से की गई रिचा देवी की हत्या के मामले में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी ने इस घटना को जघन्य अपराध बताते हुए दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की है ।भाकपा के जिला सचिव एवं डालटेनगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी रूचिर कुमार तिवारी ने बेलवाटीका निवासी राकेश मिश्रा के घर जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह भी उनके साथ मौजूद थे।

रूचिर तिवारी ने कहा कि राकेश मिश्रा ने वर्ष 2023 में अपनी इकलौती पुत्री रिचा देवी का विवाह पूर्वडीहा निवासी अभिषेक दुबे के साथ धूमधाम से किया था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही रिचा देवी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था और अंततः ससुराल पक्ष द्वारा फांसी के फंदे पर लटकाकर उसकी हत्या कर दी गई।

उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। घटना के बाद बिना पुलिस को सूचना दिए शव को अस्पताल ले जाना कई सवाल खड़े करता है। इससे यह आशंका और गहरी हो जाती है कि साक्ष्य छिपाने की कोशिश की गई है। भाकपा जिला परिषद ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर सजा दिलाने की मांग की है। पार्टी ने कहा कि 21वीं सदी में भी दहेज के नाम पर महिलाओं की हत्या होना समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई से ही दहेज लोभियों और उत्पीड़कों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

आजीवन कारावास की सजा

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला व्यवहार न्यायालय के प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत ने हत्या के एक मामले में आरोपी मनोज यादव उर्फ मुन्ना यादव को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना अदा नहीं करने पर उसे एक वर्ष का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

यह मामला एसी/एसटी वाद संख्या 98/2022 से जुड़ा है। चैनपुर थाना क्षेत्र के टेमरी गांव निवासी उज्ज्वल कुमार टिडू ने चार लोगों- मनोज यादव, प्रदीप यादव, सनोज यादव और नरेश यादव के विरुद्ध चैनपुर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामला चैनपुर थाना कांड संख्या 195/2022 के तहत 23 अगस्त 2022 को भादवि की धारा 302, 120बी, 34 एवं 27 आर्म्स एक्ट में दर्ज किया गया था।

कचरा प्रबंधन बदहाल

चतरा। सदर अस्पताल में मेडिकल कचरा निस्तारण की व्यवस्था लंबे समय से बदहाल बनी हुई है। वर्ष 2006 में अस्पताल परिसर में बायो मेडिकल वेस्ट के निपटान के लिए इंसीनेटर मशीन लगाई गई थी, लेकिन स्थापना के कुछ ही दिनों बाद यह मशीन खराब हो गई। हैरानी की बात यह है कि करीब एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इसे दुरुस्त कराने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है ।जानकारी के अनुसार, इंसीनेटर मशीन को ऐसे स्थान पर स्थापित किया गया, जो घनी आबादी के बीच था, जबकि इस तरह की मशीनों को वीरान या आबादी से दूर क्षेत्र में लगाने का प्रावधान है। मशीन लगने के बाद आसपास के लोगों ने इसका विरोध भी शुरू कर दिया था। विरोध तेज होने ही वाला था कि मशीन तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गई। इसके बाद अधिकारियों ने इस ओर दोबारा ध्यान देना जरूरी नहीं समझा।

साली से शादी के चक्कर में साला का अपहरण, तीन लोग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा पुलिस ने एक नाबालिग बच्चे के अपहरण की गुत्थी 24 घंटे के अंदर सुलझाते हुए न सिर्फ नाबालिग बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है, बल्कि इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार भी किया है।

मामले की जानकारी देते हुए एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि तिलैया थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 से 14 वर्षीय बच्चे का बुधवार को बेलाटांड स्कूल से लौटने के क्रम में अपहरण कर लिया गया था, जिसे लेकर फिर तो बच्चे की बहन वीणा देवी ने तिलैया थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले के अनुसंधान को लेकर तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने सबसे पहले संदेह के आधार अपहृत बच्चे के बहनोई सूरज यादव, पिता रामेश्वर यादव साकिन कुरमीडीह थाना जयनगर निवासी को पकड़ा। जिससे पूछताछ में उसने बताया

कि वह अपहृत बच्चे की विधवा मंझली बहन से विवाह करना चाहता था और अभिभावकों पर दबाव बनाने के लिए उसने बच्चों का अपहरण किया।

उसकी निशानदेही पर अपहरण के बाद बच्चे को छिपा कर रखने वाले पिंटू कुमार पिंटु कुमार पिता गुरू चौधरी, घरहरा थाना मोहनपुर जिला गया निवासी और तिलैया थानाक्षेत्र के मोरियामा निवासी संतोष सिन्हा, पिता अलखदेव प्रसाद सिन्हा को भी गिरफ्तार करते हुए उनके पास से बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया।

इस घटना के मुख्य साजिशकर्ता सूरज कुमार अपहर्ता बच्चे की बड़ी बहन का पति है और अपनी विधवा हो चुकी मंझली साली से शादी करने की चाहत रखता था। बहरहाल उसने बच्चे के अपहरण की साजिश अपने दोस्तों के साथ मिलकर की। पिंटु के साथ मिलकर सुरज ने बच्चे का अपहरण किया और उसके बाद अपने मित्र मोरियामा निवासी संतोष सिन्हा के घर पर उसे छिपाकर रखा। एसपी कुमार शिवशीष ने बताया कि मामला दर्ज होने के 24 घंटे के अंदर बच्चे के अपहरण की गुत्थी पुलिस ने सुलझाते हुए बच्चे को सकुशल बरामद किया है और कांड में शामिल सभी आरोपियों को पकड़ लिया है।

उन्होंने बताया कि आरोपितों के बीच फोन पर हुए बातचीत में यह बात सामने आई कि बहनोई समेत अन्य अपहरणकर्ता बात नहीं बनने की स्थिति में बच्चे की हत्या भी कर सकते थे। गनीमत यह रही है कि पुलिस मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर समय रहते बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं : वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा। **ई-निविदा संख्या: 11_2026-27, दिनांक: 28.04.2026। कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल में 24 स्टेशनों पर प्रतीक्षालय तथा टॉयलेट कॉम्प्लेक्स एवं सर्कुलेटिंग एरिया का सुधार। **अनुमानित लागत:** रु. 11,64,97,298.92। **बयाना राशि:** रु. 23,30,000। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 20.05.2026 को दोपहर 2.00 बजे। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान - ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदा दस्तावेज की कीमत और जमा बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये ही स्वीकार किये जाएंगे। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए बयाना राशि के रूप में स्थायी जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-40/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी/हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **वरिष्ठ मंडल अभियंता/मुख्यालय/ हावड़ा के अधीन: क्रम संख्या:** 1। **ई-निविदा संख्या: 21_2026-27, दिनांक 28.04.2026। कार्य का विवरण:** टिकियापाड़ा कोचिंग यार्ड में नए स्टोर डिपो का निर्माण। **अनुमानित लागत:** रु. 1,46,91,484.71। **बयाना राशि:** रु. 2,93,800। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 08 (आठ) महीना। **क्रम संख्या:** 2। **ई-निविदा संख्या: 22_2026-27, दिनांक 28.04.2026। कार्य का विवरण:** सहायक अभियंता/मुख्यालय/हावड़ा के अधीन टिकियापाड़ा कोचिंग कॉम्प्लेक्स, हावड़ा में कोच में पानी देने के लिए निकासी पाइपलाइन की बदली। **अनुमानित लागत:** रु. 92,50,427.79। **बयाना राशि:** रु. 1,85,000। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 06 (छह) महीना। **क्रम संख्या:** 3। **ई-निविदा संख्या: 23_2026-27, दिनांक 28.04.2026। कार्य का विवरण:** सहायक अभियंता/ मुख्यालय/ हावड़ा के अधीन 02 (दो) वर्षों के लिए ईटीपी में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, सेंट्रल पम्पिंग स्टेशन, हावड़ा स्टेशन के लिफ्टिंग स्टेशन का परिचालन एवं रखरखाव तथा अन्य सम्बंधित कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 1,74,58,276.88। **बयाना राशि:** रु. 3,49,200। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 24 (चौबीस) महीना। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 26.05.2026 को दोपहर 2:00 बजे (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान - ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदा दस्तावेज की कीमत एवं जमा बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये स्वीकार किया जायेगा। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में सावधि जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-41/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ईरान-इजरायल युद्ध से भारत में भड़क सकती है महंगाई

अब तो सरकार ने भी मान लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध की तपिश में भारतीय अर्थव्यवस्था भी झुलसेगी। जी हां, केंद्रीय वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत के सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा है। इससे महंगाई भड़कने का जोखिम बढ़ गया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से अप्रैल महीने के

लिए मासिक समीक्षा रिपोर्ट बुधवार को जारी किया गया। इसमें बताया गया है कि पश्चिम एशिया संकट से भारत का सप्लाई चेन बाधित हुआ है। इससे कारोबार और वित्तीय प्रवाह पर जोखिम बढ़ गया है। हालांकि इसमें कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग, नीतिगत समर्थन, सुदृढ़ वित्तीय प्रणाली और सार्वजनिक निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी। इस समय कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के साथ साथ रासायनि खान की सप्लाई को लेकर जो लंबी अनिश्चितता उभरी है, वह देश की वृहद आर्थिक स्थिरता की मजबूती की परीक्षा ले सकती है। इस रिपोर्ट में 'अल नीनो' के प्रभाव का भी जिक्र है। इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई गई है। जिलों में औसत से कम बारिश होने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि 'अल नीनो' एक खास जलवायु स्थिति है, जिसमें प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है, जिससे भारत में मानसून कमजोर पड़ जाता है।

भड़केगी महंगाई, बढ़ेगा घाटा

वित्त मंत्रालय की यह रिपोर्ट कहती है कि इन परिस्थितियों में महंगाई, राजकोषीय घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ने का जोखिम है, जबकि आर्थिक वृद्धि पर दबाव पड़ सकता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूती के साथ कदम रख रहा था और वृद्धि दर 7-7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान था। लेकिन पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बदलाव से यह अनुमान प्रभावित हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस रिपोर्ट में पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति पक्ष से जुड़े झटके की चेतावनी देते हुए कहा गया है कि बढ़ती कीमतों और आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार धीमी होने से मांग में कमी भी चिंता का विषय है। इसके साथ कंपनियों द्वारा बढ़ती लागत को उपभोक्ताओं पर डाले जाने से महंगाई भी बढ़ सकती हैं।

कच्चे तेल के उत्पादन स्तरों को एडजस्ट करके यह समूह अपना प्रभाव डालता है

पाकिस्तान से कर्ज की वापसी, फिर बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी। उसने खाड़ी देशों के ऑयल कार्टेल को हिला कर रख दिया। 1 मई से यूएई ने ओपेक और ओपेक+ समूहों से बाहर निकलने की घोषणा की। यह ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण एनर्जी सप्लाई के रास्ते पहले से ही अस्त-व्यस्त हैं। यूएई के इस कदम से ओपेक समूह ने अपने सबसे बड़े उत्पादकों में से एक को खो दिया है। इससे ग्लोबल तेल सप्लाई और कीमतों पर ओपेक का प्रभाव और भी कमजोर हो गया है। भले लगता हो कि यूएई ने यह कदम अचानक उठाया है। लेकिन, सच यह है कि इसके संकेत वह देने लगा था। पाकिस्तान से लोन की डिमांड को इसी के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। इसका कनेक्शन सऊदी अरब और भारत से भी जुड़ता दिख रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी के एक बयान में कहा गया कि यूएई अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर ओपेक से बाहर निकल जाएगा। यह फैसला देश के लंबे समय के रणनीतिक और आर्थिक

नजरिये और उसकी बदलती एनर्जी प्रोफाइल को दिखता है।

ग्लोबल सप्लाई को कंट्रोल, तेल की कीमतों को सहारा और उत्पादक देशों के हितों की रक्षा करके ऐसा किया जाता है। यूएई के इस फैसले से ओपेक ढांचागत रूप से कमजोर हो सकता है। इससे समूह के लिए सप्लाई को संतुलित करना और कीमतों को स्थिर रखना और भी मुश्किल हो जाएगा। हाल के सालों में ओपेक की ताकत पहले से ही कम हो रही थी। अमेरिका ने कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ा दिया था। इसके अलावा, यूएई कई सालों से इस समूह से अपनी नाराजगी जाहिर कर रहा था। इसकी वजह कार्टेल के उत्पादन कोटे थे। इन्होंने उसे तेल की ज्यादा मात्रा निर्यात करने से रोक रखा था। हालांकि, इस फैसले की असली वजह यूएई और सऊदी अरब के बीच बढ़ता तनाव हो सकता है। राजनीतिक और आर्थिक मामलों को लेकर यूएई और सऊदी अरब के बीच संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे थे। सऊदी अरब ओपेक का सबसे बड़ा उत्पादक है। यूरेशिया ग्रुप में मिडिल ईस्ट के डायरेक्टर फिरास मकसद ने 'द फाइनेंशियल टाइम्स' को बताया कि यूएई को खुद पर पाबंदियां लगाना पसंद नहीं था। खासकर तब जब वह ज्यादा तेल निकालना चाहता था। सऊदी कम तेल निकालने के पक्ष में था। फिरास ने स्न्नज्ञ को बताया कि ये राजनीतिक मतभेद ईरान के खतरे के जवाब में युद्ध को लेकर अलग-अलग रुख अपनाने के कारण सामने आए। उन्होंने कहा, 'यूएई ने अमेरिका और इजरायल का पूरी तरह से साथ दिया। जबकि दूसरे देश अपने विकल्पों का विस्तार कर रहे थे। जोखिम कम करने के उपाय अपना रहे थे।। जब खाड़ी के ये पड़ोसी देश यमन में विरोधी गुटों को समर्थन देने को लेकर आपस में विवाद में उलझ गए तो उनके संबंध और भी ज्यादा तनावपूर्ण हो गए।

फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी बेंचमार्क ब्याज दर को जस का तस रखा। यानी इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया। 2026 में केंद्रीय बैंक ने लगातार तीसरी बार ऐसा किया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था ईरान युद्ध और नौकरियों में रुक-रुककर हो रही बढ़ोतरी के कारण बढ़ती महंगाई से जूझ रही है। फेड ने फेडरल फंड्स रेट को उसकी मौजूदा सीमा 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत पर ही बनाए रखा। यह वह दर है जो बैंक शॉर्ट-टर्म लोन के लिए वसूलते हैं। दरों को स्थिर रखने के इस फैसले की निवेशकों को पहले से ही काफी उम्मीद थी। टूल ने शत-प्रतिशत संभावना जताई थी कि अधिकारी मौजूदा दर को ही बनाए रखेंगे। आज की बैठक फेड चेयरमैन के तौर पर जेरोम पॉवेल की आखिरी बैठक थी। इस पद पर आठ साल बिताने के बाद 15 मई को उनका कार्यकाल समाप्त होने वाला है। कमेटी ने केविन वॉर्श के नामांकन को आगे बढ़ाने के लिए वोट किया। उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेड का नेतृत्व करने के लिए चुना है। इससे वह अगले महीने पॉवेल की जगह लेने के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं। वॉर्श को एक ऐसे फेडरल रिजर्व की कमान संभालनी होगी जो कई तरह के दबावों का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की बार-बार ब्याज दरें कम करने की मांगों से लेकर महंगाई के उन आंकड़ों तक, जो पिछले महीने लगभग दो साल के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए थे।

एमसीएक्स पर बढ़ गई सोने-चांदी की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। आज का दिन बाजार में लिए काफी उथल-पुथल वाला रहा। शेयर मार्केट में जहां बड़ी गिरावट आई तो वहीं कच्चे तेल का भाव 120 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया। सोने-चांदी में भी तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को सुबह-सुबह दोनों धातुओं में तेजी आई। वहीं गुडरिटर्न्स के मुताबिक सोने का भाव चढ़ गया, जबकि चांदी में बड़ी गिरावट आई।

एमसीएक्स पर गुरुवार सुबह 10 बजे जून डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 74 रुपये की बढ़त के साथ 1,49,124 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी में 1000 रुपये से ज्यादा की तेजी आई। मई डिलीवरी वाली चांदी प्रति किलो 1290 रुपये बढ़कर 2,34,490 रुपये पर थी। गुडरिटर्न्स के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार सुबह 24-कैरेट सोना 220 रुपये की तेजी के साथ 1,50,660 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। दूसरी ओर चांदी 5000 रुपये गिरकर 2.50 लाख रुपये प्रति किलो पर थी। बुधवार देर रात सोना और चांदी नुकसान के साथ कारोबार कर रहे थे।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को बीते सत्र में बाजार बंद होने तक राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 2,44,500 रुपये प्रति किलो (सभी टैक्स सहित) हो गई। मंगलवार को यह 2,44,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। इसके उलट 24-कैरेट वाले सोने के दाम 1,500 रुपये यानी एक फीसदी गिरकर 1,52,800 रुपये (सभी टैक्स सहित) प्रति 10 ग्राम रह गया। इसके पहले वाले सत्र में सोने की

कीमत 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। वहीं इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को बाजार बंद होने के समय 24-कैरेट सोने की कीमत 1,47,970 रुपये प्रति 10 ग्राम (3 प्रतिशत जीएसटी और मेकिंग चार्ज के बिना) थी। 22-कैरेट सोने के दाम 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम थे। डॉलर इंडेक्स, कच्चा तेल और अमेरिका-ईरान तनाव के कारण बाजार में अभी काफी अस्थिरता बनी रहेगी। निवेशकों को नई पोजीशन लेने से पहले बाजार के स्थिर होने का इंतजार करना चाहिए। सर्राफा कारोबारियों ने पश्चिम एशिया में तनाव के कारण ऊर्जा की बढ़ती लागत पर गौर किया। इससे महंगाई ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती है। केंद्रीय बैंकों को लंबे समय तक अपनी नीतियां सख्त बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने-चांदी का हाल

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गुरुवार को सोना और चांदी में मिला-जुला रुख देखने को मिला। वैश्विक बाजार में हाजिर सोना 0.7 प्रतिशत बढ़कर 4,573.09 डॉलर प्रति औंस पर रहा। वहीं चांदी 1.6 प्रतिशत बढ़कर 72.63 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

भारत में बढ़ी सोने की सालाना मांग

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान भारत में सोने की मांग सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 151 टन पर पहुंच गई।

पूरी तरह एथेनॉल से ही दौड़ेंगी गाड़ियां!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब पेट्रोल-डीजल के बाद वाले नए दौर में प्रवेश करने जा रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने गाड़ियों के प्रदूषण से जुड़े नियमों में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इन बदलावों का उद्देश्य इ85 और इ100 (पूरी तरह एथेनॉल) जैसे ईंधनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, इसमें बी100 बायो-डीजल और हाइड्रोजन-सीएनजी के इस्तेमाल का भी प्रावधान किया गया है। भारत ने 2025 तक पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

क्यों है यह अहम

देश अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल बाहर से खरीदता है, जिस पर हर साल लाखों-करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। गन्ना, अनाज और खेती के कचरे से बनने वाला एथेनॉल भारत के उस बड़े लक्ष्य में फिट बैठता है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण इलाकों में आमदनी बढ़े। सबसे बड़ी चिंता माइलेज को लेकर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एथेनॉल वाली गाड़ियों में माइलेज थोड़ा कम हो सकता है, जो समय के साथ ग्राहकों की जेब पर भारी पड़

सकता है। इसके अलावा, इतनी बड़ी मात्रा में एथेनॉल बनाने के लिए खेती, जमीन और पानी की जरूरत होगी। इससे खाद-पानी और फूड सिक्योरिटी पर असर पड़ सकता है। गन्ना, जिससे सबसे ज्यादा एथेनॉल बनता है, उसे बहुत ज्यादा पानी की जरूरत होती है। पुराने वाहनों के साथ तालमेल बिठाना भी मुश्किल होगा। पुरानी गाड़ियां नए ईंधन के लिए शायद फिट न हों, जिससे बाजार दो हिस्सों में बंट सकता है। पेट्रोल पंपों पर ईंधन के विकल्प बढ़ जाएंगे और ग्राहकों को गाड़ी खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना होगा कि उनकी गाड़ी कौन से ईंधन पर चलेगी।

पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में मदद मिले।

क्या है ई 85 और ई100 ईंधन

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने ई 85 और ई 100 जैसे उच्च एथेनॉल-मिश्रित ईंधन को पेश करने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए 27 अप्रैल 2026 को एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया गया है, केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन के सुझाव दिए गए हैं।

क्यों जरूरी है यह कदम

भारत ने साल 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। अब सरकार का उद्देश्य एथेनॉल के उपयोग को और भी अधिक बढ़ाना है। इसके निम्न कारण हैं: कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम हो सके। राजनीतिक तनावों के बीच विदेशी मुद्रा की बचत हो सके।

दिल्ली में घुसते ही कटेगी 4000 तक की रसीद, प्रदूषण कम करने के लिए कमर्शियल गाड़ियों पर बड़ा एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अब दिल्ली में आने वाली कमर्शियल गाड़ियों को अधिक शुल्क देना होगा। दिल्ली में आने के लिए पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) में इजाफा कर दिया गया है। विभिन्न कैटिगरी की कमर्शियल गाड़ियों पर 600 से 1400 रुपये का शुल्क बढ़ाया गया है। अब हर साल ईसीसी की दरों में पांच फीसदी का इजाफा होगा। यह नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया और नया नियम लागू हो गया है। फरवरी के दौरान सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सीएक्यूएम ने सुझाव दिया था। इसमें कहा गया था ईसीसी काफी समय से नहीं बढ़ा है। इसके चलते कई कमर्शियल गाड़ियां अब वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की बजाय दिल्ली के रास्ते का इस्तेमाल कर रही हैं। ईसीसी शुल्क बढ़ने का असर लोगों की जेब पर पड़ सकता है। कैटेगरी 2 (हल्की कमर्शियल गाड़ियां) और कैटेगरी 3 (दो एक्सल ट्रक) का ईसीसी

1400 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दिया गया है। कैटेगरी 4 (तीन एक्सल ट्रक) और कैटेगरी 5 (चार या अधिक एक्सल ट्रक) का ईसीसी 2600 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये कर दिया गया है। संशोधित ईसीसी केवल राजस्व बढ़ाने का उपाय नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत पर्यावरणीय रोक है। इसका मकसद खासतौर पर डीजल से चलने वाले प्रदूषण फैलाने वाले कमर्शियल गाड़ियों की अनावश्यक एंट्री कम करना है। फरवरी 2025 तक एक खाली टू-एक्सल ट्रक को दिल्ली में एंट्री के लिए एमसीडी और ईसीसी (एनवायरनमेंट कंपनसेशन चार्ज) मिलाकर 700 रुपये देने होते हैं। वहीं इस ट्रक को ईस्टर्न एक्सप्रेसवे पर 1005 और वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर 945 रुपये का टोल टैक्स देना होता है। अब नई दरों के बाद यह अंतर मिट जाएगा।

60 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए वेदांता के शेयर

वेदांता ग्रुप की 4 कंपनियों की लिस्टिंग कब

नईदिल्ली, एजेंसी। वेदांता के शेयरों में तगड़ी गिरावट दिख रही है। वेदांता के शेयर गुरुवार को ह्स्ध्र में स्पेशल प्री-ओपन सेशन में 62 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 289.50 रुपये पर ओपन हुए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को ह्स्ध्र पर 773.60 रुपये पर बंद हुए थे। स्पेशल प्री-ओपन सेशन में

वेदांता के शेयर 62 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 290.50 रुपये पर ओपन हुए। कंपनी के शेयर बुधवार को में 773.25 रुपये पर बंद हुए थे। वेदांता लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार को तेज गिरावट नहीं आई, बल्कि वेदांता के शेयर एक्स-डीमर्जर पर ट्रेड कर रहे हैं। वेदांता ने अपना कारोबार बांटने (डीमर्जर) की रिकॉर्ड डेट 1 मई 2026 तय की है। लेकिन, शुक्रवार 1 मई को शेयर बाजार बंद है, इस वजह से वेदांता के शेयर गुरुवार को ही एक्स-डीमर्जर पर कारोबार कर रहे हैं। डीमर्जर के बाद प्राइस एडजस्टमेंट करने के लिए और दोनों एक्सचेंजों पर गुरुवार को सुबह 9:15 बजे से 9:45 बजे तक स्पेशल प्री-ओपन सेशन चला।

और लुढ़क गए वेदांता के शेयर

डीमर्जर के प्राइस एडजस्टमेंट के बाद वेदांता के शेयर और लुढ़क गए। वेदांता के शेयर ह्स्ध्र पर टूटकर 271.50 रुपये पर जा पहुंचे। कंपनी के शेयर में भी 271.50 रुपये पर पहुंच गए। डीमर्जर के बाद वेदांता का मार्केट कैप 1,10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

वेदांता लिमिटेड के हर 1 शेयर पर योग्य शेयरधारकों को 4 और शेयर मिलेंगे। ये चार शेयर वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड तलवंडी साबो पावर लिमिटेड माल्को एनर्जी और वेदांता आयरन एंड स्टील के होंगे। फिलहाल, वेदांता लिमिटेड ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि इन 4 कंपनियों की लिस्टिंग कब होगी। तलवंडी साबो पावर लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता पावर लिमिटेड और माल्को एनर्जी लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड किया जाएगा। वेदांता लिमिटेड का कंसॉलिडेटेड मुनाफा चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 89 पर्सेंट बढ़ा है। वेदांता को चौथी तिमाही में 9352 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है।

13 साल की कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर लिया रिस्क, पलटी किस्मत, बन गए करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। अरुण श्रीनिवास बेंगलुरु के रहने वाले हैं। उन्होंने इन्वेस्टमेंट बैंकर से करोड़पति किसान तक का सफर तय किया है। उन्होंने एयर-कंडीशंड ऑफिस की सुख-सुविधाओं को छोड़कर खेती की अनिश्चितताओं को गले लगाने का रिस्क लिया। 2021 में उन्होंने 'चनास्या एग्री फार्म' की नींव रखी। चनास्या उनकी बेटी का नाम है। आज यह फार्म करोड़ों के टर्नओवर वाले सफल व्यवसाय में बदल चुका है। अरुण ने ड्रैगन फ्रूट (जम्बो रेड वैरायटी) को मुख्य फसल चुना। इसी ने उनकी किस्मत पलट दी। आइए, यहां अरुण श्रीनिवास की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अरुण श्रीनिवास बेंगलुरु में पले-बढ़े। पिता मैकेनिकल इंडस्ट्री में काम करते थे। मां गृहिणी थीं। अरुण का करियर इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और फाइनेंस के इर्द-गिर्द था। उन्होंने 2011 में एम.एस. रमैया कॉलेज से फाइनेंस में बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट पूरा किया। फिर ओकेवेन फाइनेंशियल सॉल्यूशंस में अपने कॉर्पोरेट करियर की शुरुआत की। उन्होंने नॉर्दर्न ट्रस्ट और स्टेट स्ट्रीट कॉर्पोरेशन जैसे बड़े संस्थानों में भी काम किया। उनकी जिंदगी एक तय रूटीन और निश्चित सैलरी के बीच सुरक्षित थी।

हालांकि, 2021 में कोरोना महामारी के दौरान जब वह अपने परिवार के साथ कर्नाटक के हिरियूर स्थित पैतृक भूमि पर रहने आए तो उन्होंने प्रकृति के करीब होने के स्वास्थ्य लाभों को महसूस किया। यहीं से उनके मन में अपनी 11 एकड़ जमीन को व्यवस्थित बिजनेस मॉडल में बदलने का आइडिया आया। इसी के बाद उन्होंने बड़ा रिस्क लेकर अपनी लाखों की नौकरी को अलविदा कह दिया। फाइनेंस बैकग्राउंड से होने के कारण अरुण के लिए खेती का रास्ता आसान नहीं था। उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई के लाखों रुपये इस प्रोजेक्ट में निवेश किए। लेकिन, स्थानीय स्तर पर उन्हें काफी विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीणों ने उन्हें एक 'बाहरी' व्यक्ति की तरह देखा। उनके काम में बाधाएं पैदा कीं। एक समय ऐसा भी आया जब अरुण को अपने फैसले पर शक होने लगा। वह ऑफिस की सुविधाओं को याद करने लगे। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी। खेती को एक जुए के बजाय सिस्टम की तरह देखने का फैसला किया।

आत्मनिर्भर मॉडल ने किया कमाल

अरुण ने पारंपरिक खेती के बजाय वैज्ञानिक पद्धति अपनाई। उन्होंने मिट्टी के श्व ॥ लेवल और पानी की क्वालिटी की जांच की। ड्रैगन फ्रूट (जम्बो रेड वैरायटी) को मुख्य फसल चुना। उन्होंने किसी बैंक लोन के बजाय एक आत्मनिर्भर मॉडल बनाया। इसमें मुर्गी पालन और अन्य छोटी फसलों से होने वाली आय का इस्तेमाल मुख्य फसल की खाद और मजदूरी के लिए किया जाता है। उनके फार्म को 'स्मार्ट फार्म' बना दिया।

बॉलीवुड में खुद को अच्छा एक्टर बताने के लिए देने होते हैं पैसे

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंडस्ट्री में होने वाले पेड पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड पीआर कल्चर को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए।

हाल ही में एक चर्चा में करण जौहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट ने जाह्नवी कपूर और शनाया कपूर जैसी अभिनेत्रियों द्वारा अपनी हालिया फिल्मों 'परम सुंदरी' और 'तू या मैं' के लिए 'मेथड मार्केटिंग' करने का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या पीआर का यह चलन बॉलीवुड में भी फैल सकता है?

इस पर करण ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि बॉलीवुड को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खूबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। अगर आपको यह कहना है कि आप धरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए।

यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है

इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अब हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सच में इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'

चित्रांगदा ने सलमान खान के ऑन सेट व्यवहार का किया खुलासा; झूठी अफवाहों को किया खारिज

सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज फिलहाल टल गई है। इसी वजह से फिल्म कई दिनों से चर्चाओं में बनी हुई है। लेकिन फिल्म के टॉपिक को देखते हुए इसे स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज करने की खबरें सामने आ रही हैं। अब एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने सलमान खान को लेकर कुछ बड़े खुलासे किए हैं। जानिए उन्होंने क्या कहा।

सलमान के साथ काम करने के अनुभव को किया शेयर

सलमान के साथ काम करने को लेकर चित्रांगदा ने कहा, 'फिल्म बहुत मेहनत से बनाई है, दिल से बनाई है। लोग सलमान के बारे में बहुत बातें करते हैं कि वो ऐसे हैं, वैसे हैं। मुझे भी इस बारे में काफी अफवाहें मिली थी। जैसे मुझे उन सब चीजों के लिए तैयार रहना होगा अगर सलमान समय पर न आएं या शूटिंग का शेड्यूल बढ़ जाए।'

वो बहुत ही सहज और मिलनसार इंसान हैं

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन असल में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। मैंने पहले से ही खुद को तैयार कर लिया था क्योंकि इतने लोगों से ये अफवाह सुनी थी कि वो अनप्रोफेशनल हैं... लेकिन इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। वो बहुत ही सहज और मिलनसार इंसान हैं। उनकी एक खास बात है कि वो सेट पर सबसे कम नजर आने वाले इंसान का भी ख्याल रखते हैं, चाहे वो लाइटमैन हो या चौथा एडी। वो पूछते हैं कि उन्होंने ब्रेक लिया या नहीं, समय पर खाना खाया या नहीं, उनके साथ कैसा व्यवहार हो रहा है। इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद भी उनमें ये चिंता होना वाकई कमाल की बात है।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' कथित तौर पर 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के आसपास रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को आने वाली थी, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म में उनके साथ चित्रांगदा भी नजर आएंगी।

फिर साथ आ रही सिंगर मिथुन और मोहित सूरी की जोड़ी!

बॉलीवुड की शानदार जोड़ी मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन, डायरेक्टर मोहित सूरी एक बार फिर साथ आने वाले हैं। मोहित सूरी अपनी ब्लॉकबस्टर सैयारा के बाद एक बार फिर अपनी अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अहान पांडे और अनीत पड्डा की अपकमिंग लव स्टोरी है, जिसमें इमोशन्स और म्यूजिक दोनों का खास तड़का होगा। 'सैयारा' की सफलता के बाद यह टीम फिर से साथ आई है। इस नई फिल्म को भी एक इमोशनल और म्यूजिकल लव स्टोरी के तौर पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें गानों का काफी अहम रोल होगा।

हिट है मोहित और मिथुन की जोड़ी

खास बात यह है कि मिथुन पहले भी मोहित सूरी के साथ कई हिट गाने दे चुके हैं, और उनकी जोड़ी को म्यूजिक और रोमांस के लिए काफी पसंद किया जाता है। फिल्म को यश राज फिल्म्स प्रोड्यूस कर रहा है, जो इस नई जोड़ी को बड़े स्तर पर पेश करने की तैयारी में है। सीधी बात करें तो, अगर आप दिल छू लेने वाली लव स्टोरी और शानदार म्यूजिक पसंद करते हैं, तो यह फिल्म आपके लिए खास होने वाली है।

'आशिकी 2' के री-रिलीज पर क्या बोलीं श्रद्धा कपूर?

फिल्म 'आशिकी 2' 2013 में रिलीज हुई थी। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आए थे। ऑन स्क्रीन इस जोड़ी को लोगों से काफी प्यार मिला था, और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। अब श्रद्धा का एक पुराना वीडियो फिर से चर्चाओं में आ गया है, जिसमें वे इस फिल्म के री-रिलीज का जिक्र करती नजर आ रहीं हैं। फैंस ने की फिल्म की री-रिलीज की डिमांड बॉलीवुड फैंस के बीच एक बार फिर नॉस्टैल्जिया की लहर दौड़ पड़ी है, और इस बार वजह बनी है एक ऐसी लव स्टोरी, जिसे लोग आज भी नहीं भूले हैं, वो है 'आशिकी 2।' दरअसल, श्रद्धा कपूर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो रहा है, जिसने फैंस के बीच नई चर्चा छेड़ दी है। यह वीडियो उनके एक पुराने इंस्टाग्राम 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन का है, जहां एक फैन ने फिल्म को दोबारा थिएटर्स में रिलीज करने की बात कही थी।

मैं खुद इसे दोबारा बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूं

इस पर श्रद्धा ने जवाब देते हुए कहा था, 'मुझे लगता है ये बहुत ही ब्रिलियंट आइडिया है। मैं प्रोड्यूसर्स को ये जरूर सजेस्ट करूंगी, क्योंकि मैं खुद भी इसे दोबारा बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूं।'

ओटीटी पर नहीं है फिल्म

दिलचस्प बात ये है कि 'आशिकी 2' फिलहाल किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है, जिससे इसकी थिएटर में दोबारा रिलीज की डिमांड और भी बढ़ गई है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इसे दोबारा सिनेमाघरों में लाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अपनी अगली फिल्म में अहान पांडे को कास्ट कर सकते हैं आर्यन खान?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं?

क्या साथ काम करेंगे अहान और आर्यन?

अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और गहरा रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अपने माता-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए?

क्या साथ काम करेंगे आर्यन और अहान?

जब अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरी की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी। वहीं, आर्यन खान ने अपनी पहली सीरीज की सफलता के बाद अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट का एलान नहीं किया है।

हमारी शादी में गौरव और मैं बराबर हैं

टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम कर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने -माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस मुलाकात में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होम मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

दोस्ती शादी को सरल बनाती है

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मंजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूं। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने वैल्यूज को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत सारी चीजें साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम इंडिविजुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन्स के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंच में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिस वक्त वे घर पर होते हैं, वे देख लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेडिशनली डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूं, जिन दिनों मैं घर पर होती हूं। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। गौरव भी सामान रूप से पार्टिसिपेट करते हैं।'

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंस्टिट्यूशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे कभी हलके में नहीं लिया। चूंकि मैं शादी की अहमियत को समझती हूं, तो मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनौतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आईं कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जर्नी तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नागराज मंजुले जी की पहली सीरीज है। अपनी ओटीटी की जर्नी को लेकर मैं बहुत खुश हूं।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकौल कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूं, पर इस रोल में सिक्टीज के लुक में सजने - संवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खूब आया, मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर्स का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाना पड़ता है। उस पर मैंने हैट भी पहनी थी और हाथों में ग्लब्ज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।

आईपीएल 2026

रिकेल्टन बने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज

मुंबई। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ बुधवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए महज 44 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी के साथ रिकेल्टन एमआई की तरफ से सबसे तेज आईपीएल शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस लिस्ट में सनथ जयसूर्या संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं। जयसूर्या ने साल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विरुद्ध 45 गेंदों में शतक लगाया था। इसके बाद आईपीएल 2026 में तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ इतनी ही गेंदों पर अपना शतक पूरा किया था। कैमरून ग्रीन इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 47 गेंदों में शतक पूरा किया था। सूर्यकुमार यादव (49 गेंदें) इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था। वानखेड़े स्टेडियम में एसआरएच के विरुद्ध बाएं हाथ के बल्लेबाज रिकेल्टन ने 55 गेंदों में नाबाद 123 रन की पारी खेली। इस दौरान 10 चौके और 8 छक्के लगाए।

इस पारी में रिकेल्टन ने 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो एमआई की तरफ से संयुक्त रूप से सातवां सबसे तेज अर्धशतक है। मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक का रिकॉर्ड ईशान किशन के नाम पर है, जिन्होंने 8 अक्टूबर 2021 को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ महज 16 गेंदों में इस आंकड़े को छुआ था। इससे पहले रयान रिकेल्टन 29 मार्च 2026 को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 24 गेंदों में अर्धशतक लगा चुके थे।

वानखेड़े स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट खोकर 243 रन बनाए। इस टीम के लिए रिकेल्टन (नाबाद 123) के अलावा, विल जैक्स ने 22 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 46 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान हार्दिक पांड्या ने 31 रन, जबकि नमन धीर ने 22 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से प्रफुल हिंगे ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए।

रोहित शर्मा बर्थडेः आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने

'हिटमैन' को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने अपना 39वां जन्मदिन मनाया। भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाजों में से एक रोहित को आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का विजेता बनाने वाले रोहित शर्मा गुरुवार को अपना 39वां जन्मदिन मनाया। भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाजों में से एक रोहित को आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई के राजा और एकमात्र हिटमैन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने लिखा, 'दो आईसीसी ट्रॉफी, एक हिटमैन। जन्मदिन मुबारक हो, रोहित शर्मा। ' रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक्स पर लिखा, 'अरे, आज है ना, हिटमैन का वो है। उस आदमी को जन्मदिन की बधाई जो बल्लेबाजी को आसान बनाता है और क्रिकेट को और मजेदार बनाता है। हिट करते रहो, रो-हिट शर्मा। ' राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने रोहित शर्मा के साथ रवींद्र जडेजा की दो तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने अपने एक्स पर दो तस्वीरें साझा करते हुए को जन्मदिन की बधाई दी है। एक तस्वीर टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली है और दूसरी तस्वीर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद की है। चैंपियंस ट्रॉफी वाली तस्वीर में रोहित के साथ जीटी के कप्तान शुभमन गिल भी हैं।

जीटी ने कैप्शन में लिखा, 'आपको सुपर-हिट जन्मदिन की शुभकामनाएं, रोहित। ' दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने अपने कप्तान अक्षर पटेल के साथ रोहित शर्मा की तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने रोहित शर्मा की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, 'खुशी, रन और दिल एक साथ खींच रहे हैं। जन्मदिन मुबारक हो, रोहित शर्मा। ' लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने रोहित शर्मा की टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, 'ये, वो और एक ही रो, जन्मदिन मुबारक हो हिटमैन। '

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने लिखा, 'रिकॉर्ड। तारीफ। भारतीय क्रिकेट के एक सच्चे लीजेंड। जन्मदिन मुबारक हो, हिटमैन। ' पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने एक्स पर एक वीडियो साझा की है। इसमें रोहित शर्मा टीम के खिलाड़ियों से मिलते हुए दिख रहे हैं। पंजाब ने कैप्शन में लिखा, 'रोहित के जन्मदिन पर क्या बोलेंगे? हैपी बर्थ डे हिटमैन। ' भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी रोहित शर्मा को जन्मदिन पर बधाई दी है।

यूईएफए चैंपियंस लीग

एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

मैड्रिड। यूईएफए चैंपियंस लीग 2026 के सेमीफाइनल के पहले लेग में स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1–1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। फाइनल का टिकट कटाने के लिए अगले सप्ताह दोनों टीमें लंदन में एक–दूसरे के सामने होंगी। मैच में दोनों गोल पेनल्टी से आए। आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से हस्तक्षेप के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का मौका नहीं मिल सका, जो शायद मैच का परिणाम बदल सकता था। एटलेटिको मैड्रिड ने अपने घरेलू मैदान पर मजबूत शुरुआत की। टीम ने लेफ्ट विंग पर एडेमोला लुकमैन और गोलपोस्ट के

नीचे जान ओब्लाक को उतारा, जबकि मिडफील्ड में पाब्लो बैरियोस की गैरमौजूदगी में जॉनी कार्डोसो ने जिम्मेदारी संभाली। दूसरी ओर, आर्सेनल के लिए एबेरेची एजे और बुकायो साका पूरी तरह फिट नहीं थे और उन्हें बेंच पर रखा गया। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमें सतर्क नजर आईं और किसी भी तरह की रक्षात्मक गलती से बचने की कोशिश करती रहीं। आर्सेनल के नोनी मादुके ने दाईं ओर से शानदार दौड़ लगाकर पहला मौका बनाया, जबकि गोलकीपर डेविड राया ने गिउलिआनो शिमोन के प्रयास को नाकाम कर दिया।

पहले हाफ के अंतिम मिनट में आर्सेनल को पेनल्टी मिली, जब विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको ने बॉक्स के अंदर धक्का दिया। ग्योकेरेस ने खुद ही पेनल्टी लेकर टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको ने वापसी कर ली। 56वें मिनट में बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद वीएआर की मदद से एटलेटिको को पेनल्टी मिली, जिसे जूलियन अल्वारेज ने गोल में बदलकर स्कोर 1–1 कर दिया।

78वें मिनट में आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद जगी, लेकिन वीएआर ने रेफरी के फैसले को पलट दिया।

रियान पर 'वेपिंग' के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया

डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रियान पराग पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में ड्रेसिंग रूम के अंदर वेप का इस्तेमाल करते दिखे थे। गुरुवार को आईपीएल की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि पराग ने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने की बात मान ली है, जिसमें 'ऐसा व्यवहार जिससे खेल की बदनामी हो' शामिल है। आईपीएल की ओर से बयान में आगे कहा गया, 'यह घटना पंजाब किंग्स-आरआर मैच के दौरान आरआर की बल्लेबाजी के दौरान हुई। रियान को ड्रेसिंग रूम के अंदर वेप का इस्तेमाल करते देखा गया था। रियान ने गलती मान ली और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा लगाई गई सजा को मान लिया। '

ऐसा माना जाता है कि पराग के वेप इस्तेमाल करने के विजुअल अधिकारियों के ध्यान में आने के बाद, ऑन-फील्ड अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच रेफरी शर्मा को मामले की जानकारी दी। आईपीएल के कोड में वेपिंग का साफ तौर पर जिक्र नहीं है, लेकिन ड्रेसिंग रूम और खिलाड़ियों के जगह पर डेकोरम बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

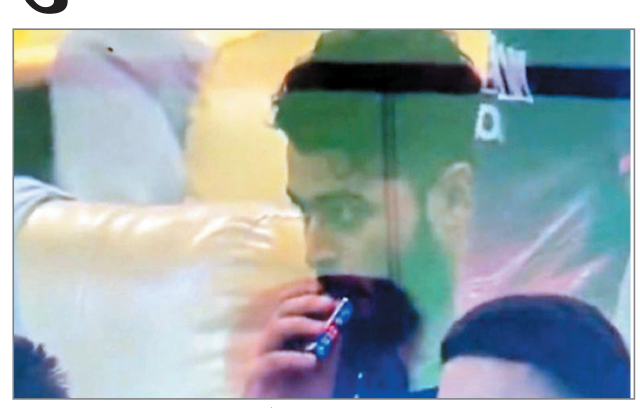

बयान में यह भी कहा गया है कि आरआर पर सख्त एक्शन लेने की भी तैयारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के लिए दूसरे विकल्प भी देख रहा है ताकि आईपीएल की प्रतिष्ठा बनी रहे।

आईपीएल के आर्टिकल 2.21 का मकसद ऐसे सभी तरह के कामों को देखना है जिनसे खेल की बदनामी होती है।

मार्टा कोस्त्युक ने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई

मैड्रिड। मार्टा कोस्त्युक ने चेक गणराज्य की 13वीं सीड लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ 7-6(1), 6-0 से जीत हासिल करते हुए अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेनी खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में जगह बनाने के लिए लकी लूजर अनास्तासिया पोटापोवा से भिड़ेंगी। कोस्त्युक डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर पोटापोवा के खिलाफ 2-2 से बराबर हैं, लेकिन उन्होंने अपने पिछले दो मैच सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में उनका सबसे हालिया मैच भी शामिल है। दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट का मुकाबला होगा। पहले सेट में कुल मिलाकर आठ सर्व ब्रेक हुए। दोनों खिलाड़ियों को मनोलो सैंटाना स्टेडियम के ठंडे तापमान में सर्व पर संघर्ष करते देखा गया। कोस्त्युक ने ब्रेकर में शानदार खेल दिखाया और उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

18वें सीजन में बना रिकॉर्ड टूटा

आईपीएल 2026 में बना नया कीर्तिमान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में बल्लेबाजी ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जहां पहली पारी में बना बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रह गया है। आईपीएल 2026 में तो 200 या उससे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का नया रिकॉर्ड बन गया है। आईपीएल 2026 में 29 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। एमआई पहली पारी में 243 रन बनाकर भी हार गई। इसके पहले अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को 264 रन बनाने के बावजूद पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। ये दो मैच बस उदाहरण हैं। आईपीएल 2026 में ऐसा 10 बार हुआ है जब दूसरी पारी में 200 या उससे ज्यादा का लक्ष्य हासिल करते हुए टीमों ने जीत हासिल की है। यह आईपीएल का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी भी सीजन में 10 बार 200 या उससे अधिक का लक्ष्य

हासिल नहीं हुआ था। आईपीएल 2026 का लगभग आधा सीजन बाकी है। ऐसे में 200 या उससे बड़े लक्ष्य को हासिल करने वाली संख्या बढ़ती सकती है। पुराना रिकॉर्ड 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में बना था, जब टीमों ने 9 बार 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल किया था।

आईपीएल 2026 में 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल करने वाली टीमों में आरसीबी (2 बार), मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स (3 बार), राजस्थान रॉयल्स (2 बार), और एसआरएच (2 बार) का नाम शामिल है।

आईपीएल में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम है। पंजाब ने इसी साल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 का लक्ष्य हासिल किया है, जो आईपीएल का रिकॉर्ड है। दूसरे नंबर पर भी पंजाब ही है।

आईपीएल 2026: शतक जीत की गारंटी नहीं

5 बल्लेबाजों की शतकीय पारी के बाद भी टीम हारी

नई दिल्ली। टी20 में शतक लगाना बड़ी उपलब्धि माना जाता है। किसी बल्लेबाज ने अगर टी20 मुकाबले में शतक लगा दिया, तो उसकी टीम की जीत सुनिश्चित मानी जाती है, लेकिन आईपीएल 2026 में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। इस सीजन में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की टीमें जीती हैं, लेकिन ऐसे बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है जिनके शतक उनकी टीम को जीत नहीं दिला सके। आईपीएल 2026 में 29 अप्रैल तक 41 मैच खेले गए। इन 41 मैचों में 9 शतकीय पारियां आई हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 2, सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 1, मुंबई इंडियंस के तीन बल्लेबाजों तिलक वर्मा, क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन ने 1-1, दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल ने 1, गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 1 और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने 1 शतक लगाया है। कुल 9 शतकों में सिर्फ 4 बार ही ऐसा हुआ है जब टीमें जीती हैं। 5 बार शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की टीम हारी है।

सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने सीजन में 2 शतक (दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस) लगाए हैं। दोनों मैचों में सीएसके को जीत मिली है। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाया था। मुंबई को इस मैच में जीत मिली थी। सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाया था और इस मैच में उनकी टीम को जीत मिली थी।

मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने पंजाब किंग्स और रयान रिकल्टन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया था, लेकिन दोनों ही मैचों में मुंबई इंडियंस को हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की श्रेष्ठ पारी (152 रन) खेली थी, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली गई यह पारी डीसी के काम नहीं आई और टीम को रिकॉर्ड हार का सामना करना पड़ा। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आरसीबी के

खिलाफ शतक लगाया, लेकिन उनकी टीम हारी। क्रिकेट की दुनिया में सेनसेशन बन चुके राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने एसआरएच के खिलाफ शतक लगाया था, लेकिन उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के द्वारका में बड़ा हादसा, गोल्फ कोर्स के तालाब में डूबने से 3 बच्चों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका गोल्फ कोर्स में तीन बच्चों के शव मिलने से सनसनी

फैल गई। पुलिस की शुरुआती जांच में चारदीवारी कूदकर प्रवेश करने व डूबकर मरने की बात सामने आई है। डीसीपी द्वारका के अनुसार, आज सुबह करीब 7 :07 बजे पीएस सेक्टर–23 द्वारका को सेक्टर 24 गोल्फ कोर्स के एक तालाब में तीन बच्चों के डूबने की सूचना एक पीसीआर से मिली। सूचना मिलते ही एसएचओ अपने स्टाफ के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके अलावा सभी एजेंसियों को भी तुरंत सूचित किया गया। वहीं, घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि लगभग 8 से 10 साल के तीन बच्चे तालाब में डूबे हुए थे। फायर ब्रिगेड की मदद से तीनों बच्चों को पानी से निकाला गया। उनके कपड़े तालाब के बाहर मिले। शक है कि बच्चे वहां नहाने गए थे और गलती से डूब गए। बच्चों की पहचान की जा रही है। अभी तक कोई गुमशुदा जानकारी नहीं मिली है। जांच कर रही पुलिस ने बताया कि वे बच्चों की पहचान करने और उनके परिवारों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अभी तक इलाके में मरने वालों के हुलिए से मिलती–जुलती कोई गुमशुदगी की शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके से सबूत इकट्ठा करने के लिए फोरेंसिक टीमों को भी बुलाया गया है। पुलिस ने कहा कि डूबने के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

दिल्ली में ई-रिक्शा पंजीकरण नियम बदला, चालकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। चालक के साथ उनके वाहन के हितों की रक्षा के लिए दिल्ली परिवहन

विभाग ने पूर्प की सरकार के समय का अपना 21 अप्रैल, 2022 वाला वह सर्कुलर वापस ले लिया है, जिसके तहत कंपनियों और फर्मों को अपने नाम पर कई ई–कार्ट और ई–रिक्शा पंजीकृत कराने की अनुमति थी। दिल्ली सरकार ने कहा है कि यह संशोधित निर्णय यह सुनिश्चित करता है कि ई–रिक्शा रजिस्ट्रेशन के फायदे राजधानी दिल्ली के ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच अधिक व्यापक रूप से पहुंचे। कुछ ही कंपनियों या फर्मों के हाथों में मालिकाना हक जमा होने को रोककर, सरकार का मकसद स्वरोजगार को बढ़ावा देना, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के शोषण को कम करना और उन व्यक्तिगत चालकों की आजीविका के आधार को मजबूत करना चाहती है, जो शहर की 'लास्ट–माइल कनेक्टिविटी' (आखिरी छोर तक पहुंचने की सुविधा) की रीढ़ हैं। इस पहल पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए परिवहन मंत्री डा पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हमारा यह निर्णय समान आजीविका के अवसरों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करता है। वाहन को व्यक्तिगत चालक के हाथों में वापस देकर हम स्वरोजगार को बेहद सशक्त बना रहे हैं और दिल्ली की लास्ट–माइल कनेक्टिविटी की रीढ़ की रक्षा कर रहे हैं।

रेलवे लाइन के नीचे अंडरपास बनाकर ट्रैफिक सुधारने की कवायद, दिल्ली के कई इलाकों में चौड़ीकरण की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे लाइन के नीचे अंडरपास बनाकर दिल्ली में आवागमन की दूरी कम करने पर दिल्ली सरकार विचार कर रही है। सरकार ने लोक निर्माण सरकार को इस पर अध्ययन कर रिपोर्ट देने को कहा है। इसके तहत आनंद विहार रेलवे स्टेशन से कड़कड़डूमा आने के लिए अंडरपास बनाने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर सरास काले खां से निजामुद्दीन ईस्ट की तरफ आने जाने के लिए रेलवे लाइन के नीचे बने अंडरपास को चौड़ा किए जाने की भी योजना पर विचार हो रहा है। सरकार जल्द ही मुकरबा चौक रेलवे अंडरपास को भी जनता को समर्पित करने जा रही है। इसका दो प्रतिशत काम बचा है। जनता का आवागमन सुलभ करने के लिए दिल्ली की भाजपा सरकार उन विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर रही है जिनके माध्यम से दिल्ली की जनता को आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। विशेषज्ञों की मानें तो यह वह समय है जब रेलवे लाइन के नीचे बड़े स्तर पर काम कर नता को सुविधा दी जा सकती है।

दरअसल इस समय केंद्र और दिल्ली में भाजपा की सरकार है जिसके चलते रेलवे भी अपनी जमीन पर अपनी संपत्तियों पर काम करने के लिए पूरी तरह से सहयोग कर रहा है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने लोक निर्माण विभाग को कुछ समय पहले निर्देश दिए हैं कि दिल्ली भर में उन स्थानों को अध्ययन किया जाए जहां पर रेलवे लाइन के नीचे अंछरपास बनाकर जनता को आवागमन में सुविधा

उपलब्ध कराई जा सकती है।

यह बात मुख्यमंत्री द्वारा मुकरबा चौक अंडरपास की प्रगति को लेकर हुई समीक्षा बैठक के बाद सामने आई। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह से दिल्ली भर में और जगह पर भी अंडरपास बनाए जा सकते हैं। मुकरबा चौक अंडरपास का काम दो प्रतिशत बचा है। इस अंडरपास के चालू होने पर जनता को लगभग डेढ़ किलोमीटर का चक्कर लगाने की दूरी बच जाएगी। इससे इलाके की जनता को बहुत लाभ होगा।

लोक निर्माण विभाग के सूत्रों का कहना है कि यह इसको लेकर अध्ययन किया जा रहा है कि कहां-कहां रेलवे लाइन के नीचे अंदर पास बनाया जा सकता है। विभाग के सूत्रों की मानें तो आनंद विहार रेलवे स्टेशन से कड़कड़डूमा की तरफ आने के लिए रेलवे लाइन के नीचे भी अंडरपास बनाए जाने की योजना पर चर्चा की जा रही है।

इलाके के विधायक ओम प्रकाश शर्मा कहते हैं कि इलाके की जनता को जिस भी तरह से आवागमन में राहत दिलाई जा सकती है, उसके लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आनंद विहार रेलवे स्टेशन से कड़कड़डूमा की ओर आने जाने के लिए रेलवे लाइन के नीचे अंडरपास बनाकर रास्ता मिलता है तो यह बेहतर कदम होगा। इसे लेकर वह रेलवे और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से बात करेंगे। उधर निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से निजामुद्दीन बस्ती की तरफ आने जाने के लिए पहले से बने रेलवे अंडरपास को चौड़ा किए जाने की योजना पर इलाके के विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा कि यहां पहले से बना अंडरपास बहुत संकरा है। जबकि इस पर इलाके का दबाव बहुत अधिक है।

मई के तीसरे सप्ताह में घोषित होने की संभावना, बोर्ड ने तकनीकी दिक्कत की खबरों को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कहा है कि 12वीं कक्षा का रिजल्ट मई के तीसरे सप्ताह में घोषित होने की उम्मीद है। सीबीएसई ने 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में तकनीकी खामियों और देरी से संबंधित कुछ समाचार पोर्टल की रिपोर्टों को गलत करार देते हुए बुधवार को स्पष्ट किया कि ऑन–स्क्रीन मार्किंग प्रणाली (ओएसएम) के तहत मूल्यांकन प्रक्रिया तय समय के अनुसार आगे बढ़ रही है। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि छात्र मई के तीसरे सप्ताह में परिणामों की उम्मीद कर सकते हैं। नई प्रणाली में तकनीकी दिक्कतों को लेकर मीडिया रिपोर्टों में जो दावे किए गए हैं, वे वास्तविकता से बिल्कुल अलग हैं। उन्होंने कहा, मूल्यांकन प्रक्रिया पिछले मूल्यांकन से भी बेहतर तरीके से चल रही है। इसमें किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है। बोर्ड को ओएसएम प्रणाली के सफल कार्यान्वयन पर गर्व है। शिक्षकों से मिल रहे फीडबैक का जिक्र करते हुए भारद्वाज ने कहा कि शिक्षक इस प्रणाली से संतुष्ट हैं। कई शिक्षक मुझे सेल्फी, तस्वीरें और मैसेज भेजकर कह रहे हैं कि वे सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें इस सिस्टम में कार्य करने का मौका मिला। कुछ ऐसे शिक्षक भी इस प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जता रहे हैं, जिन्हें मूल्यांकन कार्य नहीं सौंपा गया है। 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ओएसएम की शुरुआत करने की घोषणा की थी।

5000 करोड़ गबन के मामले में 22 हजार घर खरीदारों को सुप्रीम कोर्ट ने दिया सहारा, बैंक और निर्माण कंपनी से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्षों से अपने सपनों के घर की बांट जोह रहे हजारों परिवारों के लिए न्याय के गलियारों से एक भरोसेमंद और सकारात्मक खबर आई है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि उसका एकमात्र और सर्वोपरि उद्देश्य यूनिटेक लिमिटेड के उन 22 हजार घर खरीदारों को उनके घर दिलाना है, जो लंबे समय से अधर में लटके हुए हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस पेचीदा विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए केंद्र द्वारा नियुक्त बोर्ड, बैंकों और वित्तीय संस्थानों से सुझाव मांगे हैं ।यह मामला केवल ईंट और गारे की इमारतों का नहीं, बल्कि उन 22 हजार घर खरीदारों के सपनों का है। हजारों मध्यमवर्गीय परिवारों की गाढ़ी कमाई और उम्मीदों का है, जिन्होंने वर्षों पहले यूनिटेक की परियोजनाओं में निवेश किया था। पीठ ने बड़ी गंभीरता से पूछा कि

आखिर ग्राहकों द्वारा जमा किया गया पैसा गया कहां? इस पर केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने चौंकाने वाली बात बताई कि पूर्व प्रमोटरों ने इस धन को विदेशों (टैक्स हेवन देशों) में ठिकाने लगा दिया। कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अब कोई और बहाना नहीं चलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सात प्रमुख बैंक और तीन एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों को एक सप्ताह के भीतर लिखित सुझाव देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि राज्य अधिकारियों द्वारा आदेशों की अनदेखी या निर्माण कार्यों में बाधा डालने पर सख्त रुख अपनाया जाएगा। इससे पहले भी कोर्ट ने रेरा पंजीकरण से छूट देकर अटके हुए ग्राहकों के वितरण का रास्ता साफ किया था।

दिल्ली के मिनी बंगाल में बंगाल चुनाव पर टिकी नजर, कोई कह रहा बदलाव की बयार तो कोई सत्ता के समर्थन में बोल रहा

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। बंगाल में हुए चुनावी माहौल की गूंज दिल्ली में बसे 'मिनी बंगाल' में भी साफ सुनाई दी। दक्षिणी दिल्ली के चितरंजन पार्क में बंगाली समुदाय के बीच बुधवार को चुनाव को लेकर चर्चा का माहौल बना रहा। बाजार, दुकानों और घरों में भी लोग चुनावी माहौल को लेकर बात करते नजर आए। अलग-अलग इलाकों में लोग मतदान प्रतिशत, चुनावी मुद्दों और संभावित परिणामों को लेकर चर्चा करते दिखे। कई लोगों ने इस बार हुए रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत को बदलाव का संकेत बताया, तो कुछ ने इसे मौजूदा सत्ताधारी पार्टी के प्रति जनता के समर्थन के रूप में देखा। चुनावी माहौल के बीच किसी का मानना है कि राज्य में धार्मिक तकरार, जातिगत हिंसा और बेरोजगारी जैसी बातें बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही हैं, जबकि जमीनी स्तर पर लोग संतुष्ट नजर आते हैं। वहीं, किसी ने कहा कि इस बार लोगों ने बदलाव की बयार को लेकर मतदान किया है। दिल्ली में रह रहे बंगाली समुदाय के लोगों के बीच यह चर्चाएं दिखाती हैं कि राज्य का चुनाव सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अन्य हिस्सों में बसे लोगों की नजर भी इस पर टिकी हुई है। अब सभी को चुनाव परिणामों का इंतजार है, जो यह तय करेंगे कि उच्च मतदान बदलाव की बयार लाता है या मौजूदा सरकार को ही मजबूत करता है। दोनों चरणों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो दर्शाता है कि लोग इस बार बेहद जागरूक और उत्साहित थे। मतदाताओं की सोच और विचारधारा में बदलाव आया है और यह चुनाव उसी का परिणाम हो सकता है। लोगों ने दिल्ली से

जाकर बढ़-चढ़कर मतदान प्रक्रिया में भाग लिया है। यह दर्शाता है कि लोग अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हैं। भ्रष्टाचार, सड़क, बिजली और पानी जैसे स्थानीय मुद्दे मतदाताओं के लिए मुख्य हैं और जनता अब इन बुनियादी सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। इस बार युवाओं की भागीदारी ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया है। युवा मतदाता बदलाव और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर ज्यादा सजग हैं। स्पष्ट है कि इस बार चुनावों के परिणाम बदलाव के संकेत दे रहे हैं। चुनावी माहौल के बीच बंगाल में धार्मिक या जातिगत तनाव को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। जमीनी स्तर पर ऐसा कुछ नहीं है और लोग वर्तमान सरकार के काम से संतुष्ट हैं। सरकार ने स्थानीय स्तर पर आम लोगों के लिए काफी कुछ किया है। बढ़े हुए मत प्रतिशत देखकर भले ही यह लग रहा है बदलाव दिख रहा है लेकिन परिणाम इसके उलट ही रहेगा। बंगाल में लैंड, सी-पोर्ट, रेलवे, रोडवेज और एयरपोर्ट जैसी मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता है, लेकिन बिजनेस नहीं बढ़ पा रहा है। औद्योगिक मेन्युफैक्चरिंग यूनिट की कमी और निवेश के अभाव ने रोजगार के अवसर सीमित किए हैं। आने वाली सरकार को उद्योगों को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और स्थायी रोजगार सृजन को लेकर ठोस नीतियां लाने को काम करना होगा।

13 वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले को फांसी: 50 साल बाद मिला न्याय, दोषी को दिया जाएगा मौत का इंजेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अर्नेस्ट हिचकॉक को आज शाम मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सौतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था। कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा। इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की को घर के बाहर ले गया, जहां उसने उसे पीटा और गला दबाया, जब तक कि वह पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हो गई। इसके बाद उसने शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के बाद हिचकॉक घर लौटा, नहाया और सो गया।

ट्रायल के दौरान बदला बयान

ट्रायल के दौरान हिचकॉक ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि हत्या उसने नहीं बल्कि उसके भाई ने की थी। उसने दावा किया कि लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के बाद उसका भाई कमरे में आया, उसे बाहर ले गया और गुस्से में उसकी पिटाई व गला घोंटकर हत्या कर दी। हिचकॉक ने कहा कि उसने अपने भाई को बचाने के लिए पहले अपराध अपने ऊपर लिया था। हिचकॉक को 1977 में पहली बार मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपीलों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते उसे 1988, 1993 और 1996 में दोबारा मौत की सजा सुनाई गई। हाल ही में फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी रोकने की अपील खारिज कर दी।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच हिंद-प्रशांत में चीनी सैन्य ताकत से बढ़ी टेंशन, अमेरिकी सांसदों ने जाहिर की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में अमेरिकी संसद के भीतर इन दिनों वैश्विक रणनीतिक संतुलन को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सांसदों ने चिंता जताई है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सैन्य गतिविधियों के बीच हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीति को प्रभावित कर सकती है। यह चर्चा उस समय हो रही है जब अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर सैन्य और कूटनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। अमेरिकी सांसदों ने पेंटागन बजट सुनवाई के दौरान कहा कि चीन अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, बल्कि वह तेजी से वैश्विक सैन्य ताकत के रूप में उभर रहा है। चीन लगातार अपने नौसैनिक बेड़े, मिसाइल तकनीक और अंतरिक्ष क्षमताओं में निवेश बढ़ा रहा है, जिससे प्रशांत महासागर में शक्ति संतुलन बदल रहा है। सांसदों ने यह भी चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य तैनाती बढ़ने से हिंद-प्रशांत में तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता कमजोर हो सकती है। उनका कहना है कि अगर अमेरिका का ध्यान इस क्षेत्र से हटता है, तो चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का और अवसर मिल सकता है। सुनवाई में समिति अध्यक्ष माइक डी. रोजर्स ने कहा कि अमेरिका इस

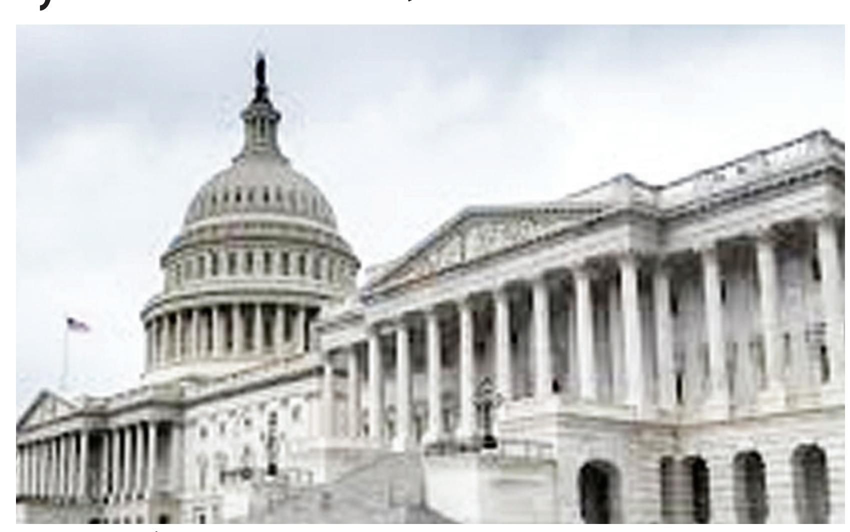

समय अभूतपूर्व वैश्विक खतरे का सामना कर रहा है, जिसमें चीन सबसे बड़ा चुनौतीकर्ता है। वहीं जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन ने कहा कि सैन्य तैनाती हमेशा जोखिम और प्राथमिकताओं के आधार पर संतुलित की जाती है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया भर में एक साथ कई खतरों से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नीति का उद्देश्य तात्कालिक सुरक्षा और दीर्घकालिक रोकथाम दोनों को संतुलित रखना है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह मिडिल ईस्ट और हिंद-प्रशांत दोनों क्षेत्रों में समान रूप से प्रभाव बनाए रखे।

भारत को 'कोहिनूर' लौटाएगा ब्रिटेन?: किंग चार्ल्स से न्यूयॉर्क के मेयर की अपील; ममदानी के बयान से चर्चाएं तेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चल रहे एक ऐतिहासिक विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्हें ब्रिटेन के राजा राजा चार्ल्स तृतीय से मिलने का मौका मिलता है, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की मांग करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से पूछा गया कि वे राजा से क्या कहेंगे, तो उन्होंने बिना किसी औपचारिक बात के सीधे इस मुद्दे को उठाया। उनका कहना था कि कोहिनूर सिर्फ एक हीरा नहीं, बल्कि भारत के इतिहास, गौरव और ब्रिटिश शासन के दौरान हुए अन्याय का प्रतीक है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के दौरान राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद कहा, 'अगर मुझे राजा से अलग से बात करने का मौका मिलता, तो मैं शायद उन्हें कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता।' दरअसल, कोहिनूर हीरा भारत के आंध्र प्रदेश के कोल्लूर खान से निकला था और यह कई भारतीय शासकों, मुगलों और सिखों, के पास रहा। लेकिन साल 1849 मेंद्वितीय एंग्लो–सिख युद्ध के बाद अंग्रेजों ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। उस समय मात्र 10 साल के महाराजा दलीप सिंह से एक समझौते पर हस्ताक्षर करवाकर यह हीरा ब्रिटेन ले जाया गया। आज यह हीरा लंदन के लंदन के टॉवर में रखा हुआ है और ब्रिटिश शाही ताज का हिस्सा है। भारत लंबे समय से इसे वापस लाने की मांग करता रहा है और इसे 'लूटी गई धरोहर' मानता है। मेयर ममदानी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब किंग चार्ल्स न्यूयॉर्क के वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 11 सितंबर 2001 के हमलों की 25वीं बरसी के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। इस कार्यक्रम में खुद ममदानी भी मौजूद रहेंगे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी का भारत से भी गहरा रिश्ता है। उनकी मां मीरा नायर भारत में जन्मी हैं। ऐसे में उनका यह बयान सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और ऐतिहासिक जुड़ाव को भी दर्शाता है। यह बहस तेज हो गई है कि क्या ब्रिटेन को अपने कब्जे में रखी ऐतिहासिक वस्तुएं; जैसे कोहिनूर – उन देशों को वापस कर देनी चाहिए, जहां से वे लाई गई थीं।

लंदन में यहूदियों पर चाकू से हमला; पुलिस ने मानी आतंकी घटना, पीएम स्टार्मर ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर हुए एक हमले ने ब्रिटेन में सुरक्षा और बढ़ते एंटी-सेमिटिज्म को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दो यहूदी राहगीरों को घायल कर दिया। ब्रिटिश काउंटर-टेररिज्म पुलिस ने इस घटना को आतंकी हमला करार दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने घटना पर गहरी चिंता जताई।

घटना दिन में हुई, जब एक 45 वर्षीय हमलावर कथित तौर पर गोल्डर्स ग्रीन रोड पर चाकू लेकर दौड़ता हुआ यहूदी लोगों को निशाना बना रहा था। सामुदायिक निगरानी समूह शोमरिम ने सोशल मीडिया पर बताया कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी नागरिकों को ढूंढकर हमला करने की कोशिश कर रहा था, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावर ने पुलिस अधिकारियों पर भी हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने टेजर का इस्तेमाल कर उसे काबू में लिया और गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हत्या के प्रयास के आरोप में हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कमिश्नर मार्क रोवली के अनुसार आरोपी का गंभीर हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड रहा है। हमले में घायल दो लोगों की उम्र

76 और 34 वर्ष बताई गई है। दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति स्थिर है।

इस घटना के बाद आपातकालीन कोबरा बैठक भी बुलाई गई। लंदन के मेयर सादिक खान ने कहा कि राजधानी में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किए जा रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और समाज में इस तरह की नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

गृह सचिव और किंग चार्ल्स तृतीय ने जताई चिंता

ब्रिटेन की गृह सचिव शबाना महमूद ने बताया कि प्रभावित इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, किंग चार्ल्स तृतीय, जो इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं, उन्हें भी इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है और उन्होंने इस पर गहरी चिंता जताई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब हाल के महीनों में लंदन में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 मार्च को गोल्डर्स ग्रीन में स्वयंसेवकों द्वारा संचालित चार एंबुलेंसों में आग लगा दी गई थी, जिससे धमाके भी हुए थे। इस मामले में तीन लोगों पर आरोप तय किए गए हैं। इसके अलावा, हाल ही में उसी इलाके में एक मेमोरियल वॉल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, जिसकी जांच फिलहाल काउंटर-टेररिज्म पुलिस कर रही है। 21 अप्रैल को पुलिस ने यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर आगजनी की साजिश रचने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। इसी दिन एक 17 वर्षीय किशोर ने केंटन स्थित एक सिनेगॉग पर पेट्रोल बम से हमला करने की बात स्वीकार की थी।

बाघाडीह में अधूरे एप्रोच पथ एवं पुल की जांच

इंजीनियरों की टीम ने लिया जायजा

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जनता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की पहल पर विशेष प्रमंडल के अभियंताओं की टीम गुरुवार को गांडेय प्रखंड के बाघाडीह पहुंची। टीम ने गिरिडीह जामताड़ा सीमा पर बने पुल और एप्रोच रोड का स्थल निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।
निरीक्षण के दौरान सामने आया कि पुल के पूर्वी छोर पर प्रस्तावित 200 मीटर एप्रोच के स्थान पर केवल 120 मीटर ही निर्माण किया गया है, जबकि 80 मीटर एप्रोच अभी भी अधूरा है। टीम ने मौके पर एप्रोच निर्माण की नापी भी की स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में अनियमितता और अधूरे कार्य को लेकर नाराजगी जताई। वहीं, पूर्व जिप सदस्य एवं पार्टी के जिला संयोजक राजेश यादव ने कहा कि पुल के दोनों ओर एप्रोच पूरा नहीं होने से इसकी उपयोगिता प्रभावित हो रही है।

उन्होंने बताया कि बाघाडीह की ओर एप्रोच पूरा है, लेकिन दूसरी तरफ कार्य अधूरा है उन्होंने मांग की कि शेष एप्रोच कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए और सर्वे पथ से मुख्य सड़क तक जोड़ने के लिए करीब 350 मीटर सड़क का निर्माण

गार्डवाल के साथ किया जाए। ऐसा नहीं होने पर पुल का लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिल पाएगा।उन्होंने संबंधित विभाग और स्थानीय विधायक से इस मामले में हस्तक्षेप कर समाधान सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो स्थानीय लोगों के साथ आंदोलन किया जाएगा इस दौरान पार्टी नेता मनोज यादव समेत कई स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

सीएचसी के कर्मियों को वेतन के लाले

दुमका। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को बीते आठ महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गया है। अल्प मानदेय पर काम करने वाले इन कर्मियों की भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है।
सीएचसी में सफाई कर्मी, वार्ड ब्वाय, लैब टेक्नीशियन, चेन होल्डर, सुरक्षा गार्ड सहित करीब एक सौ से अधिक आउटसोर्सिंग कर्मी कार्यरत हैं।कर्मियों के अनुसार अगस्त 2025 से अब तक उन्हें वेतन नहीं मिला है। जिसके कारण घर का राशन, दूध सहित अन्य सबकुछ उधार पर चल रहा है।
बच्चों की स्कूल फीस लंबित है एवं मकान किराया देना भी मुश्किल हो गया है। आठ महीने से एक भी पैसा नहीं मिला है। अब दुकानदार भी उधार देने से मना कर रहा हैं। बच्चों का स्कूल छूटने की नौबत आ गई है। करीब 15 दिन पहले दुमका में जिले भर के आउटसोर्सिंग कर्मियों ने वेतन भुगतान को लेकर बैठक हुई थी। जिसमें आंदोलन की चेतावनी दी गई थी।

मैट्रिक के टॉपर विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। देव प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बेला के प्रांगण में वर्ग नवम के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह और वर्ग दशम के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य रितेश कुमार द्वारा एवं मंच संचालन शिक्षक मुकेश कुमार मेहता द्वारा किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संबोधन के क्रम में शिक्षक मंतोष कुमार एवं डॉ विकास सिंह ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते उचित मार्गदर्शन देते हुए कहा कि जो विद्यार्थी अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करेंगे,वही बच्चे अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने में सफलता प्राप्त करेंगे। प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों को समय का सही प्रयोग,अलग-अलग

क्षेत्रों में अपनी कौशल क्षमता बढ़ाने का निर्देश दिया।सम्मान समारोह के मौके पर दिलीप कुमार, शोभा सिंह, सोनी कुमारी, सुनील कुमार, खुशबू कुमारी, अंजलि पाठक इत्यादि सभी शिक्षकों ने कहा कि समय का सदुपयोग करके ही बच्चे आगे बढ़ सकते हैं।वर्ग दशम के टॉपर्स काजल कुमारी,रौनक कुमार,सोनम कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

लू ने बढ़ाई परेशानी

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले में बढ़ते तापमान और लू की मार ने स्वास्थ्य सेवाओं को हांफने पर मजबूर कर दिया है। सरायकेला के सदर अस्पताल व प्रखंडों के स्वास्थ्य केंद्रों में डायरिया, उल्टी, लूज मोशन और हीटस्ट्रोक से ग्रस्त मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

प्रभारी प्रधानाध्यापक सह संकुल संचालक को दी गई विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। फारबिसगंज प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय बसगड़ा रामपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक सह संकुल संचालक सम्भु कुमार का स्थानांतरण बिपीएससी द्वारा चयनित होकर प्रधान शिक्षक (एच टी) के पद पर फारबिसगंज प्रखंड के ही कुशमाहा के प्राथमिक विद्यालय रामगंज में हो गया है। सम्भु कुमार वर्ष 2014 में टी ई टी परीक्षा पास कर शिक्षक बने। फरबरी 2022 से अप्रेल 2026 तक मध्य विद्यालय बसगड़ा रामपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक रहे तथा संकुल संचालक की जिम्मेदारी को भी बखूबी अंजाम दिया। संकुलाधिन विद्यालय के प्रधानाध्यापकों द्वारा गुरुवार को मध्य विद्यालय बसगड़ा रामपुर में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उच्च विद्यालय बसगड़ा रामपुर के प्रधान अध्यापक संजय कुमार शर्मा एवं मध्य विद्यालय झिरुआ पश्चिम के प्रधान अध्यापक कपिलदेव रजक, पूर्व प्रमुख तथा वर्तमान पैक्स अध्यक्ष प्रदीप मेहता, पूर्व जिला परिषद सदस्य देवनाथ मंडल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इन सभों ने बारी बारी से अपने सम्बोधन में कहा की इस स्कूल में सम्भु जी के विगत चार वार्षो के सेवा को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इन्होंने संकुल के प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी का निर्वाहन कुशलता पूर्वक किए हैं।विद्यालय की विधि व्यवस्था, पठन पाठन, साफ सफाई सहित अन्य सभी गतिविधियों का संचालक जिस अंदाज में किए हैं वह इस क्षेत्र के बच्चों, अभिभावकों, ग्रामीणों के लिए एक मिशाल के रूप में याद रखा जाएगा तो वहीं शिक्षकों के लिए प्रेरणा

एवं चुनौती के रूप में स्वीकार किया जाएगा। वहीं प्राथमिक विद्यालय फनीलाल मेहता टोला के प्रधान राकेश रंजन, प्राथमिक विद्यालय नयानगर की प्रधान निक्की कश्यप, प्राथमिक विद्यालय छूड़छूड़िया के प्रभारी प्रधान रंजेश सिंह, प्राथमिक विद्यालय दोगछी की प्रधान रीना कुमारी, प्राथमिक विद्यालय कामत टोला के प्रधान उमेश कुमार इत्यादि भी इस पल को यादगार बताते हुए कहे की सम्भु जी के योगदान को शब्दों में बयान करने के लिए सिर्फ इस विद्यालय के बच्चों के शिसकते चेहरे और डबडबाती आँखें ही काफी है। अपने प्रधान अध्यापक के विदाई का दुख इन सैकड़ों बच्चों और यहाँ के शिक्षकों के चेहरे पर झलक रहा है जो सम्भु जी के ईमानदारी, निष्ठा, कर्मठता और बेहतरीन व्यवहार का ठोस प्रमाण है। वहीं इस सुभावसर पर संकुलाधिन विद्यालय के दजानों शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ साथ सैकड़ो ग्रामीण भी मौजूद रहे।

पत्रकार से मारपीट की घटना पर मंत्री की बर्खास्तगी की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में पत्रकार के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी आरएलजेपी झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताया है। राजकुमार राज ने कहा कि पत्रकारों के साथ इस तरह की घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय हैं।
उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के संरक्षण में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि इस मामले में दोषी मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाए और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। श्री राज ने कहा कि यदि सरकार इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं करती है, तो लोक जनशक्ति पार्टी सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

सीएम के आगमन पर शिक्षक- शिक्षकेत्तर कर्मचारी वेतन एवं पेंशन की लगायेंगे गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता सह बिहार प्रदेश वित्त रहित अनुदानित शिक्षक- शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ के प्रदेश संयोजक विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, प्रो (डॉ) अरविंद कुमार, डॉ अनिल कुमार सिन्हा, विपिन बिहारी सिन्हा, प्रो विश्वनाथ कुमार, प्रो कमलेश यादव, इंटक के जिला महासचिव टिंकू गिरी, डॉ मदन कुमार सिन्हा आदि ने कहा कि बिहार राज्य में वर्षो से संचालित हजारों वित्त रहित अनुदानित डिग्री कॉलेज, इंटर कॉलेज, + 2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय, मध्य विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लगातार माँग के बाबजूद भी अभी तक इन्हें सरकारी शिक्षण संस्थानों के तर्ज.पर नियमित वेतनमान एवं पेंशनर नहीं मिलने से उनमें भारी मायूसी एवं आक्रोश है।

नेताओं ने कहा बिहार राज्य के संबंधन प्राप्त वित्त रहित अनुदानित डिग्री कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को 2025 में ही पटना उच्च न्यायालय के डबल बेंच के ऐतिहासिक फैसले में यह आदेश दिया था की सभी कर्मचारियों को सरकारी कॉलेज के तर्ज.पर नियमित वेतनमान एवं पेंशन का भुगतान तीन माह के अंदर सुनिश्चित करे, जिसके खिलाफ तीन महीने पूरे होने के अंतिम दिन माननीय उच्चतम न्यायालय में इस आदेश के खिलाफ याचिका दायर कर दिया, तथा इस याचिका में सैकड़ों संबंधन प्राप्त डिग्री कॉलेज भी इंटरवेनर बन कर न्याय की गुहार लगाये है, साथ ही साथ राज्य सरकार ने चुनाव के पहले मीडिया में वित्त रहित अनुदानित डिग्री कॉलेज के शिक्षक- शिक्षकेतर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान एवं पेंशन देने का आश्वासन देकर मुख्य सचिव बिहार की अध्यक्षता में एक कमिटी भी बना दिया गया है, जिसके बनने के महीनों बाद अभी तक कोई बातें सामने नहीं आई है, जिससे कर्मचारियों में भारी निराशा है ।नेताओं ने कहा कि दुसरी ओर वित्त रहित अनुदानित डिग्री कॉलेज के 2008 से छात्रों के रिजल्ट के आधार पर मिलने वाली अनुदान भी 2018 से 2026 लगभग नौ वर्षो का बकाया है, जिसे भी नहीं मिलने से शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं इनके परिवार भुखमरी के कगार पर है।
नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार सूबे के सभी 534 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज सुनिश्चित करने हेतु 326 वैसे प्रखंड जहां सरकारी या संबंधन प्राप्त डिग्री कॉलेज है, उन्हें उसी को वहां का कॉलेज मान कर शेष 208 प्रखंडों जहां डिग्री कॉलेज नहीं है, वहां नए डिग्री कॉलेज खोलने तथा इन कॉलेज में लगभग दस हजार शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को बहाल करने का निर्णय सम्राट चौधरी के सरकार के दूसरे कैबिनेट की बैठक में निर्णय कर इसके लिए 100 करोड़ रुपए जारी भी कर दिया है, तो अब वित्त रहित अनुदानित लगभग 200 कॉलेज के लगभग 25 हजार शिक्षक एवं शिक्षकेतर कमार्चारियों के नियमित वेतनमान एवं पेंशन पर सरकार क्यों चुपी साधे हुए हैं । नेताओं ने 01 मई मजदूर दिवस एवं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बोधगया आगमन पर महासंघ के लोग उनसे विनम्रता पूर्वक आग्रह करना चाहते हैं कि 40 वर्षो से लंबित मामले पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए राज्य के वित्त रहित अनुदानित शिक्षण संस्थानों के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान एवं पेंशन देने की घोषणा करने की कृपा करें।

श्री राम-लखन-जानकी प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के बरौली में आयोजित श्री राम-लखन-जानकी प्राण प्रतिष्ठा सह धार्मिक यज्ञ के पांचवें दिन भगवान श्री रामचंद्र, लक्ष्मण एवं माता जानकी की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हो गई। इस पावन अवसर पर पूरे गांव में भक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिला।प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आचार्यों एवं पंडितों द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन, हवन एवं विशेष अनुष्ठान संपन्न कराए गए। इसके बाद भगवान की प्रतिमाओं को विधिपूर्वक उनके निर्धारित स्थान पर विराजमान कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में जय श्री राम के जयघोष गूंजते रहे।यज्ञ स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे सभी पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना में शामिल हुए। आयोजन को

लेकर गांव में विशेष सजावट की गई है, जिससे पूरा बरौली मानो अयोध्या की झलक प्रस्तुत कर रहा है।आयोजन समिति द्वारा जानकारी दी गई कि शुक्रवार को यज्ञ की पूणार्हुति के उपरांत भव्य महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा। इसमें दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की समुचित व्यवस्था की गई है।समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक आयोजन में भाग लें, प्रसाद ग्रहण करें एवं पुण्य के भागी बनें।

सड़क हादसे में नाना-नतिनी की मौत

शादी समारोह से लौटते समय घटी घटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । राजधनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत लालबाजार में गुरुवार अहले सुबह करीब 3 बजे एक भीषण सड़क हादसे में नाना और नतिनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चालक समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मृतक व घायल एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।
मृतकों की पहचान बिरनी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरहमसिया निवासी 22 वर्षीय कुमकुम कुमारी एवं कोडरमा जिले के तिलैया स्थित पानी टंकी निवासी 65 वर्षीय बंगाली हाडी के रूप में हुई है।
घायलों में बरहमसिया निवासी 50 वर्षीय बेदो हाडी, 45 वर्षीय तारा देवी, 18 वर्षीय रोनित कुमार, 60 वर्षीय शांति देवी और 30 वर्षीय कार चालक अरविंद यादव शामिल हैं। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग देवघर जिले में एक शादी समारोह से लौटकर अपने घर

बरहमसिया आ रहे थे। इसी दौरान लालबाजार के पास विपरीत दिशा से आ रही बस से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को कार से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजधनवार पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने कुमकुम कुमारी और बंगाली हाडी को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों की प्राथमिक चिकित्सा के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया।
इधर, पुलिस ने दोनों शवों और क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर धनवार थाना पहुंचाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेज दिया है इस दर्दनाक हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए, जिससे टक्कर की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

खेत से गायब दुकानदार की लाश बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के पियर थाना क्षेत्र में एक मुर्गा दुकानदार का शव चौड़ में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। इस घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शुरूआत में शव की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन बाद में उसकी पहचान वैशाली जिले के कटहारा थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद नौशाद आलम (उम्र 45 वर्ष) के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह बुधवार से लापता थे और गुरुवार को उनका शव मकई के खेत में बरामद किया गया।
घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है, जो साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है।
मृतक के परिजनों ने बताया कि उन्हें गुरुवार को सूचना मिली कि मकई के खेत में नौशाद आलम की बाइक खड़ी है और पास ही उनका शव संदिग्ध हालत में पड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि नौशाद आलम मुर्गा दुकान चलाते थे और बाजार में पेठिया लगाते थे।

मजदूर दिवस पर रैली व आम सभा आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर 1 मई को असंगठित मजदूर मोर्चा और माले के संयुक्त तत्वावधान में रैली एवं आम सभा का आयोजन किया जाएगा।
कार्यक्रम में निरसा विधायक अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक बबलू महतो, पूर्व विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक राजकुमार यादव सहित कई प्रमुख नेता शामिल होंगे इस संबंध में मुफ्फसिल क्षेत्र के महुवाटांड़ कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें असंगठित मजदूर मोर्चा के केंद्रीय सचिव कन्हाई पांडेय, किशोर राय, मसूदन कोल एवं माले नेता राजेश सिन्हा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।
नेताओं ने बताया कि 1 मई को दोपहर चतरो मैदान में सभी मजदूर एकत्रित होंगे, जहां से रैली निकाली जाएगी। यह रैली श्रीरामपुर पहुंचेगी, जहां एक निजी हॉल में आम सभा का आयोजन किया जाएगा।
सभा में केंद्र सरकार की कथित मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी बैठक को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि मजदूरों के हक की लड़ाई में असंगठित मजदूर मोर्चा और माले हमेशा अग्रणी रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले मजदूरों से 18-19 घंटे तक काम कराया जाता था, लेकिन लंबे संघर्ष के बाद 8 घंटे कार्य, 8 घंटे आराम और 8 घंटे मनोरंजन का नियम लागू हुआ।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.सं. : 1, ई–निविदा सं. : 21-DHN-2026-27, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं. अभि./बरकाकाना के अधिकार क्षेत्र में व.अनु. अभि./कार्य/पतरातु के अधीन पतरातु में कर्मचारी क्वार्टरों की विशेष मरम्मत, 12 (बारह) महीना। कार्य की लगभग लागत (रू में) : ₹6,60,36,751.43

क्र.सं. : 2, ई–निविदा सं. : 22-DHN-2026-27, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं. अभि./डाल्टनगंज के अधिकार क्षेत्र में व.अनु. अभि./कार्य/बरवाडीह के अधीन बरवाडीह में कर्मचारी क्वार्टरों की विशेष मरम्मत, 12 (बारह) महीना। कार्य की लगभग लागत (रू में) : ₹4,83,96,028/–

क्र.सं. : 3, ई–निविदा सं. : 23-DHN-2026-27, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं. अभि./धनबाद के अधीन व.अनु.अभि./कार्य–2/धनबाद के अधिकार क्षेत्र में रहने योग्य आवासीय क्वार्टरों में टपकती छत के उपचार और आवश्यक सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ 326 रेलवे क्वार्टरों की गहन मरम्मत, 12 (बारह) महीना। कार्य की लगभग लागत (रू में) : ₹3,30,70,498/–

क्र.सं. : 4, ई–निविदा सं. : 24-DHN-2026-27, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं. अभि./धनबाद के अधीन व.अनु.अभि./कार्य–1/धनबाद के अधिकार क्षेत्र में रहने योग्य आवासीय क्वार्टरों में आवश्क सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ (हिल कॉलोनी (201) अस्पताल कॉलोनी (142), रंगाटांड कॉलोनी (212), बेकारबांध कॉलोनी (184) डायमंड क्रासिंग कॉलोनी (20), मटकुरिया कॉलानी (45) = कुल 804 संख्या) में 804 रेलवे क्वार्टरों की गहन मरम्मत, 12 (बारह) महीना। कार्य की लगभग लागत (रू में) : ₹7,26,39,081/–

क्र.सं. : 5, ई–निविदा सं. : 25-DHN-2026-27, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : चिआंकी एवं कजरी में 3.0 मी चौड़े एफओबी का प्रावधान, 18 (अठराह) महीना। कार्य की लगभग लागत (रू में) : ₹6,88,39,547.75/–

ब्याने की राशि (रु. में) : ब्याने की राशि http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू। निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय : ई–निविदा बंद होने की तारीख 25.05.2026 को 12:00 बजे तक। ई–निविदा खुलने की तारीख 25.05.2026 को 12:30 बजे से। वेबसाइट का विवरण : http://www.ireps.gov.in. ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण) / पूमरे/धनबाद

पीआर/0151/एसपीजे/यां./टी/26–27/64

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com

16 मई से जनगणना का पहला चरण होगा शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में मीडिया ब्रीफिंग आयोजित की गई। इस दौरान अधिकारियों ने जनगणना की प्रक्रिया, तैयारियों एवं नागरिकों की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। उपायुक्त रामनिवास यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना का प्रथम चरण 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक चलेगा। इस दौरान मकानों का सूचीकरण एवं गणना कार्य किया जाएगा। इसके लिए जिले में 802 पर्यवेक्षक और 4699 प्रगणकों की प्रतिनियुक्ति की गई है उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने बताया कि जिले में कुल 16 चार्ज बनाए गए हैं, जिनमें 13 ग्रामीण और 3 शहरी क्षेत्र शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में गिरिडीह नगर निगम, बड़की सरैया और धनवार नगर पंचायत को शामिल किया गया है। पहली बार मिलेगी स्व-गणना की सुविधा उप विकास आयुक्त ने बताया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी व आसान बनाने के लिए पहली बार नागरिकों को स्व-गणना सेल्फ ऐनुमैरेशन की सुविधा दी गई है नागरिक 1 मई से 15 मई 2026 के बीच आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर के जरिए पंजीकरण कर लगभग 30 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। अधिकारी का बयान हर नागरिक की सहभागिता इस महाअभियान की सफलता की कुंजी है। लोग स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

जेएसएलपीएस योजनाओं की समीक्षा बैठक में पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। डीआरडीए सभागार में गुरुवार को उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी की अध्यक्षता में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी जसलपीएस के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं सशक्तिकरण, बैंक लिंकेज, ऋण पुनर्भुगतान, बैंकों में लंबित मामलों, महिला लखपति किसान योजना, इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर, लेयर बर्ड, डीडीयू-जीकेवाई एवं आरसेटीआई आरसेटी सहित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया उप विकास आयुक्त ने सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समर्पण सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।
उन्होंने विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों के व्यापक गठन और सुदृढ़ीकरण पर जोर देते हुए

अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाओं को आजीविका से जोड़ने की बात कही उन्होंने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है, उन्हें चालू वर्ष में प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। साथ ही पीरटांड़ एवं गांडेय प्रखंड के बीपीएम को कार्य निष्पादन में सुधार लाने हेतु कड़ी चेतावनी दी गई बैठक में स्वयं सहायता समूहों को दिए गए ऋण एवं उनके पुनर्भुगतान की भी गहन समीक्षा की गई।
उप विकास आयुक्त ने समयबद्ध पुनर्भुगतान सुनिश्चित करने तथा बैंकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियमित क्षेत्र भ्रमण और निगरानी पर भी बल दिया गया इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक जेवियर एक्का, जिला प्रबंधकगण एवं विभिन्न प्रखंडों के बीपीएम उपस्थित थे।